ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिद्धरामैया के इस्तीफे को स्वीकार करने की भूमिका तैयार करने के लिए... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 03 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-182

डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धियों पर पीएम मोदी ने कहा

डिजिटल इंडिया योजना नहीं, जनआंदोलन है...

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धियों पर कहा कि पूरी दुनिया आज डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर ही नजर गड़ाए देख रही है। पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल इंडिया एक जन-आंदोलन है। पिछले दस साल में यह अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि एक दशक में यह जन आंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया की 10 साल की नायाब उपलब्धियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही ब्लॉग लिखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहां दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे या नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहां दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिये पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है। यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना-एक ऐसा मिशन, जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। वर्ष 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन

डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है दुनिया

पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डाटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन व निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

वर्ष 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5-जी रो-लआउट विश्व में सबसे तेज रो-लआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक, जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुंच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 अरब से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गई है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है, जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) आम आदमी को ▶10पर

बिहार में घर-घर जाकर चुनाव आयोग कर रहा वोटरों की जांच

यह एनआरसी नहीं बिहार में चुनाव की तैयारी है

नई दिल्ली/पटना, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय चुनाव आयोग वोटर लिस्ट को ठीक करने का बड़ा काम कर रहा है जिसे विशेष गहन पुनरीक्षण कहा गया है। इस काम में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) यानी वो लोग जो हर गांव और मोहल्ले में वोटिंग का काम देखते हैं, घर-घर जाकर यह जांच रहे हैं कि वोटर लिस्ट में कौन-कौन का नाम सही है। मतलब जिन लोगों को वोट डालने का हक है, उनका नाम लिस्ट में रहे और जिनका नहीं होना चाहिए, जैसे कि जिनकी मृत्यु हो गई है या जो कहीं और चले गए हैं, उनका नाम हट जाए।

चुनाव आयोग का कहना है कि यह सब इसलिए हो रहा है ताकि वोटिंग में कोई गड़बड़ न हो। बिहार में अभी 7.89 करोड़ लोग वोटर हैं और इस जांच से ये सुनिश्चित होगा कि सिर्फ़ सही लोग ही वोट डालें। इसके लिए 1.5 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट लगाए गए हैं, जो सभी पार्टियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद), एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जैसी पार्टियां और तेजस्वी यादव, असदुद्दीन ओवैसी, सागरिका घोष जैसे नेता इस काम को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि ये सब भाजपा और एनडीए की साजिश है, ताकि गरीब, दलित, पिछड़े और मुस्लिम लोगों को वोटर लिस्ट से हटाया जा सके। जबकि इन आरोपों का जमीनी वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है। चुनाव आयोग ने 25 जून 2025 से जांच शुरू की है जो 26 जुलाई तक चलेगी। इसके बाद 30 सितंबर को नई और सही वोटर लिस्ट छपेगी। इस काम में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) हर घर में जा रहे हैं। उनके पास एक फॉर्म होता है, जो आधा भरा होता है। वो उस फॉर्म को लोगों को देते हैं और उनसे कुछ जानकारी मांगते हैं, जैसे कि नाम, पता और कुछ कागजात। ये कागजात इसलिए चाहिए ताकि ये पक्का हो सके कि वो व्यक्ति वोट डालने का हकदार है। अगर आपका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में है (जब बिहार में आखिरी बार ऐसा बड़ा काम हुआ था), तो आपको बस अपनी जानकारी की पुष्टि करनी है। अगर आपके मम्मी-पापा का नाम उस लिस्ट में है, तो आपको कोई अतिरिक्त कागज देने की जरूरत नहीं। लेकिन अगर आपका या आपके मम्मी-पापा का नाम उस पुरानी लिस्ट में नहीं है, तो आपको कुछ कागज, जैसे जन्म प्रमाणपत्र या दूसरा कोई दस्तावेज़ देना पड़ सकता है। ▶10पर

अराजक पार्टियों और उनके गुर्गों की फूल रही सांस

मतदाता सूची के पारदर्शी होने की जनता को आस

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा जहां रहें, वहीं के वोटर बनें

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पात्र नागरिकों को केवल उन्हीं निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के तौर पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए, जहां वे सामान्य तौर पर निवास करते हैं, न कि उस स्थान पर जहां उनका मूल निवास है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बूथ स्तर के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा, आप जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केवल उसी विधानसभा क्षेत्र में वोट देने के हकदार हैं, जहां आप सामान्य निवासी हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए आप सामान्य रूप से दिल्ली में रहते हैं लेकिन पटना में आपका घर है तो आपका वोट पटना में नहीं बल्कि दिल्ली में पंजीकृत होना चाहिए। सीईसी ने यह बात ऐसे समय में कही है, जब विपक्ष की तरफ से लगातार ऐसी आशंकाएं जताई जा रही हैं कि बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा के दौरान तमाम पात्र मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। आयोग का कहना है कि बिहार में जारी गहन समीक्षा अभियान का उद्देश्य ऐसे तमाम लोगों की पहचान करना है, जिन्होंने जानबूझकर या अनजाने में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता कार्ड अपने ▶10पर

ब्रिटिश कानून खत्म कर बने नए कानून का एक साल पूरा

नए कानूनों का लक्ष्य न्याय देना है : अमित शाह

न्याय प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाएंगे नए कानून

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नए आपराधिक कानूनों के सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए तीनों नए आपराधिक कानून न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुसंगत और पारदर्शी बनाएंगे। अमित शाह नई दिल्ली में आयोजित न्याय प्रणाली में विश्वास का स्वर्णिम वर्ष पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय से युक्त शासन का एक स्वर्णिम कालखंड शुरू होने वाला है। जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाली न्याय प्रणाली को पारदर्शी, लोकोपयोगी और समयबद्ध बनाने से बड़ा रिफॉर्म कोई नहीं हो सकता

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, नए कानून के तहत होने वाली एफआईआर पर तुरंत न्याय मिलेगा। समय पर न्याय मिले इसलिए हमने पुलिस, अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) और न्यायपालिका को समय-सीमा से बांधा है। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ई-साक्ष्य और ई-समन, 6 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में न्याय श्रुति और 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में सामुदायिक सेवा की अधिसूचना जारी कर दी गई है। पिछले एक साल में लगभग 14 लाख 80 हजार पुलिसकर्मियों, 42 हजार जेलकर्मियों, 19 हजार से अधिक न्यायिक अधिकारियों और 11 हजार से अधिक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का प्रशिक्षण हुआ है

अमित शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हमारा क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एक नए युग में प्रवेश करेगा और इससे से लोगों के मन में निश्चित रूप तुरंत न्याय मिलने का विश्वास पैदा होगा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों से एफआईआर करेंगे तो क्या होगा की जगह एफआईआर से तुरंत न्याय मिलेगा का विश्वास बढ़ेगा। नए आपराधिक कानून आने वाले दिनों में भारतीय क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आमूलचूल रूप से बदल देंगे। उन्होंने कहा कि पहले हमारी न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी समस्या यह थी कि किसी को नहीं पता था कि न्याय कब मिलेगा। गृह मंत्री ने कहा कि लगभग 3 साल में इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देशभर में किसी भी एफआईआर में सुप्रीम कोर्ट तक न्याय मिलेगा। शाह ने कहा कि नए कानूनों में 90 दिनों में जांच पूरी करने, चार्जशीट दाखिल करने, चार्ज फ्रेम करने और जजमेंट देने का समय भी तय किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए कानूनों में तकनीक के आधार पर कई ऐसे प्रावधान भी किए गए हैं जिनके अमल में आने के बाद शंकाओं के आधार पर अपराध कर बच निकलने वाले लोगों के लिए कोई संभावना नहीं छोड़ी गई है। उन्होंने कहा कि नई आपराधिक प्रणाली लागू होने के बाद हमारे देश की दोष सिद्धि दर बहुत आगे पहुंच जाएगी और गुनाहगार को निश्चित रूप से सजा मिलेगी। शाह ने कहा कि तीनों नए कानूनों पर पूर्ण अमल के बाद तकनीक के उपयोग के साथ हमारी न्याय प्रणाली विश्व की सबसे आधुनिक न्याय प्रणाली होगी।

▶10पर

क्वाड देशों की बैठक में उठी एकजुट मांग

पहलगाम के गुनाहगारों को मिले कड़ी सजा

वाशिंगटन, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बिना शर्त एकजुट होने की अपील की। उन्होंने इस निंदनीय कृत्य के दोषियों, साजिशकर्ताओं और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

क्वाड देशों यानी अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक संयुक्त बयान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की। ▶10पर

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्टील्थ फ्रिगेट का सातवां बेड़ा

युद्ध में कमाल करेगा आईएनएस तमाल

लेनिनग्राद (रूस), 02 जुलाई (एजेंसियां)।

रूस के लेनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में आईएनएस तमाल (एफ 71) को पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह की मौजूदगी में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इस अवसर पर युद्धपोत उत्पादन एवं अधिग्रहण नियंत्रक वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, रूसी संघ नौसेना के बाल्टिक बेड़े के कमांडर वाइस एडमिरल सर्जी लिपिन और भारतीय एवं रूसी सरकारों, नौसेनाओं और उद्योगों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आईएनएस तमाल परियोजना 1135.6 की श्रृंखला में आठवां बहु-भूमिका वाला स्टील्थ फ्रिगेट है तथा तुशील श्रेणी के अतिरिक्त अनुवर्ती जहाजों में से दूसरा है। तुशील श्रेणी का पहला जहाज (आईएनएस तुशील) 09 दिसंबर 24 को माननीय रक्षा मंत्री की उपस्थिति में शामिल किया गया। अब तक शामिल किए गए सभी सात जहाज पश्चिमी नौसेना कमान के तहत भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े - द स्वॉर्ड आर्म का हिस्सा हैं। यह समारोह भारतीय नौसेना में आईएनएस तमाल के औपचारिक रूप से शामिल होने का प्रतीक है। जहाज की कमान कैप्टन श्रीधर टाटा के पास है, जो एक तोपखाना और मिसाइल युद्ध विशेषज्ञ हैं।

समारोह की शुरुआत जहाज के चालक दल और रूस के बाल्टिक नौसैनिक बेड़े के कर्मियों के एक प्रभावशाली संयुक्त गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुई। समारोह की शुरुआत यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कॉर्पोरेशन के महानिदेशक श्री एंड्री सर्गेयेविच पुचकोव ने की। रूसी संघ के सैन्य तकनीकी सहयोग के संघीय सेवा के उप महानिदेशक श्री मिखाइलव बेबिच ने अपने ▶10पर

रूस से जल्दी ही भारत के लिए रवाना हो जाएगा तमाल

पीएम पांच देशों की यात्रा पर रवाना हुए

ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों की यात्रा पर रवाना हो गए। वह दो से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान छह और सात जुलाई को ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों से भारत के संबंधों को नया आयाम मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नामीबिया होगा, जिसे उन्होंने एक भरोसेमंद साझेदार बताया। पीएम मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ ▶10पर

उप प्रवर्तिनी निर्मलाजी का राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ मंगलमय प्रवेश

चातुर्मास का समय आत्मसाधना व धर्माराधना का समय: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में बुधवार प्रातः 8.30 बजे श्रमण संघीय उप प्रवर्तिनी साध्वी निर्मला आदि का श्रीरामपुरम स्थानक से शोभा यात्रा द्वारा विहार कर राजाजीनगर स्थानक में प्रवेश हुआ। महासती नंदिनी ने कहा कि यह चातुर्मास का समय आत्मसाधना व धर्माराधना का समय होता है। इस चातुर्मास में कुछ ऐसा करें कि हमें स्वयं लगे कि हमने साधना और प्रभावना दोनों की है। प्रतिदिन प्रवचन श्रवणकर उन्हें आत्म जीवन में उतारने का प्रयास करें।

आशीर्वचन एवं चातुर्मासिक प्रवेश समारोह की शुरुआत सतिवृंद के नवकार महामंत्र जाप से प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम त्रिशला महिला मंडल एवं त्रिशला बहु मंडल ने मंगलाचरण एवं स्वागत गीत द्वारा प्रस्तुति दी। श्री संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का स्वागत करते हुए चातुर्मास में सभी से सहयोग प्रदान करने की अपील की। मंत्री नेमीचन्द दलाल ने चातुर्मास की रूपरेखा रखते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि यह चातुर्मास हमारे आत्म कल्याण का एक सुनहरा अवसर है जिसमें ज्यादा से ज्यादा हम आप सभी के सहयोग से धर्म आराधना करने का लक्ष्य रखे। चातुर्मास में खूब धर्म की प्रभावना हो, खूब आध्यात्मिकता का विकास हो यही मंगल कामना। साध्वी उपासना ने कहा कि भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। चातुर्मास का लक्ष्य यही है कि अपने जीवन को संयम पथ पर मोड़ें। बुरी आदतें छोड़कर जीवन को संयमित बनाने का लक्ष्य रखें। तप व आराधना करें। यह चातुर्मास आत्मा के उद्धार करने वाला, आत्मा को श्रेष्ठ बनाने का स्वर्णिम अवसर है। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। धर्म सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक एवं आशीर्वाद प्रदान किया। राजाजीनगर स्थानक प्रवेश में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहें। इस अवसर पर अनेक संघ के पदाधिकारियों ने गुरुभगवंतों को चातुर्मास की शुभकामनाए प्रेषित की। जिसमें पुखराज मेहता, प्रकाश बुरड , अभयकुमार बांटिया, गौतमचंद ओस्तवाल, शांतिलाल खिवेसरा, इचलकरंजी से रमेश खिवेसरा, महावीर बोरुंदिया, संजय मुनोत, विमल बंब, शायली बम्ब, दिलखुश बाफना, प्रणीत जैन व अन्य प्रमुख रहे। इस मौके पर जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी- पुखराज मेहता, सुरेश छल्लानी, आरती बुरड़, प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, पुखराज आंचलिया, किशोर दलाल, जसवंत गन्ना, अशोककुमार धोका, गुलाबचंद पगारिया, जसवंत दलाल, भरत कोठारी, मनोज सोलंकी, विनोद पगारिया, प्रकाश बोहरा, राजेश भटेवरा, युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली, किशोर बाफना, रत्नीबाई मेहता, निर्मला सांखला व अन्य लोगों की उपस्थिति रही। इसके अलावा श्रीरामपुरम, यशवंतपुर, विल्सन गार्डन, जयनगर, हनुमंतनगर, त्यागराजनगर, शांतिनगर, गणेश बाग, मागडी रोड, शोभा अपार्टमेंट, इटा अपार्टमेंट, विजयनगर, मंजूनाथनगर, मल्लेश्वरम, हीराबाग, गंगानगर, संजयनगर, हलसूर, फ्रेज़र टाउन, कम्मनहल्ली, टी दासरहल्ली, येलहंका, प्राज्ञ संघ, रत्न हितैषी, तुर्किया भवन सहित अनेक संघों से लोग मौजूद थे। डॉ. भीकमचंद सखलेचा, अभयकुमार बांठिया, मीठालाल मकाणा, नेमीचंद भंसाली, सुमेरसिंह मुणोत, मनोहरलाल लुंकड़, तकतराज बाफना, रमेश बोहरा, सुरेशचंद धोका, उत्तमचंद आच्छा, राजेंद्र कोठारी, मूलचंद सहलोत, हसमुख मारू, रितेश पामेचा, अनिल गन्ना, राजेन्द्र मुनोत, प्रकाशचंद मेहता व अन्य उपस्थित रहे। त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा, महावीर जैन पाठशाला ने सहयोग प्रदान किया। नेमीचंद दलाल ने बताया कि दिनांक 4, 5 और 6 जुलाई को त्रिदिवसीय अखंड लोगस जाप आराधना और 8,9 और 10 जुलाई को धर्मचक्र तपाराधना का आयोजन रहेगा। 9 जुलाई से प्रतिदिन प्रातः 9.15 बजे से दैनिक प्रवचन रहेगा।

समाचार इस ई-मेल पर भेजें
sl.newsblr1@gmail.com

गदग क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन का दो दिवसीय स्नेह मिलन आयोजित

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। गदग क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन का दो दिवसीय स्नेह मिलन समारोह गोवा में स्थित एक रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। जिसमें एसोसिएशन के 50 सदस्यों ने भाग लिया।

संस्था के अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने सभी का स्वागत किया और व्यापार विकास विषय पर सदस्यों ने अपने विचार रखे। आम सभा में एसोसिएशन के कार्यदर्शी हिराचंद सेमलानी, कोषाध्यक्ष महावीर सोलंकी, गोवा यात्रा के चेयरमैन राजेंद्र पारलेचा एवं मनोज पवार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने कहा इस तरह के आयोजन से संस्था के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित होते हैं। आपसी भाईचार और स्नेह बढ़ता है। कई सदस्यों ने अपने विचार रखे और एसोसिएशन को सहयोग देने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य सावलचंद संकलेचा, शंकर पवार, माधु बेवीनकेट्टी, सुरेश कोठारी समेत करीब 50 सदस्य उपस्थित थे। गोवा यात्रा के चेयरमैन राजेंद्र पारलेचा ने बताया कि एसोसिएशन का गोवा प्रवास एक मजेदार और यादगार अनुभव रहा। सभी सदस्य गोवा की सुंदरता और संस्कृति का आनंद लेने में व्यस्त थे।

दो दिवसीय श्वेताम्बर जैन बैडमिंटन लीग का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां लक्ष्य बैडमिंटन अकाडमी में दो दिवसीय श्वेताम्बर जैन बैडमिंटन लीग का आयोजन किया गया। जिसमें 114 लोगों ने भाग लिया। जिसमें 48 पुरुष, 36 महिलाएं, 16 लड़के और 14 लड़किया शामिल थी। सभी युगल मैच का आयोजन हुआ। 110 मैच के बाद लड़कों के वर्ग में मुदित सुराणा, युग कोठारी, लड़कियों के वर्ग में चेहक कोठारी, ध्याती बरलोटा, पुरुष वर्ग में सचिन कोठारी, निखिल

मालवीय, महिला वर्ग में मानसी बोथरा, वर्षीता कोठारी विजेता रही। सभी को समाज के पदों पर विराजित पदाधिकारियों ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। श्वेताम्बर जैन युवक संघ ने टूर्नामेंट का आयोजन बहुत ही सफलता पूर्वक किया।

साध्वी भव्यगुणाजी और शीतलगुणाजी ने किया चातुर्मासित मंगल प्रवेश

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणाश्रीजी और शीतलगुणाश्रीजी का बुधवार को दावणगेरे में चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश हुआ।

साध्वीवर्या के चरणों में सकल संघ ने शत् शत् नमन वंदन करते हुए हार्दिक स्वागत अभिनन्दन किया। प्रातः 8 बजे श्री अरिहंत अपार्टमेंट से बाजे गाजे से विशाल गुरु भक्तों के साथ श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्रसूरि जिन गुरु मंदिर में शानदार प्रवेश संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतवर्ष के विभिन्न 100 नगरों से परम् गुरु भक्तों एवं श्री संघों ने पधारकर शासन शोभा में अभिवृद्धि की, जिनका श्रीसंघ की ओर से बहुमान हुआ। सुर सम्राट नरेन्द्र वाणीगोता ने अपनी मधुर वाणी व संगीत से शमा बांध दिया। इस अवसर पर संगीतकार विपिन पोरवाल ने गीत गाकर मंत्र मुग्ध किया। साध्वीवर्या ने मंगलाचरण व प्रवचन से धर्मसभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौतम लब्धीतप व नवग्रह तप करने व करवाने की घोषणा की गयी। पारस भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किए।

प्रकाश पिरगल ने विचार व्यक्त किए। गुरु पूजन का लाभ राजु भाई कवरात, नेरल जावाल एवं कांबली वहोराने का लाभ श्री राज भव्य शीतल चैरिटेबल ट्रस्ट मंडल ने लिया। साधना रूम पूनमचंद जैन चोराउ ने लिया। सामुहिक प्रभावना की गई। श्री शंखेश्वर परमात्मा गुरुदेव की आरती का लाभ भरत कुमार बागरेचा ने लिया।

किराया वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीएम सिद्धरामैया ने मंगलवार को केंद्र से रेल किराया वृद्धि वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, किराया वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। लोगों की दैनिक यात्रा को एक और जुमला न बनाएं। ट्रेनों को चलने दें, लोगों के धैर्य को नहीं। सीएम ने कहा कि दिहाड़ी मजदूर, छात्र, छोटे व्यापारी और आम आदमी बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। जब हमने अपने किसानों की मदद के लिए दूध की कीमतें बढ़ाईं, तो भाजपा ने सड़कों पर चिल्लाया और इसे जनविरोधी बताया। लेकिन अब, जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने रेल किराया बढ़ाया है, तो चुप्पी क्यों? क्योंकि यह वृद्धि किसानों या गरीबों की मदद नहीं करती है, बल्कि इससे केवल भाजपा

सरकार को अपना खजाना भरने में मदद मिलती है। इस बीच, एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रेलवे यात्री किराया और राजमार्गों पर टोल बढ़ाने के लिए केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने यह भी कहा कि इस बढ़ोतरी का असर बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी एलिवेटेड एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहन चालकों पर भी पड़ेगा। उन्होंने कर्नाटक भाजपा पर मूल्य वृद्धि पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया और उनसे मूल्य वृद्धि वापस लेने पर जोर देने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जनता पर बोझ डाले बिना मूल्य वृद्धि को तुरंत वापस लेने का आग्रह किया। सड़कों से लेकर रेल और रसोई तक, भाजपा भारत के आम आदमी को अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि के साथ सड़क पर लाद रही है, जिससे भारत के लोगों की रीढ़ टूट रही है। भाजपा सरकार ने बुलेट ट्रेन का वादा किया था, लेकिन हमें पटरी से उतरना, कोच जलाना और उम्मीदें तोड़ना दिया। जबकि पटरियाँ जर्जर हैं और यात्री जीवन से जूझ रहे हैं। उन्होंने चुप-चाप टोल बढ़ा दिया है और यात्रियों से एक-एक पैसा निचोड़ लिया है। अगर कर्नाटक के भाजपा-जेडीएस सांसद और विधायक दिल्ली की लूट के खिलाफ अपनी आवाज नहीं उठा सकते, तो उन्हें हाथ उठाकर इस्तीफा दे देना चाहिए। आप सत्ता में बैठकर राज्य की लूट के दौरान चुप नहीं रह सकते - या तो कर्नाटक का बचाव करें या किसी ऐसे व्यक्ति के लिए अपनी सीट खाली करें जो ऐसा करना चाहेगा।

अपनी समस्याओं के लिए लोग जनसम्पर्क कार्यक्रम का लाभ उठाएं: मंत्री

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। नगर प्रशासन एवं हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि जनता को अपनी समस्याओं के लिए राज्य सरकार के लोकप्रिय जनसम्पर्क कार्यक्रम का लाभ उठाना चाहिए, जिससे लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो जाता है। उन्होंने मंगलवार को बीदर तालुका के जनवाड़ा गांव में जिला प्रशासन, जिला पंचायत एवं जिला पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तालुका स्तरीय जनसम्पर्क कार्यक्रम का

उद्घाटन करते हुए कहा कि जनवाड़ा क्षेत्र में कोई भी समस्या हो, जिले के सभी विभागों के अधिकारी यहां उपस्थित होकर समस्या का समाधान करेंगे। जनवाड़ा में 5 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी अस्पताल बनाया जाएगा तथा कई सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पंचायत स्तर पर ए एवं बी खातों की सेवाएं भी शीघ्र ही शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि पंच गारंटी योजनाओं के कारण लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। जिलाधिकारी शिल्पा शर्मा ने बताया कि इस जनसम्पर्क कार्यक्रम में कुल 253 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इसमें सड़क, मकान, पानी, परिवहन, बिजली और अन्य मामलों से संबंधित आवेदन शामिल हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इनमें से कई आवेदनों का मौके पर तथा शेष आवेदनों को 7 दिनों के भीतर हल करने के निर्देश दिए।

|| श्री जयमल्लाय नमः || || श्री महावीराय नमः || || जय गुरु शुभ जय गुरु पार्श्व ||
श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक संघ
हलसुरु, बेंगलुरु
प्रमोद भावों से प्रेषित हैं...
चातुर्मास प्रवेश पत्रिका (04.07.2025)
आदरणीय धर्मनिष्ठ स्वजन, सादर जय जिनेन्द्र ।
अत्यंत हर्ष के साथ सेवा में निमंत्रण भेज रहे हैं कि बेंगलुरु एवं हलसुरु संघ को असीम पुनवानी से इस वर्ष जयगच्छाधिपति, वचन सिद्ध साधक, आशुकवि, बारहवें पट्टधर आचार्य प्रवर १००८ पू. श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी गुरुवर्या श्री सुगनकंवरजी म.सा. की सुशिष्याएं
सरलमना महासतीजी श्री शशिप्रभाजी म.सा.
परम विदुषी तपस्वीनी महासतीजी श्री इन्दुप्रभाजी म.सा.
मधुर व्याख्यानी महासतीजी श्री निपुणप्रभाजी म.सा.
प्रवचन प्रभाविका महासतीजी श्री वृद्धिप्रभाजी म.सा.
मधुर गायिका महासतीजी श्री रिद्धिप्रभाजी म.सा. ठाणा ५
के वर्षावास 2025 का लाभ हलसुरु श्री संघ को प्राप्त हुआ हैं । हमारे संघ में हर्ष, उल्लास, उमंग, उत्साह की लहर वर्द्धमान हैं । इस अनमोल कृपा महर के लिये हम आचार्य भगवंत के प्रति अनंत कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं ।
पधारो ! पधारो ! पधारो ... हमारे प्रांगण में !
पूज्य महासतीजी श्री शशिप्रभाजी म.सा. ठाणा 5 शुभ दि. 04.07.2025 शुक्रवार को सुबह ठीक 7.35 बजे चोरड़िया निवास, 1301,13th क्रास, इन्दिरानगर से जयघोषों के साथ चातुर्मास हेतु विहार कर महावीर भवन, हलसुरु पधारेंगे । जिनशासन प्रभावना के महोत्सव पर आप सपरिवार, सकल संघ पधार कर अनुग्रहित करें । सेवा का सुअवसर प्रदान करें । अवश्य पधारें ।
प्रवचन : दिनांक 10.07.2025 से सुबह 9.15 से 10.15 बजे तक
स्वागतोत्सुक
अध्यक्ष : धनपतराज बोहरा 9448264745
मंत्री : अभयकुमार बांठिया 9341218945
कोषाध्यक्ष : दिलीपकुमार गादिया 9845787770
संपर्क सूत्र : उगमराज मूथा, : 9844045077, उत्तमचंद तातेड़ : 9448003611
समस्त कार्यकारिणी, समस्त संघ, महिला मंडल, श्री जैन युवक संघ, नवकार बहु मंडल, बालक मंडल, बालिका मंडल
हलसुरु, बेंगलुरु
समारोह पश्चात आपश्री के सत्कार में अल्पाहार आयोजन हैं।

मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही

सिद्धरामैया के इस्तीफे को स्वीकार करने की भूमिका तैयार करने के लिए सुरजेवाला का दौरा: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्य कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला सिद्धरामैया के इस्तीफे को स्वीकार करने की भूमिका तैयार करने के लिए कर्नाटक आए हैं। यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सुरजेवाला ने कर्नाटक में डेरा डाल रखा है। उन्होंने उन पर राज्य की भ्रष्ट सरकार को गिराने की चिंता नहीं करने का आरोप लगाया। सुरजेवाला ने विधायकों की राय ली है। उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, खरीद-फरोख्त तेज होगी। रामनगर विधायक इकबाल ने कहा कि डीके शिवकुमार के पास 100 विधायकों का समर्थन है, उन्हें मुख्यमंत्री बनना चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल और राजू कागे तथा अन्य विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के विधायकों का भी विश्वास खो दिया है। उन्होंने अनुरोध किया कि राज्यपाल को हॉर्स ट्रेडिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। मुख्यमंत्री के इस आरोप पर कि हासन जिले में 35-40 लोगों की मौत दिल के दौरे से हुई और इसका कारण कोविड वैक्सीन है, उन्होंने कहा क्या कोविड वैक्सीन केवल हासन जिले को दी गई है? देश और दुनिया के विभिन्न देशों में करोड़ों लोगों को कोविड वैक्सीन निर्यात की गई है। विजयेंद्र ने

मांग की कि राज्य सरकार को जागना चाहिए और हासन में हुई मौतों की उचित जांच करनी चाहिए। उन्होंने इसे एक गैरजिम्मेदाराना बयान बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री तत्काल बैठक बुलाएं और तालुक और जिला स्तर पर पर्याप्त दवाएं तैयार रखने पर विचार करें। उन्होंने कहा कि दुष्प्रचार की अनुमति नहीं है। उन्होंने आरएसएस प्रतिबंध पर प्रियांक खड़गे के बयान का उल्लेख किया और व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि यह थिरुकन का सपना था। आपके पिता मल्लिकार्जुन खड़गे खुद विश्वास नहीं कर सकते कि कांग्रेस पार्टी केंद्र में सत्ता में आएगी। राहुल गांधी और सोनिया गांधी अविश्वसनीय हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रियांक खड़गे को केंद्र में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने का सपना क्यों आया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक देशभक्त संगठन है। उन्होंने कहा कि राज्य उच्च न्यायालय ने वाल्मीकि निगम घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है, जो भाजपा के संघर्ष की जीत है। राज्य उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्व-पूर्ण फैसला दिया। वाल्मीकि निगम घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है, इसमें और भी बड़े सिर कटेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा न्यायालय के फैसले का स्वागत करती है। वाल्मीकि निगम घोटाला पड़ोसी राज्य तेलंगाना में हुआ, जहां राज्य में अनुसूचित समुदायों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक न्याय के लिए निर्धारित 187 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया गया। इस पैसे का दुरुपयोग हजारों बैंक खाते खोलने और बार, आभूषण की दुकानें खोलने और लोकसभा चुनाव में किया गया। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि चंद्रशेखर नामक एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली, तथा अपनी मृत्यु के बाद लिखे नोट में उसने सारी बातें लिखी हैं। भाजपा के तीव्र संघर्ष के परिणामस्वरूप मुख्यमंत्री को मंत्री नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाना पड़ा। अब मुख्यमंत्री किसी तरह उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मीडिया को भी पता है कि मुख्यमंत्री स्वयं इस घोटाले में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग की अनुमति के बिना यह पैसा राज्य से बाहर नहीं जा सकता था। मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। राज्य में स्थिति दिन-प्रतिदिन बेकाबू होती जा रही है। प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। सत्त-ाधारी दल के विधायकों के बीच प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। उन्होंने विश्लेषण किया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। परिणामस्वरूप कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने आलोचना की कि राज्य सरकार किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है। कांग्रेस सरकार द्वारा दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं पर लगातार की जा रही मूल्य वृद्धि से आम लोग त्रस्त हैं।

पूरी तरह से नियंत्रण खो देने का आरोप

उन्होंने प्रशासनिक तंत्र पर पूरी तरह से नियंत्रण खो देने का आरोप लगाया। किसानों की आत्महत्या, अधिकारियों की आत्महत्या, ठेकेदारों के साथ-साथ अन्य लोग भी आत्महत्या कर रहे हैं। राज्य में यह लगातार हो रहा है। सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पूरी तरह से निष्क्रिय है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने इसे स्वीकार कर लिया है। सिंधनूर में हिंदू कार्यकर्ताओं को धमकाया गया है। संकेश्वर में भी श्रीराम सेना के कार्यकर्ताओं की पिटाई की गई है। राज्य में बार-बार गाय के थन काटे जा रहे हैं। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। सरकार के पाप का घड़ा भर गया है, लोग आपको कोस रहे हैं। गाय के थन काटने की घटना बार-बार हो रही है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया की सरकार का भगवान भी भला नहीं कर सकता। उन्होंने शिकायत की कि गृह मंत्री ने सख्त कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मांग की कि इस पर गौर किया जाए। इस मौके पर पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, पूर्व मंत्री और विधायक के. गोपालैय्या, विधायक मनप्पा डी. वज्रल, डॉ. शिवराज पाटिल आदि लोग मौजूद रहे।

राज्य में अगले तीन दिनों तक मध्यम बारिश होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पिछले चार-पांच दिनों से बारिश कम हुई है, तथा प्रमुख नदियों का जलस्तर भी कम हुआ है। तटीय और मलनाड जिलों में बारिश जारी है। आंतरिक क्षेत्रों के कई जिलों में बारिश की कमी बनी हुई है।

मौसम में कुछ बदलाव के कारण राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे, तथा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। तटीय जिलों में व्यापक मध्यम बारिश की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, तटीय और मलनाड जिलों में व्यापक बारिश हुई। कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई, जबकि आंतरिक क्षेत्रों के अधिकांश जिलों में शुष्क मौसम जारी रहा। इससे प्रमुख नदियों के जलस्तर और जलाशयों के प्रवाह और बहिर्वाह में कमी आई है। कुल मिलाकर, राज्य के प्रमुख जलाशयों में 60 प्रतिशत से अधिक पानी जमा हो गया है, जो पिछली बार संग्रहित पानी की मात्रा से दोगुना है। बेलगावी जिले के खानपुर तालुक के परवाड़ ग्राम पंचायत क्षेत्र में राज्य में सबसे अधिक 72.5 मिमी बारिश हुई। राजधानी बेंगलूरु समेत आसपास के जिलों में बादल छाए हुए हैं और अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मानसून सीजन के पहले महीने जून में दक्षिणी आंतरिक जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई। उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में सामान्य से 6 प्रतिशत कम बारिश हुई। हालांकि, मलनाड क्षेत्र में 14 प्रतिशत, तटीय क्षेत्र में सामान्य से 6 प्रतिशत अधिक और राज्य में सामान्य से 2 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। 1 से 30 जून की अवधि के दौरान, राज्य में 199 मिमी की सामान्य वर्षा की तुलना में 203 मिमी बारिश हुई।

मेरे पास क्या विकल्प है?

मुझे सीएम सिद्धरामैया के साथ खड़ा होना होगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि वह राज्य नेतृत्व में संभावित बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पार्टी आलाकमान के फैसले का पूरा समर्थन करेंगे।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना होगा और उनका समर्थन करना होगा। मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है, पार्टी आलाकमान जो भी कहेगा और जो भी तय करेगा, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं अभी कुछ भी चर्चा नहीं करना चाहता। लाखों कार्यकर्ता इस पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बारे में अपनी भाग्य लॉटरी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण जारी

किया और कहा कि सिद्धरामैया को उनके जन नेतृत्व के आधार पर शीर्ष पद पर पद-ोन्नत किया गया था। यह स्पष्टीकरण कांग्रेस की कर्नाटक इकाई में सत्ता संघर्ष की अटकलों के बीच आया है। एक दिन पहले, शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला की पार्टी विधायकों के साथ हाल ही में संपन्न बैठक के दौरान हुई चर्चा कैबिनेट फेरबदल के बारे में नहीं थी, बल्कि यह पार्टी के संगठनात्मक पहलुओं से संबंधित थी। शिवकुमार, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा एआईसीसी महासचिव पार्टी संगठन के मुद्दों पर चर्चा करने और विधायकों के अनुरोधों को स्वीकार करने के लिए बैठक कर रहे हैं, लेकिन सीएम को बदलने या कैबिनेट के विस्तार के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।

कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच

सिद्धरामैया ने कहा मैं पांच साल तक कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहूंगा

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि वह पूरे पांच साल तक पद पर बने रहेंगे। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल कि क्या वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे, के जवाब में वरिष्ठ नेता ने कहा हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है? सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला देते हुए पिछले कुछ समय से राजनीतिक हलकों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई है और उन्होंने

राज्य में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पार्टी की सरकार के हाथों को मजबूत करने पर जोर दिया। भाजपा और जद (एस) नेताओं के इस दावे पर कि मुख्यमंत्री को बदला जाएगा, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा क्या वे हमारे हाईकमान हैं? उन्होंने पूछा आर अशोक (विधानसभा में विपक्ष के नेता) भाजपा के आदमी हैं। बी वाई विजयेंद्र (राज्य भाजपा अध्यक्ष) भाजपा के आदमी हैं। चलवाडी नारायणस्वामी (विधान परिषद में विपक्ष के नेता) भाजपा के आदमी हैं। अगर वे ऐसी बातें कहते हैं तो क्या आप लिखेंगे? आपको इसकी पुष्टि करनी चाहिए या नहीं? इससे पहले, बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धरामैया सीएम हैं, तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी भी तरह के विवाद की कोई जरूरत नहीं है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस ने बाद में उन्हें मनाने में कामयाबी हासिल की और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। उस समय कुछ खबरें थीं कि रोटेशनल चीफ मिनिस्टर फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया था, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद सीएम बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

सरकार अगले महीने दस दिवसीय मानसून सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार अगले महीने दस दिवसीय मानसून सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही है, और नंदी हिल्स में आयोजित कैबिनेट बैठक में इस पर आधिकारिक निर्णय लिए जाने की संभावना है।

11 अगस्त से दस दिवसीय मानसून सत्र के लिए समय तय किया गया है। इसी तरह, शिवमोग्गा और चित्रदुर्ग जिलों में कई परियोजनाओं पर कैबिनेट बैठक में चर्चा की गई है। चित्रदुर्ग शहरी विकास प्राधिकरण ने भागीरथ जिला उप्पारा संघ को 348.45 वर्ग मीटर का नागरिक भूखंड आवंटित किया है, और इसके मूल्य पर अधिकतम छूट देने की योजना है। शिवमोग्गा जिले

के भद्रावती तालुक के गोनीबीडू गांव के पास भद्रा नदी से 0.19 टीएमसी पानी उठाने और कंबादल होसुर और आसपास के गांवों में 22 झीलों को पानी से भरने की परियोजना, भद्रावती शहर में भद्रा नदी के बाएं और दाएं किनारों पर बाढ़ की स्थिति को रोकने के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत से एक रिटेनिंग वॉल का निर्माण, भद्रा नदी पर एक सड़क, पुल का निर्माण, दोनाबाघट्टा, कागेकोडामेज, होलेहोन्नूर गांव में भद्रा मुख्य सड़क से संपर्क में सुधार जैसे काम 35 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने की संभावना है। सोराब तालुक के यादगोप्पा गांव के पास दंडवती नदी पर बैराज बनाने और 15 झीलों को पानी से भरने की परियोजना 38.50 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने की संभावना है। दंडवती और वरदा नदियों पर 54.70 करोड़ रुपये की लागत से एक बैराज सह-पुल का निर्माण, और सोरबा तालुक के गुडवी गांव के पास वरदा नदी पर एक बैराज का निर्माण और 75.60 करोड़ रुपये की लागत से 32 झीलों को भरने पर चर्चा की गई है।

दावणगेरे जिले के होन्नाली तालुक के होसाहल्ली गांव के पास तुंगभद्रा नदी से पानी उठाने और चन्नगिरी तालुक के कोडाटेकेरे और माविनहोलेकेरे के आसपास 41 झीलों को भरने के लिए 365 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। बेंगलूरु दक्षिण जिले के हरोहल्ली तालुक के 5वें औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहन घटकों के लिए प्लग एंड प्ले सुविधाएं प्रदान करने के लिए 25 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना पर चर्चा की गई है। भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शैक्षिक प्रगति के लिए 1125.25 करोड़ रुपये की लागत से 31 आवासीय विद्यालय स्थापित करने पर चर्चा हुई है। वरिष्ठ पंचायत विकास अधिकारी, पंचायत सचिव, ग्रामीण विकास सहायक और द्वितीय श्रेणी सहायक पदों की सेवा के संबंध में कर्नाटक राज्य सिविल सेवा अधिनियम में संशोधन पर विस्तृत चर्चा हुई है। बेलगावी जिले में बैलहोंगल नगर पालिका, विजयनगर जिले में हरप्पनहल्ली नगर पालिका को नगर निगमों में और कोप्पल जिले में हनुमानस-ागर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत में अपग्रेड करने का प्रस्ताव है।

भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा की विशेष बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा की विशेष बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने की। विशेष बैठक में बोलते हुए बी.वाई. विजयेंद्र ने किसान मोर्चा की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सलाह एवं मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर राज्य सहकारी क्षेत्र में भाजपा समर्थित सदस्य सतीश, बी.सी. आनंद, बायरे गौड़ा, वेणुगोपाल रेड्डी, बी. शेखरप्पा, जी.एन. स्वामी, मल्लिकार्जुन होराकेरी, निंगनोदरू मरिगौड़ा, उमेश हेबासुरा, नागप्पा सुकदा, शंकर मुगादा, सुरेश बनवी, गीता मरिलिंगनवारा एवं के.आर. आनंदप्पा को सम्मानित किया गया। रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, प्रदेश महासचिव एच.सी. कलमरुदप्पा, डॉ. बी.सी. नवीन कुमार, रायता मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष भारती मल्लिकार्जुन, रायता मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एम. रुद्रेश, रायता मोर्चा के सचिव बसवराज कुंडगोलमथ और मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नंदी हिल्स में विशेष कैबिनेट बैठक से पहले नंदीश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।
नंदी हिल्स में बुधवार को आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत सभी कैबिनेट मंत्री ऐतिहासिक नंदी गांव में श्री भोग नंदीश्वरस्वामी मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

कैबिनेट बैठक के दौरान मंदिर को विभिन्न फूलों से सजाया गया था। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ जिला कलेक्टर पीएन रवींद्र, जेडपी सीओ नवीन भट, पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसे समेत अन्य अधिकारियों की टीम ने मंत्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में वे नंदी हिल्स के मयूरा पाइन टॉप में आयोजित कैबिनेट बैठक में पहुंचे। चिक्कबल्लापुर के नंदी हिल्स में आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक की पृष्ठभूमि में भारी पुलिस बल की व्यवस्था की गई थी। चिक्कबल्लापुर, कोलार और बेंगलूरु ग्रामीण के मुख्य पुलिस अधीक्षकों समेत हजारों पुलिस अधिकारियों द्वारा कड़ी पुलिस मौजूदगी की व्यवस्था की गई थी।

सरकार केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ अपील करने पर विचार कर रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के फैसले के खिलाफ अपील करने पर विचार कर रही है, जिसमें चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले के संबंध में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास कुमार के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया गया था। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के केंद्रीय कार्यालय सौधा में मीडिया से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा, चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले के संबंध में आईपीएस अधिकारियों के निलंबन आदेश को रद्द करने के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ अपील करने का अवसर है और इस संबंध में उचित निर्णय लिया जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की विजय परेड के दौरान बेंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना के बाद निलंबित किए गए अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार भी शामिल हैं। कैट ने हाल ही में निलंबन को रद्द कर दिया, जिससे सरकार को अपने कानूनी विकल्पों पर विचार करना पड़ा। इस घटना में 11 लोगों की जान चली गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। विधायक बीआर पाटिल की कथित टिप्पणी कि सिद्धरामैया संयोग से उपमुख्यमंत्री बन गए, के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा चूंकि बीआर पाटिल और मैं एक साथ विधायक थे और मुझे मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला, इसलिए बीआर पाटिल ने ऐसा बयान दिया होगा। अधिकारियों की पूर्व उपस्थिति के बिना ही जाति जनगणना के पोस्टर घरों पर चिपकाए जाने की चिंताओं के संबंध में सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि सटीक डेटा संग्रह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रणालियां मौजूद हैं। जाति जनगणना के लिए कई प्रणालियां बनाई गई हैं। जाति का विवरण ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है या घर-घर जाकर एकत्र किया जा सकता है। मीडिया को सच्चाई जानने के लिए ऐसे दावों की जांच करनी चाहिए।

प्रियांक खड़गे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रहे: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने के बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा है कि मंत्री प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि देश में स्थिति वर्ष 1975 जैसी है। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर 'एक्स' पोस्ट के जरिए हमला बोला है। इसमें कहा गया है कि कलबुर्गी, जिस पर खड़गे ने 50 से ज्यादा सालों तक 'शासन' किया है, कर्नाटक के सबसे 'अविकसित' इलाकों में से एक है। प्रियांक खड़गे जो केवल अपने पिता के प्रभाव के कारण मंत्री बने हैं, अब प्रतिबंध लगाने की धमकी दे रहे हैं, जैसे कि सब कुछ 1975 जैसा हो गया हो। कांग्रेस के कथित अध्यक्ष, हाईकमान मल्लिकार्जुन खड़गे ने आधी सदी तक कलबुर्गी क्षेत्र पर शासन किया। फिर भी यह कर्नाटक के सबसे अविकसित भागों में से एक है। इसके अलावा, भाजपा ने कहा कि प्रियांक और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों के पास राज्य के विकास में योगदान देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने अपना समय आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने जैसी कल्पनाओं का पीछा करने में बिताया। प्रियांक खड़गे को लगता है कि वह इस तरह के बयान देकर कर्नाटक के लोगों का ध्यान भटका सकते हैं, लेकिन वह अपने प्रयास में विफल रहे हैं। ठीक वैसे ही जैसे वह पहले पीयूसी में असफल हुए थे। प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्त-त्रेय होसबोले के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों पर पुनर्विचार की मांग की थी। यह आरोप लगाते हुए कि आरएसएस भारतीय संविधान को बदलना चाहता है, खड़गे ने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान सभा में बहस के दौरान विरोध प्रदर्शन किया था और संविधान को जलाया था। होसबोले की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मंत्री ने कहा बहुत स्पष्ट रूप से, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने अपने अंतिम भाषण में राष्ट्र-विरोधी लोगों को उन लोगों के रूप में परिभाषित किया है जो जाति लाकर दुश्मनी पैदा करते हैं, और वे लोग जो देश की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रगति में बाधा डालने जा रहे हैं, वे असली राष्ट्र-विरोधी हैं। वे लोग जो समाज में सांप्रदायिक घृणा के बीज बोते हैं, वे राष्ट्र-विरोधी हैं। अभी ऐसा कौन कर रहा है?

सिद्धरामैया सरकार को बड़ा झटका

कोर्ट ने वाल्मीकि निगम घोटाले की जांच सीबीआई को देने के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार के लिए परेशानी का सबब बने एक बड़े घटनाक्रम में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को हाई-प्रोफाइल वाल्मीकि एसटी विकास निगम घोटाले की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया, जिससे यह मामला एक पूर्ण राष्ट्रीय जांच में बदल गया। यह आदेश मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि यह मामला पहले से ही कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और विधायकों से जुड़े होने के कारण राजनीतिक रूप से गरमा गया है। अभी तक, सीबीआई की भूमिका सीमित थी, जो वाल्मीकि विकास निगम के तहत अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए निर्धारित धन के दुरुपयोग से जुड़े करोड़ों रुपये के घोटाले में केवल विशिष्ट अनियमितताओं की जांच करती थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अब दायरा बढ़ाते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) को निर्देश दिया है - जो पहले राज्य सरकार के अधीन मामले को संभाल रहा था - कि वह व्यापक जांच के लिए सभी रिकॉर्ड और केस सामग्री सीबीआई को सौंप दे। इससे मामला राज्य के नियंत्रण से हटकर केंद्रीय एजेंसी के हाथों में चला जाता है।

इस साल की शुरुआत में सामने आया वाल्मीकि एसटी विकास निगम घोटाला कर्नाटक में अनुसूचित जनजातियों के उत्थान के लिए निर्धारित धन के कथित गबन से जुड़ा है। रिपोर्ट बताती है कि फर्जी खातों, फर्जी कंपनियों और अनधिकृत निकासी के जरिए करोड़ों रुपये निकाले गए। जून में, प्रवर्तन निद-शालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच तेज कर दी, जिसमें बल्लारी से कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और तीन मौजूदा कांग्रेस विधायकों से जुड़े कई ठिकानों पर छापे मारे गए। ईडी को संदेह है कि इस घोटाले में धन शोधन की कई परतें शामिल हैं, जिसमें राजनीतिक संबंधों के कारण धोखाधड़ी वाले लेनदेन को बढ़ावा मिला। भाजपा और जेडी(एस) ने कांग्रेस सरकार पर बार-बार निशाना साधा है और उस पर आरोपियों को बचाने और जांच को दबाने का आरोप लगाया है। मामले को सीबीआई को सौंपने के उच्च न्यायालय के फैसले को सिद्धरामैया प्रशासन के लिए प्रतिष्ठा की हानि के रूप में देखा जा रहा है, जिसने एसआईटी को जांच का जिम्मा सौंपा था। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अदालत का यह कदम राज्य की जांच की निष्पक्षता या प्रभावशीलता में विश्वास की कमी को दर्शाता है। अब सीबीआई से मामले में कई कोणों को फिर से खोलने की उम्मीद है, जिसमें राजनीतिक संबंध, नौकरशाही की भागीदारी और राज्य-पार धन के लेन-देन शामिल हैं। कर्नाटक में आगामी उपचुनावों और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले इस घटनाक्रम के गंभीर राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं, जहां इस घोटाले ने पहले ही शासन और भ्रष्टाचार पर कांग्रेस की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है।

दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के सभी प्रमुख बांध संरचनात्मक रूप से सुरक्षित घोषित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में प्रमुख बांध संरचनात्मक रूप से मजबूत हैं और वर्तमान में चल रहे मानसून के बीच भी सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है।

अधिकारियों के अनुसार, सभी महत्वपूर्ण बांध बुनियादी ढांचे में नियमित रखरखाव किया जाता है। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन के एक कार्यकारी अभियंता ने कहा थुम्बे वेंटेड बांध अपेक्षाकृत नया होने के कारण, इसमें दरार या संरचनात्मक कमजोरी के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। हमने विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण करने के लिए बेंगलूरु स्थित एक सरकारी एजेंसी को लिखा है। उन्होंने कहा कि मुख्य द्वार के विफल होने की स्थिति में बैकअप के रूप में काम करने के लिए एक रिटेनिंग वॉल बनाई गई है और स्टॉप-लॉग गेट लगाए गए हैं। मेंगलूरु विशेष आर्थिक क्षेत्र (एमएसईजेड) द्वारा प्रबंधित और 18.9 मीटर पर 12.5 मिलियन क्यूबिक मीटर की भंडारण क्षमता वाले एएमआर बांध को भी संरचनात्मक रूप से सुरक्षित घोषित किया गया है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि कुछ साल पहले ही निर्मित हरेकला बांध स्थिर स्थिति में है। अन्य महत्वपूर्ण संरचनाएं, जैसे बंटवाल में जकरीबेट्टू पुल-सह-बैराज और उप्पिनंगडी के पास नेत्रवती पर सरलीकट्टे बांध, निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तिमाही रखरखाव जांच से गुजरते हैं। जिला सिंचाई विभाग के एक कार्यकारी अभियंता ने कहा अकेले दक्षिण कन्नड़ में 471 बड़े और छोटे वेंटेड बांध हैं, और उनमें से किसी को भी रेत खनन या अन्य कारणों से नुकसान की सूचना नहीं मिली है। 1989 में वरही नदी पर बना और कर्नाटक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) द्वारा बनाए रखा गया मणि बांध भी अच्छी स्थिति में बताया गया है। केपीसीएल के एक अधिकारी ने कहा बांध की निरंतर निगरानी की जा रही है और रखरखाव बजटीय आवंटन से अच्छी तरह से समर्थित है।

बिजली के खंभे से टकराई कार में लगी आग

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु के बाहरी इलाके में गंजीमट के औद्योगिक क्षेत्र के पास एक कार में बिजली के खंभे से टकराने के बाद आग लग गई। रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना नरला-पदावु के पास रात करीब 2 बजे हुई, जब मोगरुकाटे से गंजीमट की ओर जा रही एक कार अचानक एक कुत्ते के सामने आ जाने के कारण नियंत्रण खो बैठी। वाहन एक बिजली के खंभे से टकरा गया, जिससे एयर-कंडीशनिंग यूनिट में विस्फोट हो गया और कार में आग लग गई। आग में कार पूरी तरह जल गई। सौभाग्य से, चालक सुरक्षित बच निकला। पता चला है कि कार कोलाम्बे के एक व्यक्ति की थी और यह एक पर्यटक वाहन था।

कर्नाटक में रोकथाम योग्य अंधेपन से निपटने के लिए 393 आशा किराना विजन सेंटर होंगे शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रोकथाम योग्य अंधेपन से निपटने के लिए, कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय अंधेपन और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आशा किराना कार्यक्रम का विस्तार और पुनर्गठन किया है।

पुनर्गठित पहल के हिस्से के रूप में, 3 जुलाई को एक साथ राज्य भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में 393 आशा किराना विजन सेंटर शुरू किए जाएंगे। इसकी घोषणा करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने पत्रकारों को बताया कि इस पहल का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाना है, विशेष रूप से मोतियाबिंद और बिना सुधारे अपवर्तक त्रुटियों को लक्षित करना है - जो देश में दृष्टि हानि के दो प्रमुख कारण हैं।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 3 जुलाई को बेंगलूरु में एक विजन सेंटर का उद्घाटन करेंगे और सभी 393 सेंटर एक ही दिन एक साथ शुरू किए जाएंगे। इस कार्यक्रम को पहले आशा कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग के फील्ड स्टाफ द्वारा अभियान मोड पर डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग के माध्यम से चलाया जाता था। हालांकि, मंत्री ने कहा कि अब से लोग अपनी सुविधानुसार सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्थित दृष्टि केंद्रों पर जा सकते हैं और आंखों की समस्याओं की जांच करा सकते हैं।

नंदी हिल्स में विशेष कैबिनेट बैठक में 33 से अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। नंदी हिल्स में आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक में बेंगलूरु ग्रामीण जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु उत्तर जिला करने तथा चिक्कबल्लापुर जिले के बागेपल्ली कस्बे का नाम बदलकर भाग्यनगर करने समेत 33 से अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में नंदीगिरी धाम के मयूरा हॉल में आयोजित कैबिनेट बैठक में लगभग सभी मंत्रियों ने भाग लिया। चिक्कबल्लापुर और कोलार जिलों के साथ-साथ चित्रदुर्ग, शिवमोग्गा, विजयनगर, कोप्पल और बेलगावी सहित विभिन्न जिलों के विकास कार्यों पर चर्चा की गई। रामनगर जिले का नाम पहले ही बेंगलूरु दक्षिण रखा जा चुका है। चल रही प्रक्रिया के तहत नेलमंगला, डोड्डबल्लापुर, देवनहल्ली और होसाकोटे तालुकों वाले बेंगलूरु ग्रामीण जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु उत्तर जिला करने का प्रस्ताव चर्चा में है। स्थानीय प्रतिनिधि कई दिनों से मांग कर रहे हैं कि चिक्कबल्लापुर जिले के बागेपल्ली कस्बे का नाम बदलकर भाग्यनगर किया जाए। कैबिनेट में इसका प्रस्ताव भी रखा गया है। बेंगलूरु में कलासीपल्या बीएमटीसी बस स्टैंड का नाम बदलकर जनोपकारी श्री दोड्डान्नशेट्टार कलासीपल्या बस स्टैंड रखा जा रहा है। चिक्कबल्लापुर में चेलूर, धारवाड़ में अन्निगेरी और अलनावर, उडुपी में कौप, विजयपुरा में बाबलेश्वर, कोलार, बागलकोट में तेराडाला और कोडागु में पोन्नमपेट में हुडीकेरी के नव घोषित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को 46 करोड़ रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेड करने पर चर्चा की गई है। कोलार तालुक में लड़कों के लिए सरकारी कॉलेज के लिए 40 करोड़ रुपये, लड़कियों के लिए कॉलेज के लिए 20 करोड़ रुपये और शिदलाघट्टा तालुक के अमरावती गांव में बेंगलूरु नॉर्थ यूनिवर्सिटी के नए परिसर के दूसरे चरण में 123 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकास पर चर्चा की गई है। फूल मुख्य रूप से कोलार, चिक्कबल्लापुर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों में उगाए जाते हैं और इसके विपणन के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से एक अंतरराष्ट्रीय फूल नीलामी संगठन विकसित करने की योजना है। चिंतामणि तालुक के भक्तराहल्ली में अरसीकेरे के तल पर 36 करोड़ रुपये की लागत से एक नई झील बनाने का प्रस्ताव है।

बम-बम भोले के नारों के साथ अमरनाथ यात्रा शुरू

जम्मू, 02 जुलाई (ब्यूरो)। बम-बम भोले के नारों के बीच वार्षिक अमरनाथ यात्रा की आज शुरूआत हो गई। जम्मू बेस कैंप से कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था बुधवार तड़के रवाना कर दिया गया। जम्मू से उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पहले जत्थे में 4 हजार के करीब यात्रियों को बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया है, वहीं सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। जब कल बाबा की पवित्र गुफा के दर्शनों के लिए यात्रियों को बेस कैंपों से रवाना किया जाएगा। यात्रा में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखलाने के बाद जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि इस साल की यात्रा के लिए पूरी सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर सुविधाओं के साथ 4000 से अधिक तीर्थयात्री जम्मू से श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा की ओर रवाना हो चुके हैं।

तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना करने के बाद एलजी मनोज सिन्हा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भगवान शिव की पवित्र तीर्थ यात्रा के लिए 4000 से अधिक तीर्थयात्री रवाना हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था की है। जम्मू कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले तीर्थयात्रियों में जबरदस्त उत्साह है। एलजी सिन्हा ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों ने हाल ही में आतंकी खतरों को नजरअंदाज किया है और बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका

उत्साह अभी भी कायम है। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि इस साल की यात्रा पिछले सालों की तुलना में और भी बेहतर और सुचारू होगी। उन्होंने तीर्थयात्रा व्यवस्थाओं में शामिल सभी विभागों के बीच समन्वय की प्रशंसा की।

अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जम्मू सेक्टर के सीआरपीएफ आईजी ने बताया कि सभी तरह की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हम नई तकनीक और गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही, पिछले साल की तुलना में इस बार इस काम में लोगों को भी बढ़ाया गया है।उन्होंने कहा कि यात्रा की सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद प्रबंध किए गए हैं और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। कठुआ जिले में लखनपुर आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों की कड़ी जांच के अलावा शहर के कई अन्य हिस्सों में भी गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इस वर्ष चिकित्सकीय सुविधा पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, क्योंकि पिछले वर्ष स्वास्थ्य कारणों से 100 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि पंजीकरण या चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के बगैर किसी को भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीर्थयात्रियों का आगे बढ़ना मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा। अमरनाथ यात्रा के लिए 3.20 लाख तीर्थयात्री अब तक पंजीकरण करा चुके हैं। करंट पंजीकरण भी चालू कर दिया गया है। मौसम के अनिश्चित हालात के बावजूद हर आयुवर्ग के तीर्थयात्रियों में काफी उत्साह है।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना होने के वक्त श्रद्धालुओं ने कहा कि वे काफी खुश हैं। उन्हें किसी बात का कोई डर नहीं है। सभी सुरक्षा व्यवस्था बेहतर है। हर साल सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जाती है। मोहाली की रूपा गांगुली ने कहा कि मैं पहली बार इस तीर्थयात्रा पर जा रही हूं। मैं बहुत रोमांचित हूं। हमने सुना है कि गुफा और गुफा मार्ग अभी भी बर्फ से ढके हैं। यह बहुत ही रोचक होगा। गुजरात के जतिंदर सोलंकी ने कहा कि मैं पांचवी बार इस तीर्थयात्रा के लिए आया हूं। श्रद्धा और कश्मीर घाटी में शांति के कारण प्रत्येक वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तीर्थयात्रा 9 अगस्त तक जारी रहेगी। समुद्र के सतह से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा के लिए दो मार्ग हैं। एक मार्ग श्रीनगर से लगभग 100 किलोमीटर दूर पहलगाम से है, और दूसरा श्रीनगर से 110 किलोमीटर दूर बालटाल से है। पहलगाम से गुफा का मार्ग पारम्परिक है और यह 45 किलोमीटर लम्बा है, लेकिन इन दिनों तीर्थयात्री बालटाल से जाने वाले मार्ग को वरीयता देते हैं, क्योंकि यह काफी छोटा है।

अमरनाथ गुफा में पवित्र बर्फ का हिमलिंग मौजूद होता है, जो स्वाभाविक रूप से निर्मित होता है। तीर्थयात्रियों के लिए यह मुख्य आकर्षण होता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ ने अपनी 350 टुकड़ियां तैनात की हैं। इनमें 52 टुकड़ियां जम्मू क्षेत्र में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा संभालेंगी जबकि बाकी टुकड़ियां घाटी में यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात की गयी हैं। कुल मिला कर बीएसएफ, कश्मीर पुलिस, सेना और केरिपुब के दो लाख जवानों को तैनात किया गया है।

असम में गोमांस पर सबसे बड़ी कार्रवाई, अब तक 133 गिरफ्तार

गुवाहाटी, 02 जुलाई (एजेंसियां)। असम में गोमांस पर प्रतिबंध संबंधी कानून लागू होने के बाद पिछले दिनों की गई बड़ी कार्रवाई में पुलिस ने 133 लोगों को हिरासत में लिया और एक टन से अधिक गोमांस जब्त किया है। यह कार्रवाई असम गोसंरक्षण अधिनियम 2021 के तहत राज्यभर में चलाए गए विशेष अभियान का हिस्सा थी।

पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध पशुवध और अनधिकृत गोमांस बिक्री पर रोक लगाना है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि होटल और रेस्टोरेंट में नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिलने के बाद छापेमारी की गई और वहां से गोमांस बरामद किया गया। पुलिस ने राज्यभर में 112 प्रतिष्ठानों पर छापे मारे और अवैध व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों को हिरासत में लिया। जब्त मांस के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए, जहां से पुष्टि हुई कि वह गोमांस ही है। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने कई होटलों, रेस्तरां और अन्य परिसरों में जांच की। राज्यभर के थानों में इससे संबंधित कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

पुलिस के अनुसार अभियान अभी भी जारी है। विभाग की ओर से सभी व्यावसायिक खाद्य प्रतिष्ठानों को सख्त चेतावनी दी गयी है कि वे कानून का पालन करें।

दोबारा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि असम गोसंरक्षण अधिनियम, 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिख बहुल इलाकों तथा मंदिरों और वैष्णव सत्रों के पांच किलोमीटर के दायरे में गोमांस की बिक्री और वध पर रोक है। हालांकि, राज्य में गोमांस सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है।

हाईकोर्ट पहुंचा सरकारी स्कूलों के विलय का मामला

फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई आज

बसपा नेता मायावती ने भी विलय पर जताया विरोध

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में सरकारी स्कूलों के विलय का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए कोर्ट ने 3 जुलाई की तारीख तय की है। उत्तर प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर (विलय) आदेश को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में चुनौती दी गई है। याचिकाओं पर 3 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। पहली याचिका, सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों ने दाखिल की है। जबकि, इसी मामले में एक अन्य याचिका भी दाखिल हुई है। उधर, बसपा प्रमुख मायावती ने भी स्कूलों के विलय पर कड़ा विरोध जताया है।

याचिका में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया है जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों

में विलय करने का प्रावधान किया गया है। याचियों ने इसे मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाला कहा है साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूलों से दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिकाओं में प्राथमिक स्कूलों की चल रही मर्जर की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की भी गुजारिश की गई है। सुनवाई के समय राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थाई अधिवक्ता (सीएससी) शैलेंद्र कुमार सिंह पेश हुए। जबकि, याचियों की ओर से अधिवक्ता डॉ. एल पी मिश्र और गौरव मेहरोत्रा पेश हुए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को करने का आदेश दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकारी स्कूलों के विलय का विरोध करते हुए इसे गरीब विरोधी फैसला करार दिया है। उन्होंने सरकार से इसे वापस लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस फैसले को वापस लेना चाहिए और अगर नहीं लेती है तो बसपा की सरकार आने पर इस फैसले को निरस्त किया जाएगा। मायावती ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन/एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित, गैर-जरूरी एवं गरीब-विरोधी प्रतीत होता है।

मायावती ने कहा, सरकार से अपील है कि वह अपना युग्मन/एकीकरण का यह फैसला गरीब छात्र-छात्राओं के व्यापक हित में तुरन्त वापस ले।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को लगाई फटकार

कैश फॉर जॉब घोटाले में लिप्त अभ्यर्थियों की फिर भर्ती

कोलकाता, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने कैश-फॉर-जॉब्स घोटाले में शामिल रहे उम्मीदवारों को एक बार फिर भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने राज्य सरकार और स्कूल सर्विस कमीशन से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि यह कदम सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना है। कोर्ट ने पूछा, जब सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि इन उम्मीदवारों की नियुक्तियां अवैध हैं और वे अब किसी भी भर्ती के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे, तो

फिर उन्हें नए नोटिफिकेशन में आवेदन की अनुमति कैसे दी गई?

सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल 2025 को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था, जिसमें 25,753 नियुक्तियों को भ्रष्टाचार-ग्रस्त मानते हुए खारिज किया गया था। कोर्ट ने यह भी माना था कि इस घोटाले में ईमानदार और योग्य अभ्यर्थियों का हक छीना गया। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि सर्विस कमीशन ने भर्ती प्रक्रिया में बेंटेज क्राइटेरिया में बदलाव कर दिया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2016 के पुराने नियमों को ही लागू रखने का आदेश दिया था। पुराने नियमों में जहां लिखित परीक्षा के लिए 55 अंक और शैक्षणिक योग्यता के लिए 35 अंक निर्धारित थे, वहीं नए नोटिफिकेशन में यह अनुपात बदलकर क्रमशः 60 और 10 कर दिया गया है। कोर्ट ने सवाल किया, इस बदलाव का आधार क्या है? जब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं, तब इन नियमों में छेड़छाड़ किस उद्देश्य से की गई?

इस मामले में वे अभ्यर्थी भी अदालत पहुंचे हैं, जो 2016 की भर्ती प्रक्रिया में ईमानदारी से सफल हुए थे लेकिन भ्रष्टाचार के चलते नौकरी नहीं मिल सकी। उनका तर्क है कि यदि अयोग्य उम्मीदवारों को फिर से मौका दिया जाता है, तो यह उनके साथ एक और अन्याय होगा। हालांकि राज्य सरकार और भर्ती कमीशन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई अभी लंबित है, लेकिन हाईकोर्ट ने संकेत दिया कि वह इस बहाने से जिम्मेदारी टालने की अनुमति नहीं देगा। कोर्ट ने राज्य सरकार और भर्ती कमीशन से इस पूरे मामले पर स्पष्ट और ठोस जवाब मांगा है। अगली सुनवाई में यह तय हो सकता है कि क्या घोटाले में शामिल उम्मीदवारों को दोबारा भर्ती प्रक्रिया से बाहर किया जाएगा या नहीं।

छह महीने में 80 लड़कियां हो गईं लापता

लव-जेहाद गिरोह के सक्रिय होने का संदेह

मुरादाबाद, 02 जुलाई (ब्यूरो)। मुरादाबाद में बीते छह माह में 80 से ज्यादा किशोरियां लापता हो गई हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि यह युवकों से फोन और फेसबुक पर बातचीत कर घर छोड़ गईं। अधिकांश लड़कियों की उम्र 15 से 18 वर्ष के बीच है। इसके पीछे लव-जेहाद गिरोह का हाथ बताया जा रहा है।

पिछले छह माह में 80 से ज्यादा लड़कियों का लापता होना काफी गंभीर और चिंताजनक है। पुलिस इस मामले को हल्का-फुल्का बनाने में लगी है। लेकिन खुफिया एजेंसियां इसके पीछे खतरनाक गिरोह की भूमिका सूंघ रही हैं। अकेले मुरादाबाद जिले से लापता हुई 80 में 20 लड़कियां ऐसी हैं, जिन्होंने अंजान लोगों से दोस्ती की और फिर गायब हो गईं। इनमें कई लड़कियां ऐसी भी हैं जिन्होंने अपने घर में रखे जेवर नकदी और अन्य कीमती सामान भी उठा लिए।

जिले से पांच और किशोरियां लापता हो गईं, जिनके परिजनों ने थाने में तहरीर देकर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव से 17 वर्षीय किशोरी 28 जून की सुबह करीब साढ़े दस बजे अचानक लापता हो गई। पिता का आरोप है कि गौरव नाम का युवक उसे बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। दूसरा मामला नागफनी थाना क्षेत्र का है।

यहां रहने वाली एक महिला ने चांद मोहम्मद के खिलाफ केस दर्ज कराया है, जिसमें महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उसकी 17 वर्षीय बेटी को अगवा कर ले गया है। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि मझोला के रसूलपुर निवासी युवक उसकी बेटी को अगवा कर ले गया है।

राजनीतिक दलों की चिंताओं का पूरा समाधान किया गया: आयोग

नई दिल्ली 02 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मचे घमासान के बीच चुनाव आयोग ने बुधवार को विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ यहां आयोग के मुख्यालय पर बैठक की और कहा कि इन दलों के प्रतिनिधियों की ओर से व्यक्त चिंताओं का पूरा समाधान किया गया।

बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू तथा डॉ. विवेक जोशी के साथ प्रदेश के कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग में मुलाकात की।

चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का संचालन अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के प्रावधानों और 24.06.2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है।

पार्टी प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई चिंतायें उठायीं। राजनीतिक पार्टियों के किसी भी सदस्य द्वारा उठायी गयी प्रत्येक चिंता का आयोग द्वारा पूर्ण समाधान किया गया।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जमीनी स्तर पर 1.5 लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है।

आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया, ताकि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रह जाये।

गौरतलब हो कि बिहार विधानसभा चुनाव पहले इंडिया गठबंधन के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार शाम को चुनाव आयोग से मुलाकात की। नेताओं ने आयोग से मिलकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाया।

आयोग के अनुसार आज चुनाव आयुक्तों से मुलाकात करने वाले कुछ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मिलने का समय दिया गया था जबकि अन्य को पूर्व में समय न दिये जाने के बावजूद प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने दिया गया।

आयोग ने सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए प्रत्येक पक्ष के दो प्रतिनिधियों से मिलने का निर्णय लिया था।

कांग्रेस तथा इंडिया समूह के 11 दलों के नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग से मुलाकात की और कहा कि जो काम कई महीने पहले शुरू हो जाना चाहिए था उसे आखिर किस वजह से आयोग ने चुनाव से महज दो तीन महीने पहले शुरू किया है।

अमित शाह ने एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी

नई दिल्ली 02 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो(एनसीबी) और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई दी।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर ड्रग गिरोह, चाहे वह कहीं से भी चल रहा हो, को खत्म करने और देश के युवाओं की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

श्री शाह ने प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा एनसीबी और अन्य एजेंसियों को ग्लोबल ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर बधाई।

उन्होंने कहा कि जांच ने

मल्टीएजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया है जिसके परिणामस्वरूप आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया और 5 खेप जब्त की गयी। चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में संचालित गिरोह के खिलाफ अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में कार्रवाई हुई है।

गृह मंत्री ने कहा कि हमारी एजेंसियां लगातार इन गिरोहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले क्रिप्टो भुगतान और गुमनाम ड्रॉप शिपर्स जैसे तरीकों की निगरानी कर रही हैं।

गौरतलब है कि अवैध दवा व्यापार के खिलाफ अब तक की सबसे व्यापक कार्रवाइयों में से एक के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुख्यालय की ऑपरेशंस यूनिट ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट को सफलता-पूर्वक ध्वस्त कर दिया। यह एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्लेटफॉर्म, ड्रॉप शिपिंग मॉडल और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कर चार महाद्वीपों में नियंत्रित दवाओं की तस्करी कर रहा था।

नयी दिल्ली की बंगाली मार्केट के पास वाहनों को रोक कर जांच करने की एक नियमित प्रक्रिया के रूप में शुरू हुई यह कार्रवाई एक आपराधिक नेटवर्क को उजागर करने में बदल गई, जो भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में फैला हुआ था।

यह अवैध फार्मा नेटवर्क की वैश्विक पहुंच और समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्तन कार्रवाइयों का नेतृत्व करने की एनसीबी की क्षमता को दर्शाता है। इस ऑपरेशन ने चार महाद्वीपों और 10 से अधिक देशों में फैले एक वैश्विक नेटवर्क का खुलासा किया।

अवैध खनन के खिलाफ योगी सरकार की सख्त कार्रवाई

अवैध खनन पर एआई और ड्रोन से कसी नकेल

21 हजार से अधिक वाहन ब्लैक लिस्टेड

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर रोकथाम के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रदेश में 57 एआई और आईओटी आधारित चेकगेट्स स्थापित किए गए हैं, जो खनन में शामिल वाहनों की कड़ी निगरानी कर रहे हैं।

इन चेक गेट पर परिवहन विभाग के सहयोग से वेट-इन-मोशन तकनीक का उपयोग कर ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जा रहा है। अब तक 21,477 वाहनों को अवैध परिवहन के लिए ब्लैक लिस्टेड किया गया है। इसके अतिरिक्त, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग गूगल अर्थ, आर्क-जीआईएस और लिस-4 उपग्रह डेटा के माध्यम से अवैध खनन की पहचान और नए खनिज क्षेत्रों की खोज कर रहा है।

विभाग की रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला (पीजीआरएस लैब) भूवैज्ञानिक मानचित्र तैयार कर रही है और स्वीकृत खनन पट्टों की निगरानी कर रही है।

इससे रेत, मोरंग और अन्य लघु खनिजों के नए खनिज समृद्ध क्षेत्रों की पहचान संभव हुई है। वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) के तहत उप खनिजों के परिवहन में शामिल वाहनों पर एआईड140 कम्पैटिबल जीपीएस उपकरण लगाए जा रहे हैं। इन उपकरणों को विभागीय वीटीएस मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा, जिससे रियल-टाइम ट्रैकिंग, रूट डेविएशन अलर्ट और एमआईएस रिपोर्ट्स के जरिए अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। पहली बार परिवहनकर्ताओं को हितधारक बनाते हुए उनका पंजीकरण भी शुरू किया गया है।

ड्रोन तकनीक का उपयोग कर खनन क्षेत्रों की लंबाई, चौड़ाई और गहराई का आकलन किया जा रहा है। ड्रोन के माध्यम से वॉल्यूमैट्रिक एनालिसिस के जरिए खनन की मात्रा का सटीक अनुमान लगाया जाता है, जिसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। इसके अलावा, भंडारित उप खनिजों का भी ड्रोन से वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण किया जा रहा है। ड्रोन की मदद से खनन योग्य क्षेत्रों का चिह्नांकन कर पट्टों का व्यवस्थापन किया जा रहा है, जिससे अधिकतम खनन योग्य क्षेत्रों का उपयोग संभव हो सके।

योगी सरकार की इन पहलों से अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। समय-समय पर पट्टों की जांच और तकनीकी निगरानी से पारदर्शिता बढ़ी है और खनन माफिया पर नकेल कसी गई है। ये कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि प्रदेश में खनन क्षेत्र में सुशासन और जवाबदेही को भी मजबूत कर रहे हैं। योगी सरकार की यह सख्ती और तकनीकी दृष्टिकोण अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बन सकता है।

अब लखनऊ में जमीन, मकान दुकान खरीदना होगा महंगा

10 वर्ष के बाद जारी हुआ नया डीएम सर्किल रेट

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ प्रशासन ने 10 वर्ष के बाद नया डीएम सर्किल रेट जारी कर दिया है। इसके बाद से जमीन, मकान और दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। ये रेट एक अगस्त से लागू किए जाएंगे। नया सर्किल रेट लागू होने के बाद राजधानी लखनऊ में जमीन, मकान, दुकान खरीदना और महंगा हो जाएगा। 10 वर्ष बाद प्रस्तावित नया डीएम सर्किल रेट जारी किया गया है। आपत्तियां दूर करने के बाद एक अगस्त से इसको लागू किया जाएगा। नए डीएम सर्किल रेट में कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों पर 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। दुकान, कार्यालय व गोदाम पर औसतन 20 फीसदी की वृद्धि की गई है।

इससे पहले 2015 में जब नया सर्किल कृषि भूमि पर 15, व्यावसायिक पर 25 और बहुमंजिला भवनों में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी रेट तय किया गया था, उस दौरान कुछ ऐसे स्थान थे, जहां दुकान, कार्यालय व गोदाम के रेट कम थे। इसे विसंगति मानते हुए इस बार दूर किया गया है। ऐसी जगहों के रेट 40 फीसदी तक बढ़ाए गए हैं। अब इनमें समानता हो गई है।

अहम बदलाव के तहत गैर कृषि भूखंड और भवन, जिसकी चौहद्दी में यदि कोई व्यवसायिक गतिविधि है, तो ऐसे भूखंडों व भवनों की दर निर्धारित करने के बाद 20 फीसदी मूल्य बढ़ाया जाएगा। इसका मतलब है कि यदि किसी गैर कृषि भूखंड के अगल-बगल दुकान, गोदाम आदि है तो खरीदार को 20 फीसदी अधिक मूल्य देना होगा। यदि कोई इसे बेचेगा तो भूमि का मूल्यांकन निर्धारित गैर कृषि दर से 50 फीसदी बढ़ाकर किया जाएगा। कृषि भूमि में फलदार व बिना फलदार वृक्ष की वर्तमान दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जो दर पहले थी, वही लागू रहेगी। जो दरें प्रस्तावित की गई हैं उससे संबंधित सुझाव और आपत्तियां दो से 17 जुलाई के बीच सुबह 10 से पांच बजे तक सभी उप निबंधक कार्यालयों, सहायक महानिरीक्षक निबंधन के कार्यालय में दी जा सकती है। निस्तारण 27 जुलाई तक होगा। जिलाधिकारी विशाख जी का कहना है कि बीते दशक में शहर में बड़े पैमाने पर विकास हुआ है। सेगमेंट सड़कें विहिनत की गई हैं। जो भी आपत्तियां या सुझाव हैं वह मेल के जरिए या फिर सीधे संबंधित अफसर के कार्यालय में दे सकते हैं।

लखनऊ की 26 प्रमुख कॉलोनियों के सर्किल रेट में 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। गोमतीनगर में न्यूनतम 33 हजार और अधिकतम 77 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर प्रस्तावित है, जो सबसे अधिक है। गोमती नगर कॉलोनी का सर्किल रेट सबसे अधिक प्रस्तावित है। दूसरे स्थान पर महानगर और तीसरे पर इंदिरानगर है। कुल 26 प्रमुख कॉलोनियों के सर्किल रेट जारी किए गए हैं।

ओबीसी युवकों को मिलेगा मुफ्त तकनीकी प्रशिक्षण

कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना में 14 जुलाई तक होगा आवेदन

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना 2025-26 के तहत अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। योजना के अंतर्गत 14 जुलाई 2025 तक आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इस योजना के लिए वर्ष 2025-26 में 35.00 करोड़ की राशि प्राविधानित की गई है।

योजना के अंतर्गत इस बार कुल 435 संस्थाओं ने आवेदन किया था, जिनमें से नियमों के अनुरूप पात्र 299 संस्थाओं का चयन किया गया। इनमें 52 संस्थाएं ओ-लेवल, 43 संस्थाएं सीसीसी और 204 संस्थाएं दोनों प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करेंगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि योजना के तहत इंटरमीडिएट पास बेरोजगार युवक-युवतियां, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 1 लाख या उससे कम है, वे लाभार्थी बन सकते हैं। ओ लेवल कोर्स की 1 वर्ष की अवधि होती है, जिसमें 15,000 तक की सहायता मिलती है। वहीं, सीसीसी कोर्स की 3 माह की अवधि है, जिसमें 3,500 तक की सहायता दी जाती है। यह सहायता प्रत्यक्ष रूप से चयनित संस्थाओं को दी जाएगी। यदि किसी लाभार्थी ने खुद शुल्क अदा किया है तो प्रमाण-पत्र सत्यापन के बाद उसे भुगतान किया जाएगा।

संस्थाओं का चयन निदेशक स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जाता है, जबकि लाभार्थियों का चयन जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा।योजना की नियमावली में संशोधन कर 9 अप्रैल 2025 को निदेशालय द्वारा संशोधित प्रस्ताव जारी किया गया था, जिससे आवेदन प्रक्रिया और पारदर्शी हो गई है।

35.78 लाख निराश्रित महिलाओं को मिली पहली तिमाही की पेंशन

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने एक बार फिर संवेदनशील और जनकल्याणकारी प्रशासन का परिचय देते हुए प्रदेश की लाखों निराश्रित महिलाओं के जीवन में उम्मीद का उजाला फैलाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में राज्य सरकार ने 35,78,000 निराश्रित महिलाओं के खातों में 3000 की पेंशन राशि (1000 प्रति माह) ट्रांसफर कर दी है। यह धनराशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को भेजी गई है। इस तिमाही में 47,800 नई लाभार्थियों को भी पहली बार योजना से जोड़ते हुए राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र महिला लाभ से वंचित न रहे।

इससे पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 35,30,311 महिलाओं को यह लाभ मिला था, यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार की योजना विस्तार और समावेशन की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही यह योजना पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट झेल रही महिलाओं को न सिर्फ आर्थिक सहारा देती है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने की शक्ति भी प्रदान करती है।

यह योजना राज्य की उन महिलाओं के लिए है, जिनका जीवनसाथी अब इस दुनिया में नहीं रहा और जो स्वयं की आजीविका के लिए संघर्ष कर रही हैं। योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि केवल वास्तविक जरूरतमंद महिलाएं ही इस योजना से

लाभान्वित हों। इसके लिए सत्यापन की एक सशक्त और पारदर्शी प्रक्रिया तैयार की गई है। वर्तमान तिमाही के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 28,56,821 महिलाओं को योजना का लाभ मिला है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 7,21,290 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत किसी भी महिला को लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ बुनियादी शर्तें निर्धारित की गई हैं। लाभार्थी महिला उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी होनी चाहिए, उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और उसके पति की मृत्यु हो चुकी हो। साथ ही, परिवार की वार्षिक आय 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए और वह किसी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की पेंशन योजना से लाभ नहीं ले रही हो। आवेदन प्रक्रिया को भी सुनियोजित रूप से विभाजित किया गया है। आवेदन मिलने के बाद संबंधित विभाग 45 दिनों में दस्तावेजों की जांच करता है। उसके बाद खंड विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी या नगर मजिस्ट्रेट स्तर पर 15 दिनों के भीतर अनुमोदन किया जाता है। इसके बाद जनपद स्तरीय अनुश्रवण व स्वीकृति समिति एक माह के भीतर अंतिम स्वीकृति देती है। अंतिम रूप से, एनआईसी और पीएफएमएस के सहयोग से पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे योजना में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होती है।

महिला कल्याण विभाग के उपनिदेशक व पेंशन योजना के नोडल अधिकारी बीएस निरंजन ने बताया कि योगी सरकार की इस योजना का विशेष फोकस ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं पर है। इन क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि पात्र महिलाएं योजना से वंचित न रहें। हर ब्लॉक और तहसील स्तर पर नोडल अधिकारियों की तैनाती कर आ-वेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया गया है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 28,56,821 लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित हुई।

डेढ़ करोड़ के प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद, तीन गिरफ्तार

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। खाद्य एंव औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने बुधवार को ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। बुद्धेश्वर चौराहा, मोहान रोड स्थित हनुमंत किराना एवं जनरल स्टोर से ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का अवैध धंधा चल रहा था। छापेमारी के दौरान करीब डेढ़ करोड़ रुपए का प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद किया गया।

एफएसडीए के सहायक आयुक्त बृजेश कुमार ने बताया कि मोहान रोड पर प्रतिबंधित इंजेक्शन के कारोबार की सूचना मिली थी। एसटीएफ में अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार नागर से संपर्क किया। संयुक्त टीम का गठन किया गया। बुधवार को पुलिस बल के साथ मोहान रोड स्थित हनुमंत किराना एवं जनरल स्टोर पर छापेमारी की कार्रवाई हुई। छापे में भारी मात्रा में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन और पैकिंग संबंधित सामग्री बरामद हुई। इसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। अवैध कारोबार चला रहे तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। इसमें सीतापुर के बिसवां थाना निवासी खगेश्वर, बुद्धेश्वर मॉडल सिटी मोहान रोड के अवधेश पाल और बुद्धेश्वर मायापुरम के अनमोल पाल शामिल हैं। तीनों के खिलाफ काकोरी थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है। छापेमारी के दौरान दो लाख से अधिक शीशीयां बरामद की गई हैं।

75 बोगस फर्मों से 200 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी

रिक्शा चालक को मालिक बनाकर किया 10 करोड़ का धंधा

मुरादाबाद, 02 जुलाई (ब्यूरो)। मुरादाबाद मंडल की 75 बोगस फर्मों द्वारा करीब 200 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। इन फर्मों ने 1200 करोड़ रुपए का फर्जी टर्नओवर दिखाया था। ठाकुरद्वारा, रामपुर और उत्-ाराखंड के काशीपुर-जसपुर के लकड़ी कारोबारियों की संलिप्तता पाई गई है। जांच के दौरान पांच नई बोगस फर्मों से 10 करोड़ की टैक्स चोरी उजागर हुई।

मुरादाबाद मंडल की 75 बोगस फर्मों ने करीब 200 करोड़ की जीएसटी चोरी की है। इन फर्मों ने 1200 करोड़ रुपए का टर्नओवर दर्शाया है। इस मकड़जाल में मुरादाबाद, उत्तराखंड, रामपुर के लकड़ी कारोबारी शामिल हैं। जांच करने पहुंचे राज्य कर एक अधिकारी ने ठाकुरद्वारा की एक फर्म के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह, ग्रेड-2 आरए सेठ जीएसटी चोरी के मामलों की छानबीन के लिए मंगलवार को ठाकुरद्वारा पहुंचे। जांच के दौरान पांच बोगस फर्मों से दस करोड़ की टैक्स चोरी का मामला प्रकाश में आया। उत्तराखंड के काशीपुर, जसपुर और यूपी के ठाकुरद्वारा में जीएसटी चोरी करने के लिए लकड़ी की पांच-पांच बोगस फर्में बनाई गई थी।

एक ही मोबाइल नंबर पर इन फर्मों का सीजीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। ठाकुरद्वारा में एसके एंटरप्राइजेज के स्वामी मोहम्मद यामीन, जिंदल इंटरप्राइजेज के सैफ अली, एचएन ट्रेडर्स के कमर अली, लेंबा ट्रेडर्स के नफीस अहमद और एजेड ट्रेडर्स के अजीम उर रहमान शामिल है। राज्य कर अधिकारियों ने बुध बाजार, पंजाब नेशनल बैंक, मुख्य बाजार, नूरी मार्केट सहित कई स्थानों पर जाकर बोगस फर्मों के पते की तलाश की लेकिन किसी का सही लोकेशन नहीं मिल सका। अपर आयुक्त ग्रेड-2 का कहना है कि 2020 से अभी तक की बोगस फर्मों की जांच चल रही है। इनमें 1200 करोड़ का टर्नओवर और 200 करोड़ की जीएसटी चोरी का मामला सामने आया है। इसी कारण शासन भी मुरादाबाद की जीएसटी चोरी को जड़ से उखाड़ने के लिए सक्रिय है।

लकड़ी का कारोबार करने से जताई अनभिज्ञता इस बीच टीम ने मोबाइल नंबर पर रजिस्ट्रेशन करने वाले की तलाश की गई। राज्य कर की टीम ने उसे तिकोनिया स्टैंड पर बस से उतरते हुए पकड़ लिया। उसने अपना नाम यामीन बताया है। पता चला कि यामीन के नाम पर करीब पांच करोड़ का टर्नओवर दिखाया गया है। पूछने पर उसने लकड़ी का कारोबार करने से अनभिज्ञता जताई है। जांच में एक रिक्शा चालक ने राज्य कर अधिकारियों को बताया कि वह एक दिन उत्तराखंड के काशीपुर स्थित जन सुविधा केंद्र गया था। वहां कुछ लोगों ने पैसे का लालच देकर कागजात मांगे। पता चला कि रिक्शा चालक को सीजीएसटी में फर्म का मालिक घोषित कर दस करोड़ की खरीद फरोख्त की गई है।

यूपी में 1,111 करोड़ की लागत से बनेंगे 10 पुल

लखनऊ, 02 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में लोक निर्माण विभाग ,111 करोड़ की लागत से 10 पुलों का निर्माण करेगी। इसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा किया जाना है। इस योजना के जरिए जिन सेतुओं का निर्माण होना प्रस्तावित है उसमें मुख्यतः रेल ओवरहेड ब्रिज (आरओबी) और रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) प्रस्तावित है। इसके साथ ही, सीआरआई फंड के इस्तेमाल से मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्यों को पूरा करने की तैयारी है।

इसे उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की देखरेख में पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कार्यों के चयन का निर्धारण टीयूवी व उपयोगिता के आधार पर किया जाता है। टेन व्हीकल यूनिट्स (टीयूवी) लेवल क्रॉसिंग गेट्स के वर्गीकरण में इस्तेमाल होने वाला एक टर्म है। यह दर्शाता है कि एक दिन में औसतन कितनी ट्रेनें और यातायात वाहनों का उस सेक्शन से आना-जाना होता है। ऐसे में, सेतुओं के निर्माण में उन सेक्शंस पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है जिनकी टीयूवी संख्या अधिक है और इसे भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर कार्य हो रहा है।

केंद्रीय मार्ग एवं अवसंरचना निधि का इस्तेमाल प्रदेश में सेतु निर्माण के साथ ही मार्गों के निर्माण में भी किया जाना प्रस्तावित है। इसको लेकर भी लोक निर्माण विभाग द्वारा एक कार्य योजना तैयार की गई है। इसके अनुसार, भारत सरकार द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में 136 करोड़ की लागत से कार्यों को पूरा करने का अनुमोदन किया गया था जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा किया जा सकता है।

यूपी में बिजली निजीकरण के खिलाफ देशभर में हुए प्रदर्शन

9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान

लखनऊ, 02 जुलाई (ब्यूरो)। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर बुधवार को देश भर में विरोध-प्रदर्शन हुआ। निजीकरण के विरोध में हुए प्रदर्शन में बिजली कर्मचारियों, अभियंताओं के साथ ही किसान संगठनों और उपभोक्ता संगठनों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने नौ जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्वांचल और दक्षिणांचल का निजीकरण प्रस्ताव रद्द करने की मांग की गई। विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन में संबंधित राज्यों की बिजली समस्या के साथ ही पूर्वांचल और दक्षिणांचल का मुद्दा उठा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और परियोजना कार्यालयों पर हुए प्रदर्शन में निजीकरण को भ्रष्टाचार की उपज बताया गया।

राजधानी लखनऊ में रेजिडेंसी पर हुए विरोध-प्रदर्शन में काफी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा का बैनर लेकर किसान शामिल हुए। रेजिडेंसी और मध्यांचल मुख्यालय पर प्रदर्शन के बाद सभा हुई। इस दौरान पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में घाटे के भ्रामक आंकड़ों देकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल

विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय लिया है, जिससे प्रदेश के बिजली कर्मियों में काफी गुस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गलत पावर परचेज एग्रीमेंट के चलते विद्युत वितरण निगमों को निजी बिजली उत्पादन कंपनियों को बिना एक भी यूनिट बिजली खरीदे 6761 करोड़ का सालाना भुगतान करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त निजी घरानों से बहुत महंगी दरों पर बिजली खरीदने के कारण लगभग 10000 करोड़ सालाना का अतिरिक्त भार आ रहा है।

उत्तर प्रदेश में सरकारी विभागों पर 14400 करोड़ का बिजली राजस्व का बकाया है। प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है, गरीबी रेखा से नीचे के बिजली उपभोक्ताओं को 03 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली दी जाती है। जबकि बिजली की लागत 07.85 रुपए पैसे प्रति यूनिट है। बुनकरों आदि को भी सब्सिडी दी जाती है। सब्सिडी की धनराशि ही लगभग 22000 करोड़ रुपए है। प्रदेश सरकार इन सबको घाटा बताती है और इसी आधार पर निजीकरण का निर्णय लिया गया है।

प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय नेताओं ने आरोप लगाया कि पावर कॉरप-ोरेशन लिमिटेड और शासन के कुछ बड़े अधिकारियों की कुछ चुनिंदा निजी घरानों के साथ मिलीभगत है। वे लाखों करोड़ रुपए की बिजली की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। पूर्वांचल में प्रदेश की सबसे गरीब जनता रहती है। दक्षिणांचल में बुंदेलखंड के क्षेत्र में बेहद गरीब लोग रहते हैं जहां पीने के पानी की भी समस्या है।

संपादकीय

स्त्री-द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला हैं। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियां में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं।

देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

प्रह्लाद सबनानी

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुनः "सोने की चिड़िया" बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है। वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में

प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सम्बंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलब्धि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है। भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अतः कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है।

विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है। वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अतः भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (KGF) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुनः प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुनः स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुनः खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था। प्राचीन काल में में भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है।

कुछ अलग

इनकी भी मौज, उनकी भी मौज

असल में इन दिनों दुनिया में दो ही लोगों की मौज आई हुई है। बाकी दुनिया तो यूं ही परेशान है-कोई युद्ध को लेकर और कोई भूख को लेकर। पर सचमुच इन दो लोगों की मौज आई हुई है। एक है ट्रंप साहब। वे तो लगता है कि नोबल प्राइज लिए बिना मानेंगे नहीं। इस चक्कर में वे टैरिफ-वैरिफ भी भूल गए हैं। बच्चे कई बार नए खिलौने की धुन में पुरानी मांग भूल जाते हैं। वैसे अगर चाहें तो मौज तो अमेरिका वाले भी ले सकते हैं कि देखो हमने भी क्या राष्ट्रपति बनाया है। उसकी हरकतों को देखकर हंसना चाहो हंसो, रोना चाहो तो रोओ। ट्रंप साहब ऐसे आदमी हैं कि वही युद्ध भी करवाते हैं, फिर वही युद्धविराम भी करवाते हैं। कोई युद्ध विराम को न माने तो फिर धमकाते भी हैं बल्कि अब तो गालियां भी देने लगे हैं और फिर पुचकारते भी हैं। वे एक दिन किसी को शत्रु बताते हैं तो दूसरे ही दिन उसे अपना सबसे प्रिय मित्र भी बताने लगते हैं। वे इसको महान बताते हैं तो उसको भी महान बताते हैं। वह मित्रों से झगड़ते हैं-नहीं यार एलन मस्क की बात हो रही है-और शत्रुओं को पुचकारते हैं। इधर वे ईरान को छोड़कर अमेरिकी मीडिया पर टूट पड़े हैं। वे क्षणे रुष्टा, क्षणे तुष्टा हैं। वे पल में तोला और पल में माशा हैं। वैसे झांसा भी हैं और फांसा भी हैं। वे क्या नहीं हैं! दूसरे हैं पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर। वैसे ऑपरेशन सिंदूर के वक्त हमारे टेलीविजन चैनल वाले उन्हें जेल भेज रहे थे। पर वास्तव में वे पदच्युत नहीं हुए। पदोन्नत हुए। जनरल से फील्ड मार्शल हो गए। हमारे यहां मानकेशॉ फील्ड मार्शल हुए थे इकइत्तर का युद्ध जीतने के बाद। मुनीर साहब बिना युद्ध जीते ही फील्ड मार्शल हो गए। पाकिस्तानी फौज की यही ताकत है। वे फील्ड मार्शल ही नहीं हुए बल्कि ट्रंप के इतने प्रिय हो गए कि उन्होंने मुनीर साहब को भोजन पर आमंत्रित कर लिया। बेचारे शहबाज शरीफ ठहरे इतने शरीफ कि ऐतराज तक नहीं कर पाए कि हुजूर यह गजब कर रहे हो।

देश दुनिया से

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया

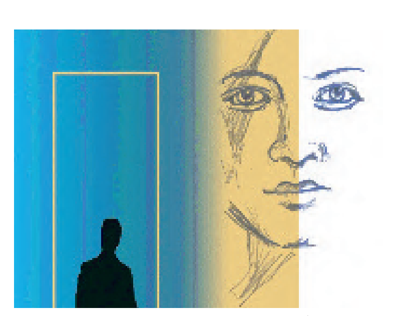

गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह-हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला-पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज़, क्रूर, साज़िशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह ज़मीनी-सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक-जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नज़र आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं।' भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार-मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है। ऐसी खबरों को चटपटा माल मानकर उछालने की प्रवृत्ति है। मीडिया की दिलचस्पी इन अपराधों के पीछे के मानसिक और सांस्कृतिक कारणों को खोजने में नहीं है। बहुत-सी बातों का जवाब मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के पास होगा, पर मीडिया की कितनी दिलचस्पी इसमें है? किसी भी हत्या, आत्महत्या या आक्रमण के पीछे के मनोवैज्ञानिक-कारणों की तलाश भी होनी चाहिए।

आप का नजरिया

अविश्वास का बीमा

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच-नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है। वास्तव में जिस चीज को प्राथमिकता दी जाने की जरूरत है, वह है लेन-देन के दृष्टिकोण में बदलाव लाना। निस्संदेह, बीमा महज व्यापारिक लेन-देन मात्र नहीं है। बीमा उत्पादों से मानवीय पक्ष सशक्त रूप में जुड़ा होता है। हर हाल में उपभोक्ता कल्याण को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बीमा धोखाधड़ी में जोखिम कारक को ध्यान में रखते हुए, जांच पर निर्भर रहना सामान्य बात है।

बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है।

दृष्टि कोण

आंतरिक जगत से अनभिज्ञता ही दुखों का कारण

विडंबना यह है कि आज हमारा जीवन इतना कृत्रिम हो चला है कि हमने भौतिक सुख-सुविधाओं को ही जीवन का अंतिम हासिल मान लिया है। लेकिन वास्तव में यह मानवीय मूल्यों के क्षरण और आंतरिक शक्तियों के पराभाव का कारक है। हम अपने जीवन की उस गहन यात्रा से वंचित हो जाते हैं जो हमें भीतर की दुनिया की ओर ले जाती है। निस्संदेह, मनुष्य तभी पथभ्रष्ट और अमानवीय कृत्य करता है जब वह अंतर्मन की आवाज को अनसुना कर देता है। यही वजह है कि आज हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। सही मायनों में संवेदनशीलता मनुष्य का अपरिहार्य गुण है। यह उच्च मानवीय अभिव्यक्ति है। ये भाव उसी व्यक्ति में मुखरित होते हैं जिसे अंतर्ज्ञान का बोध हो जाता है। यही भाव मनुष्य में परोपकार की भावना को जाग्रत करता है। दरअसल, कोई भी मनुष्य तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक कि वह खुद को न जान ले। दरअसल, जिस खुशी को हम भौतिक वस्तुओं व लिप्साओं में तलाशते हैं वह तो नश्वर संसार में हमारे क्षरण का जरिया है। दरअसल, असल खुशी तो आंतरिक होती है। जो हमारी मनःस्थिति पर निर्भर करती हैं। सही मायनों में सांसारिक सुखों में ही हमारे दुख के कारक निहित होते हैं। लेकिन अंतर्मन के ज्ञान को हासिल करने वाला व्यक्ति हर हाल में सुखी रहता है। उसकी खुशी वास्तविक है और दीर्घकालीन होती है। सही मायनों में खुद को जानकर ही मनुष्य आध्यात्मिक की राह में आगे बढ़ सकता है। दरअसल, आज मनुष्य जिन मनोकायिक रोगों से जूझ रहा है उसके मूल में जीवन की कृत्रिमताएं हैं। हमारा जीवन लगातार यांत्रिक होता जा रहा है। सही मायनों में हम आज मशीनी जीवन शैली के पुर्जे मात्र बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि हमारे जीवन का

यह यांत्रिक चक्र जीवन पर्यंत यूं ही चलता रहता है। जब तक हमें वास्तविकता का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने आश्रम व्यवस्था का सूत्रपात इसीलिए किया था कि एक निश्चित समय के बाद सांसारिक दायित्वों से मुक्त होकर वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम के जरिये अंतर्मन की यात्रा की ओर उन्मुख हो सकें। लेकिन पश्चिमी जीवन शैली का अंधानुकरण करके हम आज जीवन में पंच-क्लेषों का ही अंगीकार कर रहे हैं। हमारे जीवन में आलस्य व प्रमाद का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। हम सात्विक जीवन शैली से विमुख होते जा रहे हैं। मनुष्य को पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही खुद से पूछना चाहिए कि मेरे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है... मेरा अंतर्मन से संवाद क्यों स्थापित नहीं हो पा रहा है... क्या कभी हमने अपनी आंतरिक शक्तियों को जानने का प्रयास किया... क्या हम आत्मविश्लेषण कर पा रहे हैं कि हमारे जीवन के लक्ष्य क्या हैं...। दरअसल, हम सजगता व व्यवस्थित जीवन शैली के जरिये ही गहन जीवन दृष्टि हासिल कर सकते हैं। जो हमारी अंतर्दृष्टि को जगाने में सहायक हो सकती है। कालांतर हमारी आंतरिक प्रेरणाएं ही हमारे वास्तविक जीवन का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। दूसरे शब्दों में आत्मविश्लेषण के जरिये ही हम आत्मोन्नति की राह पर चल सकते हैं। दरअसल, एक आईना है आत्मविश्लेषण, जो हमें गहन आंतरिक यात्रा की ओर ले जाने में बाधक तत्वों से मुक्ति प्रदान करता है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने योग के जरिये हमारी आंतरिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें अष्टांग योग मददगार होता है। यम-नियम से जहां हमारा जीवन सात्विक होता है, वहीं आसन से हमारी ध्यान में बैठने की प्रक्रिया सुगम होती है। ध्यान व धारणा इसमें सहायक होते हैं। कालांतर ऋषि मुनि व साधक मोक्ष की राह की ओर अग्रसर होते हैं। हम जब साक्षी भावों से अपने मनोभावों का विश्लेषण करते हैं तो हम आंतरिक दुनिया से जुड़ते हैं। फिर हमारे तमाम संशय क्षीण होते जाते हैं। कमोबेश अनिर्णय की स्थिति खत्म होती है। हम खुद में एक नई ऊर्जा महसूस करते हैं। वास्तव में हर व्यक्ति को ईमानदारी से आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि उसके जीवन में विचारों का भटकाव क्यों है, जिस अध्यात्म के अनुकरण का दिखावा वह कर रहा है।

नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर जाकर पहले हफ्ते करीब साढ़े पांच सौ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

काठमांडू, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू होने के पहले सप्ताह में ही करीब साढ़े पांच सौ भारतीय श्रद्धालु पवित्र कैलाश मानसरोवर का दर्शन करके वापस आ चुके हैं। पांच 5 सालों बाद यह यात्रा शुरू होने के कारण भारतीय श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

चीन प्रशासन की ओर से इस वर्ष जुलाई से अक्टूबर तक के महीने के लिए करीब 25 हजार भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर आने की अनुमति दी गई है। कोरोना महामारी के बाद चीन सरकार ने नेपाल-चीन की सीमा से कैलाश मानसरोवर की यात्रा की अनुमति दी है।भारतीय श्रद्धालुओं के लिए हिलसा सीमकोट के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरु हुई है। 5 सालों के बाद यह यात्रा सुचारू होने के कारण भारतीय श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

नेपाल के पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक हिलसा नाका होते हुए नेपाल के सिमकोट विमानस्थल से कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वालों की संख्या 546 हो गई है। पिछले हफ्ते से शुरू हुई इस धार्मिक यात्रा में अब तक 248 महिला एवं 298 पुरुष यानी कुल 546 भारतीय श्रद्धालुओं कैलाश मानसरोवर के दर्शन कर चुके हैं। नेपाल की विभिन्न घरेलू विमान कंपनियां नेपालगंज से सिमकोट होते हुए हिल्सा पहुंचने तक के लिए मौसम के अनुकूल होने पर दिन भर में एक दर्जन से अधिक विमानों का संचालन कर रही हैं।

इसके अलावा हेलीकॉप्टर के माध्यम से करीब 289 लोग कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हैं। इसी तरह सैकड़ों की संख्या में भारतीय श्रद्धालु सड़क मार्ग से भी कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जा रहे हैं। एक जुलाई को ही नेपालगंज से सिमकोट जाने वाले विमान के माध्यम से करीब 103 भारतीय श्रद्धालु कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हैं। इस समय नेपाल की समिट एयर, सीता एयर तथा तारा एयर कंपनियां नेपालगंज से सिमकोट तक विमान का संचालन कर रही हैं। सिमकोट विमानस्थल से हिलसा तक जाने के लिए इस समय कैलाश हेली सेवा, माउंटेन हेली तथा प्रभु एयरलाइंस के हेलीकॉप्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में पांच अगस्त के गोलीकांड पर आरोप पत्र दाखिल

ढाका। अभियोजन पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) -2 के समक्ष छह प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के मामले में औपचारिक आरोप पत्र दाखिल किया। पिछले वर्ष 05 अगस्त को अशुलिया में इनमें से पांच प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करने के बाद उन्हें फूंक दिया गया था। गोली लगने से घायल छठे व्यक्ति को भी आग के हवाले कर दिया गया था। खबर के अनुसार, आईसीटी की जांच टीम ने इस घटना में पूर्व अवामी लीग नेता और पूर्व विधायक मोहम्मद सैफुल इस्लाम, पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) अब्दुल्ला हिल काफी और सावर सर्किल के पूर्व अतिरिक्त एसपी शाहिदुल इस्लाम सहित 16 लोगों की संलिप्तता पाई। अभियोजन पक्ष ने इससे पहले 19 जून को न्यायाधिकरण के समक्ष पेश जांच रिपोर्ट में आठ आरोपितों की पहचान बताई थी। अभियोजन पक्ष ने कहा था पहचाने गए आरोपितों में अशुलिया पुलिस स्टेशन के पूर्व प्रभारी अधिकारी एएफएम सईद (रोनी), पूर्व इंस्पेक्टर मोहम्मद अराफात हुसैन, पूर्व एसआई अब्दुल मालेक, अराफात उद्दीन, शेख अबजलुल हक, बिश्वजीत साहा, कमरुल हसन और पूर्व कांस्टेबल मुकुल चोकदर हैं। जांच अधिकारियों ने कहा कि 6 आरोपितों में से आठ काफी, शाहिदुल, अराफात हुसैन, मालेक, अराफात उद्दीन, अबजालुल, बिश्वजीत, कमरुल और मुकुल हिरासत में हैं। घटना के दौरान मारे गए लोगों में सज्जाद हुसैन (सजल), अस सबूर, तंजील महमूद सुजॉय, बायजिद बोस्तामी, अबुल हुसैन और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री की मॉरीशस यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को मिली नई गति

पोर्ट लुई। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 01 जुलाई 2025 को मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा की। यह विदेश सचिव के रूप में उनकी मॉरीशस की दूसरी यात्रा रही, जिसने भारत-मॉरीशस के विशेष रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह यात्रा 24 जून को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत के बाद हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, उपप्रधानमंत्री पॉल बेरेन्जर और विदेश मंत्री धनंजय रामफुल से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई। प्रधानमंत्री रामगुलाम से भेंट के दौरान विदेश सचिव ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से भारत आने का औपचारिक निमंत्रण दोहराया। उन्होंने भारत और मॉरीशस के बीच पारंपरिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंधों को आगे बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन मांगा तथा भारत की ओर से मॉरीशस के विकास और समृद्धि में सहयोग का भरोसा दिलाया।

ट्रंप ने कहा-इजराइल ने गाजा युद्ध विराम की शर्तों पर सहमति जताई, नेतन्याहू ने कोई टिप्पणी नहीं की

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इजराइल ने गाजा युद्ध विराम की शर्तों पर सहमति जताई है। उसने हमास के साथ युद्ध में दो महीने के युद्ध विराम के प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान कर दी है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इजराइल ने 60 दिन के युद्ध विराम को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक शर्तों पर सहमति व्यक्त की है। इस अवधि में हम सब युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि मध्य पूर्व की भलाई के लिए हमास भी इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। चैनल के अनुसार, ट्रंप ने प्रस्तावित प्रस्ताव का कोई विवरण नहीं दिया। साथ ही अभी तक न तो इजराइल और न ही हमास ने इस पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमास के साथ पूर्व की बातचीत में मध्यस्थता कर चुके कतर और मिस्र यह यह अंतिम प्रस्ताव पेश करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह अगले सोमवार को वाशिंगटन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलने वाले हैं। इस दौरान गाजा और ईरान के मसले पर चर्चा होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को छह माह के कारावास की सजा

ढाका, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) ने न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने वाली टिप्पणी को लेकर अदालत की अवमानना के लिए छह महीने के कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने हसीना से संबंधित एक लीक फोन बातचीत की समीक्षा के बाद यह आदेश पारित किया।

आईसीटी-1 के आदेश संबंधी खबर के अनुसार, यह बातचीत पिछले साल सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी। इसे मुख्यधारा के कई मीडिया ग्रुप ने छापा या प्रसारित किया था। ऑडियो क्लिप में हसीना कथित तौर पर गोविंदगंज उपजिला के पूर्व अध्यक्ष शकील अकांदा बुलबुल से कहती सुनाई दे रही हैं, मेरे खिलाफ 227 मामले दर्ज हैं, इसलिए मुझे 227 लोगों को मारने का लाइसेंस मिल गया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 ने इस बयान को अपमानजनक और अदालत को कमजोर करने का सीधा प्रयास माना है। बुलबुल को बातचीत में उसकी भूमिका के लिए दो महीने की जेल की सजा सुनाई गई। आईसीटी-1 के सूत्रों के अनुसार, यह सजा तभी प्रभावी होगी जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगे या कानून प्रवर्तन अधिकारी उन्हें गिरफ्तार करेंगे।

आईसीटी के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने इस मामले को 30 अप्रैल को न्यायाधिकरण के समक्ष उठाया था। उन्होंने इस बातचीत को पिछले साल जुलाई में हुए सामूहिक विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से संबंधित चल रहे मुकदमों में पीड़ितों और गवाहों को डराने का प्रयास बताया था। ताजुल का कहना था कि अगर इस तरह की टिप्पणियों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इससे कानूनी कार्यवाही में बाधा आ सकती है। ताजुल ने न्यायाधिकरण को बताया कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने फॉरेंसिक विश्लेषण किया है। इसमें पुष्टि हुई है कि ऑडियो में आवाज हसीना की ही है। न्यायाधिकरण ने 30 अप्रैल को ही हसीना और बुलबुल को 25 मई तक लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। इनमें से कोई भी 25 मई को अदालत में पेश नहीं हुआ और न ही तय तिथि पर कोई बयान दिया गया।

प्रधानमंत्री शहबाज के मानहानि केस का सामना कर रहे इमरान खान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मानहानिक केस का सामना कर रहे और लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने मामले की सुनवाई करने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, याचिका में पीटीआई संस्थापक ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि जब तक उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं आ जाता, तब तक मानहानि मामले में कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। उनका तर्क है कि कानून के तहत केवल जिला और सत्र न्यायालय को ही ऐसे मानहानि के मामलों की सुनवाई करने का अधिकार है। याचिका में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र को भी चुनौती दी गई है, जिनके फैसले को पहले लाहौर हाई कोर्ट ने बरकरार रखा था। खान की कानूनी टीम ने सुप्रीम कोर्ट से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और लाहौर हाई कोर्ट दोनों के आदेशों को रद्द करने की मांग की है। इसके अलावा, याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अपील पर निर्णय होने तक मामले में आगे की कार्यवाही को रोकने का आग्रह किया गया है। साल 2017 में शहबाज शरीफ ने तत्कालीन विपक्षी नेता इमरान खान के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। खान पर प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देने का आरोप लगाया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर में विस्फोट, सहायक आयुक्त समेत पांच की मौत

इस्लामाबाद, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांतों में शुमार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में विस्फोट में चार सरकारी अफसर समेत पांच लोगों की जान चली गई। मारे गए अधिकारियों में सहायक आयुक्त भी शामिल हैं। यह विस्फोट केपी के बाजौर जिले के खार तहसील के सिद्दीकाबाद रेलवे क्षेत्र में नवागई रोड पर सरकारी कार में हुआ।

खबर के अनुसार इस विस्फोट में 11 अन्य लोग घायल हो गए। अभी तक इस वाकये की किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है। हमलावरों ने सरकारी कार में बम फेंका। यह अधिकारी इसी कार में सवार थे। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कार के परखच्चे उड़ गए और सवाल लोगों के शरीर के हिस्से आसपास दूर तक बिखर गए। बाजौर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वकास रफीक ने बताया कि मृतकों में दो पुलिसकर्मी और एक नागरिक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना तीव्र था कि निशाना बनाया गया वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया। विस्फोट में 11 घायलों को तुरंत खार अस्पताल ले जाया गया। रफीक ने बताया कि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मृतकों में नवागई के सहायक आयुक्त फैसल इस्माइल, तहसीलदार अब्दुल वकील, सूबेदार नूर हकीम और पुलिस कांस्टेबल राशिद शामिल हैं। प्रांत के स्वास्थ्य सलाहकार इहतिशाम अली ने विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए सहायक आयुक्त और अन्य की मौत पर दुख जताया। केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर मोहम्मद अली सैफ ने भी घटना की कड़ी निंदा की है। सैफ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना की जांच कराने की घोषणा की है।

मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट करता पुलिसकर्मी

यमन में अवैध मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट किये जाने के दौरान वहां सुरक्षा व्यवस्था संभालता एक पुलिसकर्मी।

सीबीएस न्यूज ट्रंप से नहीं मांगेगा माफी, 16 मिलियन डॉलर देने को तैयार

वाशिंगटन, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका का चर्चित चैनल सीबीएस न्यूज एक रिपोर्ट पर दायर मुकदमे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से न तो माफी मांगेगा और न ही खेद जताएगा। वह इसके लिए भारी भरकम रकम 16 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगा। सीबीएस न्यूज की पैरेंट कंपनी पैरामाउंट ग्लोबल की इसके लिए आलोचना भी हो रही है।

खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल शरद ऋतु में सीबीएस न्यूज के 60 मिनट्स समाचार रिपोर्ट पर पैरामाउंट ग्लोबल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। पैरामाउंट ग्लोबल ने कानूनी रूप से मुकदमे को हल करने के लिए 16 मिलियन डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। पैरामाउंट ने स्पष्ट किया, समझौते में माफी या खेद का बयान शामिल नहीं है। पैरामाउंट ग्लोबल ने घोषणा की है, भविष्य में, 60 मिनट जैसे साक्षात्कारों के प्रसारण के बाद पात्र अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के साक्षात्कारों की प्रतिलिपियां जारी करेगा, जो कानूनी या राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के लिए आवश्यक संशोधनों के अधीन होंगे। पैरामाउंट ग्लोबल के इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि ट्रंप का मुकदमा बहुत कमजोर था। सीबीएस के पास अदालत में मामला लड़ने और जीतने के लिए ठोस आधार था। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कॉर्पोरेट प्राथमिकताओं ने पत्रकारिता के सिद्धांतों को पीछे छोड़ दिया है। पैरामाउंट महीनों से स्काईडांस मीडिया के साथ महत्वपूर्ण विलय को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। इस विलय के लिए ट्रंप प्रशासन से मंजूरी की आवश्यकता होगी। ऐसा इसलिए कि सीबीएस के पास स्थानीय स्टेशन हैं। इसे सरकार ने लाइसेंस प्रदान किया है। पैरामाउंट ने मंगलवार रात कहा, यह मुकदमा स्काईडांस लेनदेन और एफसीसी अनुमोदन प्रक्रिया से पूरी तरह से अलग है। हम अपने मामले का बचाव करने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करेंगे। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कैर ने जोर देकर कहा है कि उनकी विलय समीक्षा प्रक्रिया अलग है। प्रेस स्वतंत्रता फाउंडेशन ने पिछले सप्ताह कहा था, हर कोई जानता है कि यह मामला कानूनी रूप से बहुत कमजोर है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन की घोषणा- ईरान नहीं करेगा अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को सहयोग

तेहरान, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका और इजराइल से दो-दो हाथ कर चुके ईरान के तेवर और कड़े हो गए हैं। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की घोषणा से यही संकेत उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेहरान फिलहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ सहयोग को स्थगित कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका की बमबारी के बाद बंद हुए ईरान-इजराइल सैन्य संघर्ष के बाद ऐसी घोषणा की उम्मीद डोनाल्ड ट्रंप को भी नहीं रही होगी।

ईरान सरकार के इस्लामिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की न्यूज एजेंसी मेहर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की घोषणा की पुष्टि की है। मेहर की खबर के अनुसार, पेजेशकियन ने आईएईए के साथ तेहरान के सहयोग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ईरान ने इस बीच अपने फोर्डो संवर्धन संयंत्र में एक नई परमाणु सुविधा और सेंट्रीफ्यूज को उन्नत स्तर पर अपग्रेड करने की घोषणा की है।

इससे पहले 25 जून को ईरान की संसद (मजलिस) ने इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रस्ताव के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ तेहरान के सहयोग को निलंबित करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दी थी। संसद के पीठासीन बोर्ड के सदस्य अलीरेजा सलीमी ने कहा कि आईएईए के साथ सहयोग को निलंबित करने के विधेयक के सामान्य और विशिष्ट प्रावधानों को सांसदों नेअनुमोदित किया है।

संसद के प्रस्ताव के अनुसार आईएईए निरीक्षकों को ईरान में तब तक प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि देश की परमाणु सुविधाओं और शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जाती है। प्रवेश के लिए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की मंजूरी जरूरी होगी।

मेहर के अनुसार ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी प्रमुख राफेल ग्रॉसी पर भी प्रवेश प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। ईरान ने इजराइल और अमेरिकी आक्रमण के समय दिए गए ग्रॉसी के बयानों को गंभीरता से लिया है। ईरान एजेंसी के पिछले दिनों तेहरान के खिलाफ पारित प्रस्ताव से भी काफी खफा है। वरिष्ठ सांसद कोवसारी ने पिछले सप्ताह सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से ग्रॉसी पर प्रवेश प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था। उल्लेखनीय है कि इजराइल के साथ सैन्य टकराव में ईरान का नेतृत्व ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका से बेहद नाराज है।

स्टेट बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशन को दिया झटका, ऋण खाता फ्राड घोषित

कंपनी के ऋण को धोखाधड़ी बताया, अनिल अंबानी का नाम आरबीआई को भेजने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने कंपनी के ऋण खाते को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत करने के साथ ही पूर्व निदेशक अनिल अंबानी का नाम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को रिपोर्ट करने का फैसला भी किया है।

रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से इस संबंध में 23 जून का एक पत्र मिला है। कंपनी ने नियामक को बताया कि एसबीआई की धोखाधड़ी पहचान समिति ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के ऋण खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने का निर्णय लिया है। बैंक ने कहा कि वह आरबीआई के मास्टर निर्देशों और परिपत्रों के अनुरूप ऋण खाते और अनिल अंबानी के नाम की जानकारी केन्द्रीय बैंक को देने की कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। 30 जून को प्राप्त पत्र में विभिन्न अनियमितताओं का हवाला दिया गया है, जिसमें रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) और अन्य समूह कंपनियों सहित संबंधित संस्थाओं के माध्यम से संभावित फंड डायवर्जन और ऋण शर्तों का उल्लंघन शामिल है। एसबीआई ने उल्लेख किया कि ये निर्णय कई कारण बताओ नोटिस और फोरेंसिक ऑडिट की जांच के बाद लिया गया है। इससे पहले नवंबर, 2024 में केनरा बैंक ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के खाते को भी धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिस पर इस साल की शुरुआत में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई जून, 2019 में अपनी कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू होने से पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा प्राप्त क्रेडिट सुविधाओं के संबंध में है। तब से कंपनी के मामलों को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई बेंच की देखरेख में रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन नानावटी द्वारा प्रबंधित किया गया है, जो वर्तमान में एक अनुमोदित समाधान योजना की समीक्षा कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी स्लैब 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। इस साल की शुरुआत में आयकर रियायतों की एक श्रृंखला के बाद केंद्र सरकार अब वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) में कटौती कर मध्य और निम्न-आय वाले घरों में राहत देने की तैयारी कर रही है। सरकार आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी की दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी तक कम कर सकती है। इस बारे में फैसला जुलाई में होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार 12 फीसदी जीएसटी टैक्स स्लैब को पूरी तरह से समाप्त करने यानी मौजूदा 12 फीसदी वाले वस्तुओं को 5 फीसदी वाले टैक्स स्लैब में लाने पर विचार कर रही है। इनमें टूथपेस्ट और टूथ पाउडर, छाते, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर और रसोई के बर्तन, इलेक्ट्रिक इस्त्री, गीजर, छोटी क्षमता वाली वाशिंग मशीन, साइकिल, 1,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले रेडीमेड वस्त्र, 500 से एक हजार रुपये के बीच कीमत वाले जूते, स्टेशनरी आइटम, टीके, सिरेमिक टाइलें और कृषि उपकरण शामिल होंगे। जानकारों का मानना है कि अगर ऐसा होता है, तो वस्तुओं को उनकी प्रकृति के आधार पर 5 फीसदी या 18 फीसदी टैक्स स्लैब में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह 2017 के बाद से सबसे बड़े जीएसटी परिवर्तनों में से एक होगा, जब देश में कर प्रणाली पहली बार पेश की गई थी। सरकार का यह कदम दैनिक उपयोग वाले सामानों के लिए कीमतों को कम करके मध्य और निम्न-आय वाले परिवारों की मदद कर सकता है।

कोयला उत्पादन 16 फीसदी और डिस्पैच 13 फीसदी 2025-26 की पहली तिमाही में बढ़ा

नई दिल्ली। देश में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कोयला का रिकॉर्ड उत्पादन 15.57 मिलियन टन (एमटी) और डिस्पैच 17.31 मिलियन टन (एमटी) रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 16.39 फीसदी और डिस्पैच में 13.03 फीसदी की वृद्धि हुई है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में इस वृद्धि को भारत के कोयला बुनियादी ढांचे के निरंतर मजबूत होने को दर्शाते हुए खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग और खनन क्षमताओं के बेहतर उपयोग का परिणाम बताया है। मंत्रालय ने एक ग्राफ के जरिये बताया है कि उत्पादन और डिस्पैच (प्रेषण) आंकड़े लगातार साल-दर-साल बढ़ गए हैं, जो कोयला क्षेत्र के ठोस प्रदर्शन का संकेत देते हैं। कोयला उत्पादन देशभर में प्रमुख उद्योगों की ऊर्जा और कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्रालय के मुताबिक उत्कल ए खदान के लिए खदान खोलने की अनुमति प्रदान की गई, जिसकी अधिकतम निर्धारित क्षमता 25 मीट्रिक टन है। इस दौरान तीन कोयला ब्लॉकों के लिए स्वामित्व आदेश जारी किए गए, जिससे कोयला मंत्रालय से आवंटित कोयला ब्लॉकों की कुल संख्या 200 से अधिक हो गई।

ईडी का 900 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी मामले में दिल्ली के 5 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को 900 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली में पांच ठिकानों पर छापेमारी की है। चीनी नागरिक से जुड़े साइबर धोखाधड़ी मामले में की गई है छापेमारी आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने एक चीनी नागरिक और कुछ अन्य लोगों द्वारा कथित तौर पर 900 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी किए जाने से जुड़े मामले की जांच के तहत दिल्ली में कई स्थानों पर तलाशी ली है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस धोखाधड़ी की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला भी दर्ज किया है। सूत्रों ने बताया कि जांच अधिकारी शिनदाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के खिलाफ जांच के सिलसिले में दिल्ली में 5 ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। आरोप लगाया गया है कि आम जनता को निवेश के नाम पर धोखा दिया गया था ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आया। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में जॉब ओपिनिंग्स के बेहतर आंकड़े आने के बावजूद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.11प्रतिशत टूट कर 6,198.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 166.84 अंक यानी 0.82प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,202.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 101.42 अंक 0.23प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,596.36 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,785.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.04प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 7,662.59 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 236.32 अंक यानी एक प्रतिशत लुढ़क कर 23,673.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.14प्रतिशत की तेजी के साथ 25,693 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,004.26 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 178.52 अंक यानी 0.74प्रतिशत उछल कर 24,250.80 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.33प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,479.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत लुढ़क कर 6,882.20 अंक के स्तर तक आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.25प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,050.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 293.98 अंक यानी 0.74प्रतिशत टूट कर 39,692.35 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत फिसल कर 1,108.11 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 3,456.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

इस्पात मंत्रालय ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पर स्पष्टीकरण आदेश जारी किया

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को यह स्पष्ट किया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 151 मानकों को लागू करने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश हाल ही में जारी किए हैं, जो अगस्त 2024 के बाद से पहला अपडेट है। उसके बाद कोई नया गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी नहीं किया गया है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 151 बीआईएस मानकों के प्रवर्तन के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए गए हैं। पिछला गुणवत्ता नियंत्रण आदेश अगस्त 2024 में जारी किया गया था। उसके बाद से कोई नया गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी नहीं किया गया है। 13 जून, 2025 से प्रभावी यह नया निर्देश अनिवार्य करता है कि इस्पात उत्पादों के उत्पादन में उपयोग की जाने वाली मध्यवर्ती सामग्री भी बीआईएस मानकों का अनुपालन करेगी। मंत्रालय ने कहा कि निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी करना आवश्यक था। इसमें घरेलू उत्पादकों के लिए निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना, तैयार उत्पादों के लिए गुणवत्ता आश्वासन, घटिया आयात पर चिंता का समाधान और भविष्य की क्षमता और आर्थिक निहितार्थ शामिल है। इस निर्णय का उद्देश्य घरेलू निर्माताओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना और भारत में इस्पात उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

कौन हैं सत्यनारायण नुवाल......जिन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया

मुंबई, 02 जुलाई (एजेंसियां) ।

2025 की पहली छमाही में बाजार की स्पष्ट अस्थिरता के बावजूद, कई भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में भारी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, विदेशी और खुदरा निवेशक बड़े पैमाने पर किनारे पर रहे, और म्यूचुअल फंड ने भू-राजनीतिक तनाव और उच्च मूल्य इक्विटी बाजारों के बीच उच्च नकदी स्तर को बरकरार रखा। लेकिन इस दौरान एक अरबपति हैं जिन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया।

दरअसल हम बात कर रहे हैं सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया के सह-संस्थापक और अध्यक्ष सत्यनारायण नुवाल की। चालू वर्ष के पहले छमाही में नुवाल की नेटवर्थ में 78 प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 7.90 बिलियन डॉलर हो गई है। इस मामले में मुकेश अंबानी (110.5 बिलियन डॉलर, 21.9 प्रतिशत वृद्धि) और गौतम अडाणी (85.4 बिलियन डॉलर, 8.5 प्रतिशत वृद्धि) काफी पीछे रहे। नुवाल की कंपनी मुख्य रूप से एम्यूनिशन, डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव बनाती है।

नागपुर मुख्यालय वाली सोलर इंडस्ट्रीज के पास करीब 17,000 करोड़ की मजबूत ऑर्डर बुक है, जिसमें 15,000 करोड़ के रक्षा ऑर्डर शामिल हैं, इसके बाद निवेशकों का विश्वास कंपनी पर काफी बढ़ाया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 100 बिलियन के राजस्व का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2025 की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है। इसमें रक्षा क्षेत्र से 30 बिलियन की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के अनुसार, एक्सप्लोसिव सेगमेंट में 15 से 20 प्रतिशत की ग्रोथ होने का अनुमान है। 2024 में 45 प्रतिशत और 2023 में 54 प्रतिशत की वृद्धि के बाद, 2025 में कंपनी के शेयर में 81 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। यह प्रदर्शन सत्यनारायण नुवाल को मौजूदा साल के पहले हाफ में सबसे अधिक नेटवर्थ वृद्धि वाले अरबपतियों में शीर्ष पर रखता है।

अमेरिकी ऊर्जा सचिव से ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर हुई चर्चा : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से मुलाकात की और गहरी द्विपक्षीय ऊर्जा साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका में हैं। जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच पर कहा, वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। भारत में चल रहे ऊर्जा परिवर्तन के बारे में बात की और भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों के बारे में भी बात की। इससे पहले जयशंकर ने रुबियो से मुलाकात कर द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक गतिविधियों पर अपने विचार साझा किए।

ईएसआईसी ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने को एसपीआरईई 2025 किया लॉन्च

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के लिए नियोक्ता और कर्मचारी पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई 2025 को लॉन्च कर दिया है। ईएसआईसी की ये नई पहल एक जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने हिमाचल प्रदेश के शिमला में आयोजित 196वीं कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) की बैठक के दौरान नियोक्ता और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना एसपीआरईई 2025 को मंजूरी दे दी थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने की। यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा अनुमोदित नियोक्ता और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना 2025, ईएसआई अधिनियम के तहत सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के उद्देश्य से एक विशेष पहल है। ये योजना एक जुलाई से 31 दिसंबर, 2025 तक लागू रहेगी ।

यूरो के मुकाबले रुपये में रिकॉर्ड गिरावट, 1 यूरो की कीमत 100.70 रुपये पर पहुंची

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय मुद्रा रुपये में यूरो के मुकाबले जोरदार गिरावट दर्ज हुई है। 1 जुलाई 2025 को एक यूरो की विनिमय दर 100.70 रूपये पर पहुंच गई है। जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 89.60 रूपये थी। यानी एक वर्ष में 11.10 रूपये की गिरावट के साथ रुपये का 12.5प्रतिशत से अधिक अवमूल्यन हुआ है। इस गिरावट को भारतीय मुद्रा की बाहरी विनिमय नीतियों और यूरो की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया मात्र 2.3 रूपये कमजोर हुआ है। वही यूरो मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा 12.5 फ़ीसदी गिर गई है। जिसका भारत पर बहुत बड़ा असर होने जा रहा है। डॉलर की ओर भारत सरकार और रिजर्व बैंक अत्यधिक केंद्रित दृष्टिकोण पर सवाल उठने लगे हैं। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक व्यापार का लगभग 25प्रतिशत भारतीय आयात एवं निर्यात व्यापार यूरो में होता है।जबकि डॉलर में 55प्रतिशत कारोबार होता है। भारत का वर्तमान मे व्यापारिक संतुलन यूरोप की ओर है, जिससे यूरो के प्रति रुपये की कमजोरी देश की आयात लागत पर प्रभाव होगा। जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी नुकसानदेह है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, डॉलर के साथ-साथ अन्य प्रमुख मुद्राओं पर भी सरकार और रिजर्व बैंक को सतर्क निगरानी रखने की आवश्यकता है। यही प्रवृत्ति बनी रही, तो मुद्रास्फीति, विदेशी निवेश और व्यापार घाटे पर गहरा असर होना तय है। जिसका बहुत बड़ा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और महंगाई के रूप में भारत में पड़ेगा।

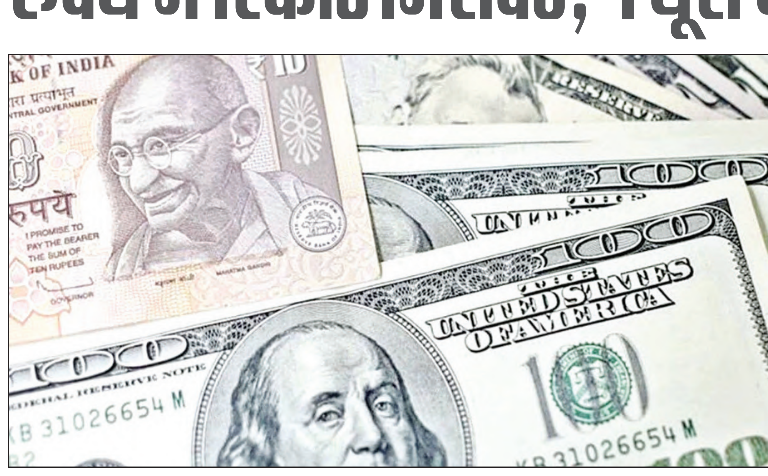

आरबीआई ने कहा- वैध हैं 2000 के नोट, लेन-देन में कर सकते हैं उपयोग

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि 2000 के नोट अभी भी लीगल टेंडर हैं यानी आप इनका उपयोग खरीदारी या भुगतान के लिए कर सकते हैं। हालांकि, इन्हें धीरे-धीरे सिस्टम से हटाने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि बैंकों में 2000 के नोट बदलवाने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 को समाप्त हो गई थी, लेकिन आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस अब भी यह सेवा दे रहे हैं। लोग वहां जाकर अपने नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें बदल सकते हैं। अगर आप आरबीआई के ऑफिस तक नहीं जा सकते, तो भारतीय डाक सेवा के जरिए भी नोट भेजे जा सकते हैं। डाकघर से नोट आरबीआई को भेजने पर वह राशि आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है। यह सुविधा विशेष रूप से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। आरबीआई का कहना है कि 2000 का नोट एक तत्काल समाधान था, जो 2016 की नोटबंदी के बाद नकदी की कमी को दूर करने के लिए पेश किया गया था। अब जब छोटे मूल्यवर्ग के नोट भरपूर मात्रा में हैं, तो 2000 के नोट की आवश्यकता नहीं रह गई है।

जायसवाल शतक से चूके, गिल ने लगातार दूसरे टेस्ट में जड़ा सैकड़ा; पहले दिन भारत का स्कोर 310/5

बर्मिंघम,02 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले के पहले दिन कड़ी टक्कर देखने को मिली। बेन स्टोक्स ने टॉस ने जीतकर भारत को पहले बैटिंग के लिए बुलाया। पहले दिन स्टंप के समय भारतीय टीम ने 5 विकेट पर 310 रन बना लिए थे।

कप्तान शुभमन गिल ने लगातार दूसरे मैच में सेंचुरी ठोकी। पहले दिन का खेल खत्म होने से कुछ समय पहले ही गिल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक ठोका। 56वें ओवर में अंपायर ने अचानक इंग्लैंड की मांग पर गेंद बदल दी थी।

उन्हें कोई मदद नहीं मिल रही थी। गेंद बदलने के बाद टीम इंडिया को ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में दो झटके लग गए।दूसरे सत्र में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने यशस्वी जायसवाल को शॉर्ट और वाइड गेंद पर विकेट के पीछे जैमी स्मिथ के हाथों लपकवाया।

जायसवाल ने 107 गेंद में 13 चौकों की मदद से 87 रन बनाये। सुबह पहले घंटे में केएल राहुल (26 गेंद में दो रन) को क्रिस वोक्स ने सस्ते में आउट कर दिया। कार्स ने लंच से ठीक पहले करुण नायर (31 रन) को दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाकर भारत को दूसरा झटका दिया। पहले घंटे में गेंद को ज्यादा स्विंग तो नहीं मिली लेकिन सीम खूब मिली। कार्स ने जायसवाल को छाती पर गेंद डालने की कोशिश की लेकिन इस युवा बल्लेबाज ने बखूबी सामना किया।

बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए नायर को भी इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने कई फुललैंग्थ गेंदें फेंकी लेकिन उन्होंने कवर और स्ट्रेट में चौके लगाकर माकूल जवाब दिया।

हालांकि पटकी हुई गेंद पर वह कार्स का शिकार बन गए। 56वें ओवर में इंग्लैंड की मांग पर अंपायर ने बॉल चेंज करने का फैसला किया।

इसके बाद ऋषभ पंत 25 रनों की पारी खेलने के बाद शोएब बशीर का शिकार बने।

वहीं ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने वाले नीतीश कुमार रेड्डी सस्ते में सिर्फ एक रन बनाकर बोल्ड हो गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डिजिटल इंडिया...

सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है, बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए, आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप जीईएम पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के जरिये इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है-जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ छह महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नगालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुंच रहे हैं। जीईएम ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपए का जीएमवी पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित एमएसएमई हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपए की आपूर्ति की है।

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) जैसे आधार, कोविन, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-वानी, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन-को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है। कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ क्यूआर-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। डिजिलॉकर, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी जी 20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 2.5 करोड़ का सोशल इंपैक्टफंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

भारत अब विश्व के शीर्ष तीन स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच एआई स्किल्स और एआई टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है। 1.2 अरब डॉलर इंडिया एआई मिशन के तहत भारत ने 34,000 जीपीयू की पहुंच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है-एक डॉलर से भी कम प्रति जीपीयू आवर। इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है। भारत ने मानवता-पहले एआई की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन एआई जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देश भर में एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं-इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक। डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जन आंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। हमारे इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स से कहना चाहता हूं कि दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है। आइए, हम वह बनाएं, जो सशक्त बनाता है। आइए, हम ऐसे हल निकालें, जो वास्तव में मायने रखतेहों।आइए, हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें, जो एकजुट करती है, समावेशी बनाती है और उत्थान करती है।

62 करोड़ नए इन्टरनेट यूजर, 42 लाख किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क और 10000 करोड़ ट्रांजैक्शन। यह है डिजिटल इंडिया की 10 साल की उपलब्धि। यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनआंदोलन है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है।

दस साल पहले, हमने बहुत दृढ़ विश्वास के साथ अज्ञात क्षेत्र में एक साहसिक यात्रा शुरू की। जबकि दशकों तक भारतीयों की टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की क्षमता पर संदेह किया जाता रहा, लेकिन हमने इस अप्रोच को बदल दिया और भारतीयों की टेक्नोलॉजी का उपयोग करने की क्षमता पर भरोसा किया। जबकि दशकों तक यह सोचा जाता रहा कि टेक्नोलॉजी के उपयोग से संपन्न और वंचित के बीच की खाई और गहरी हो जाएगी। हमने इस मानसिकता को बदल दिया और संपन्न एवं वंचित के बीच की खाई को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। जब इरादा सही हो, तो इनोवेशन, कम सशक्त लोगों को सशक्त बनाता है। जब अप्रोच, समावेशी होता है, तो टेक्नोलॉजी; हाशिए पर रहने वालों के जीवन में बदलाव लाती है। इस विश्वास ने डिजिटल इंडिया की नींव रखी, पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने और सभी के लिए अवसर प्रदान करने का मिशन।

2014 में इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच दुर्लभ थी। कई लोगों को संदेह था कि क्या भारत जैसा विशाल और विविधतापूर्ण देश वास्तव में डिजिटल हो सकता है। आज, उस सवाल का जवाब न केवल डेटा और डैशबोर्ड में है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में भी है। हम कैसे गवर्न करते हैं, कैसे सीखते हैं, लेन-देन करते हैं और कैसे निर्माण करते हैं, डिजिटल इंडिया हर जगह है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 11 गुना ज्यादा है, अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है। भारत में 5-जी की शुरुआत दुनिया में सबसे तेज गति से हुई है, जहां सिर्फ दो साल में 4.81 लाख बेस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों और गलवान, सियाचिन और लद्दाख सहित अग्रिम सैन्य चौकियों तक पहुंच गया है।

इंडिया स्टैक, जो हमारी डिजिटल रीढ़ है, ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम किया है, जो अब सालाना 100 बिलियन लेनदेन को संभालता है। सभी वास्तविक समय के डिजिटल लेनदेन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे नागरिकों को ट्रांसफर की गई, जिससे बिचौलियों को हटाया गया है और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज बंद हुई। स्वमितवा जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों की मैपिंग की है, जिससे भूमि से संबंधित अनिश्चितता के वर्षों का अंत हुआ है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को पहले से कहीं ज्यादा सशक्त बना रही है। डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो खरीदारों और विक्रेताओं के विशाल बाजार के साथ सहज कनेक्शन प्रदान करके अवसरों की एक नई खिड़की खोलता है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) आम आदमी को सरकार के सभी अंगों को सामान और सेवाएं बेचने में सक्षम बनाता है। यह न केवल आम आदमी को एक विशाल बाजार के साथ सशक्त बनाता है बल्कि सरकार के लिए पैसे भी बचाता है।

यह एनआरसी...

बीएलओ ये सारी जानकारी को एक मोबाइल ऐप (ईसीआईनेट) में अपलोड करते हैं। साथ ही आपको एक रसीद भी देते हैं कि आपने फॉर्म भरा है। आयोग ने ये भी कहा है कि इस काम में बुजुर्गों, बीमार लोगों या दिव्यांग लोगों को परेशान नहीं करना है। बिहार में 2003 की वोटर लिस्ट में 4.96 करोड़ लोगों के नाम थे और आयोग का कहना है कि इन लोगों और इनके बच्चों को कोई खास कागज देने की जरूरत नहीं। यानी करीब 60 प्रतिशत लोगों को आसानी होगी।

विपक्षी दलों के आरोपों और सत्ता पक्ष के जवाब का चुनाव आयोग के इस काम से कोई लेना देना नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह कोई नया काम नहीं है। आजादी के बाद से कई बार वोटर लिस्ट को ठीक करने के लिए ऐसे अभियान चले हैं। 1952-56 में पहले आम चुनाव के बाद हर साल कुछ इलाकों की लिस्ट को गहन जांच के साथ ठीक किया गया। 1956 में शहरों, मजदूरों वाले इलाकों और जहां लोग ज्यादा इधर-उधर जाते थे, वहां खास जांच हुई। 1962-66 में लोकसभा चुनावों के बाद कुछ साल में पूरे देश में गहन और छोटी जांच हुई। 1983-88 में गांवों और शहरों में गहन जांच हुई। 1995 और 2002 में भी बड़े स्तर पर लिस्ट ठीक की गई। बिहार में आखिरी बार 2002 में ऐसी जांच हुई थी और 2003 में नई लिस्ट छपी थी। उस वक्त किसी ने इसे एनआरसी से नहीं जोड़ा था। लेकिन अब, क्योंकि चुनाव नज़दीक हैं, विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बना रहा है।

मुख्य निर्वाचन...

पास रख लिए हैं। आयोग के मुताबिक, लोगों का प्रवास से पहले का पुराना कार्ड रखना आपराधिक कृत्य है।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस की मांग पर विपक्षी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ बुलाई गई बैठक को स्थगित कर दिया है, क्योंकि अब तक किसी दल ने अपनी उपस्थिति की पुष्टि नहीं की है। आयोग के सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 30 जून को भेजे गए एक ई-मेल में कांग्रेस ने मतदाता सूची संशोधन कवायद के संबंध में कई राजनीतिक दलों की ओर से 2 जुलाई को आयोग के साथ तत्काल बैठक की मांग की थी। इस पर आयोग ने इन राजनीतिक दलों से 2 जुलाई को शाम पांच बजे बैठक का समय देकर इसे तय करने को कहा। लेकिन कोई पुष्टि न मिलने पर इसे स्थगित कर दिया गया। तृणमूल कांग्रेस के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को भारतीय निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और सुझाव दिया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 2024 को आधार वर्ष माना जाना चाहिए। दस्तावेज मांगने का मुद्दा भी पार्टी ने उठाया।

नए कानूनों का...

अमित शाह ने कहा कि लगभग 89 देशों की न्याय प्रणाली का अध्ययन कर और उनमें से तकनीक के उपयोग को कानूनी आधार देकर इन कानूनों में समावेश किया गया है। मोदी सरकार ने इन कानूनों को भारतीय दृष्टिकोण से बनाया है। उन्होंने कहा कि पहले के कानूनों को अंग्रेज़ों ने अपने शासन को लंबा चलाने के लिए इंग्लैंड की संसद में बनाया था जबकि नए आपराधिक कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की जनता द्वारा चुनी हुई सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए बनाए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि पुराने कानूनों का मकसद अंग्रेज सरकार के लंबा शासन कराना और उनकी संपत्ति की रक्षा करना था। जबकि नए कानून बनाने का मकसद भारतीय नागरिकों के शरीर, संपत्ति और संविधान प्रदत्त सभी अधिकारों की रक्षा करना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और आईईए की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से ही पता चलता है कि इन कानूनों का लक्ष्य दंड नहीं बल्कि न्याय देना है। उन्होंने कहा कि यह भारत की न्याय यात्रा का स्वर्णिम अवसर बनने वाला है। अब बदलाव कागजी नहीं रहा है क्योंकि इन कानूनों में तकनीक के समावेश पर भारत सरकार और राज्य सरकारों ने करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। शाह ने कहा कि हमने 7 साल और उससे अधिक सजा वाले हर अपराध में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है और अब एनएएफआईएस का उपयोग भी बहुत अच्छे तरीके से होने लगा है। इसी प्रकार पॉक्सो के मामले में डीएनए का मिलान गुनाह करने वाले को किसी भी तरह से बचने की जगह नहीं देता है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए कानूनों के अमल में गहन परामर्श कर छोटे-छोटे छिद्रों को भरने का काम किया गया है और मल्टी स्टेकहोल्डर अप्रोच के साथ बहुत काम हुआ है। श्री शाह ने कहा कि उन्होंने स्वयं इन कानूनों पर 160 बैठकें की। उन्होंने कहा कि 2019 में हमने सभी राज्यपालों, उप राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, प्रशासकों, मुख्य न्यायाधीशों, बार काउंसिल और विधि विश्वविद्यालयों और आईपीएस अधिकारियों से सुझाव मांगे थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक समिति गठित कर एक-एक धारा को पढ़ कर और सभी सुझावों पर विचार कर इन कानूनों को अमली जामा पहनाया गया है। इन कानूनों में बच्चों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर अलग अध्याय जोड़ा गया है। पहली बार आतंकवाद की व्याख्या की गई है और संगठित अपराध को भी व्याख्यायित कर कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि नए कानूनों में डायरेक्टर ऑफ प्रॉसीक्यूशन का भी प्रावधान किया गया है जिससे सजा कराने की दर में बहुत वृद्धि होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि अकेले पुलिस और भारत सरकार का गृह मंत्रालय यह सब नहीं कर सकता। नए कानूनों के सफलतापूर्वक और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जागरूकता और जनता को अपने अधिकारों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। श्री शाह ने कहा कि जब भी इन कानूनों का विश्लेषण होगा, तब इन्हें आजादी के बाद का सबसे बड़ा रिफॉर्म माना जाएगा क्योंकि जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाली न्याय प्रणाली को पारदर्शी, लोकोपयोगी और समयबद्ध बनाने से बड़ा रिफॉर्म कोई नहीं हो सकता।

ब्रिक्स सम्मेलन...

के लाभ के लिए सहयोग का एक नया रोडमैप तैयार करने के लिए उत्सुक हैं। वह नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। ब्राजील की यात्रा ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा, यह दौरा ब्राजील के साथ हमारी निकट साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगा।

पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

पीएम मोदी 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा। प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा।

प्रधानमंत्री मोदी के घाना दौरे पर जाने के साथ ही कांग्रेस ने बुधवार को घाना के पूर्व राष्ट्रपति क्वामे नक्रूमा और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच बेहद मधुर संबंधों को याद किया। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने कहा, सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रधानमंत्री आज घाना में हैं। 60 के दशक के मध्य तक घाना और वास्तव में अफ्रीकी राजनीति पर क्वामे नक्रूमा का दबदबा था, जो एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। जवाहरलाल नेहरू के साथ उनके बहुत मधुर संबंध थे, जो मार्च 1957 में घाना की स्वतंत्रता से बहुत पहले के थे। अकरा में एक प्रमुख सड़क जिस पर इंडिया हाउस स्थित है, उसका नाम नेहरू के नाम पर रखा गया है, जबकि नई दिल्ली में राजनयिक एन्क्लेव में क्वामे नक्रूमा मार्ग है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हुए। यह उनकी पांच देशों की यात्रा का पहला चरण है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। अपने बयान में पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

युद्ध में कमाल...

उद्घाटन भाषण में भारतीय और रूसी नौसेनाओं के बीच समुद्री तकनीकी सहयोग और इसके बढ़ते भविष्य के बारे में बात की। इसके बाद वरिष्ठ रूसी सरकारी गणमान्यों और वी एडम आर स्वामीनाथन, सीडब्ल्यूपी एंड ए के संबोधन हुए, जिन्होंने भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी के प्रतीक के रूप में तमाल के जलावतरण पर प्रकाश डाला। यह सहयोगी ताकत और दोनों देशों की प्रौद्योगिकियों को एक लड़ाकू मंच में शामिल करने की क्षमता का भी उदाहरण है । उन्होंने टिप्पणी की कि भारत-रूसी रणनीतिक साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है उन्होंने परियोजना में शामिल सभी लोगों, विशेष रूप से शिपयार्ड श्रमिकों, भारतीय और रूसी ओईएम को उनकी उत्कृष्ट कारीगरी और स्वदेशी प्रणालियों के दोषरहित एकीकरण के लिए बधाई दी, जो भारत सरकार की आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इसके बाद कमांडिंग ऑफिसर डेजिग्नेट और रूसी नौसेना विभाग के महानिदेशक श्री सर्गेई कुप्रियनाव द्वारा डिलीवरी एक्ट पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे जहाज को भारतीय नौसेना में स्थानांतरित करने की औपचारिकता पूरी हो गई। अगले समारोह में रूसी नौसेना के झंडे को उतारा गया, जिसके बाद नौसेना प्रमुख द्वारा कमांडिंग ऑफिसर को कमीशनिंग वारंट जारी किया गया। भारतीय नौसेना का ध्वज विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में फहराया गया, साथ ही राष्ट्रगान और चालक दल द्वारा गर्व से प्रस्तुत कलर गार्ड द्वारा औपचारिक सलामी दी गई। इसके साथ ही, जहाज का कमीशनिंग पताका भी फहराया गया, जो सक्रिय नौसेना सेवा में इसके शामिल होने का संकेत था। जब तक जहाज कमीशन में रहेगा, तब तक पताका फहराती रहेगी।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि वी एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना में तमाल का शामिल होना देश की समुद्री रक्षा क्षमताओं और भारत-रूसी सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने टिप्पणी की कि आईएनएस तमाल तलवार, तेग और तुशील श्रेणी के जहाजों की शानदार सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी विश्वसनीयता और कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। कमीशनिंग समारोह को प्रभावशाली और यादगार बनाने के लिए सीआईएनसी ने चालक दल और यंतर शिपयार्ड को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने युद्धपोत के निर्माण में उनके अथक प्रयासों के लिए रूसी रक्षा मंत्रालय, एफएसएमटीसी, रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, यूनाइटेड शिपिंग कॉरपोरेशन, यंतर शिपयार्ड और युद्धपोत निगरानी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, आईएनएस तमाल जैसे बहुमुखी प्लेटफार्मों का कमीशन भारतीय नौसेना की पहुंच, जवाबदेही और लचीलापन बढ़ाता है। मुझे विश्वास है कि जहाज राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में हमारे परिचालन वास्तुकला में एक बल गुणक के रूप में अपनी योग्यता साबित करेगा।

मुख्य अतिथि ने तमाल को उसकी पूर्ण लड़ाकू क्षमता तक पहुंचाने में रूसी नौसेना और बाल्टिक बेड़े की भूमिका की भी सराहना की और कमीशनिंग क्रू की उनके समर्पण और व्यावसायिकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि रूस में निर्मित होने के बावजूद, इस जहाज में 26 प्रतिशत स्वदेशी घटक हैं, जिनमें ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल और हम्सा-एनजी सोनार प्रणाली शामिल है। भारत में इस श्रेणी के अगले दो जहाजों का निर्माण आपसी ताकत और संयुक्त क्षमताओं का दोहन और तालमेल करने में गुंजाइश, क्षमता और व्यापक क्षितिज को और बढ़ाता है। उन्होंने अपने संबोधन का समापन इस बात पर जोर देते हुए किया कि भारतीय नौसेना एक विश्वसनीय, सक्षम, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल है जो किसी भी समय, कहीं भी किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

मुख्य अतिथि को कमांडिंग ऑफिसर ने जहाज का दौरा कराया और जहाज द्वारा अपनी सहयोगी जहाजों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और पिछली श्रेणी के जहाजों की तुलना में की गई प्रगति के बारे में बताया। इसके बाद आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने से पहले स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने हाई टी में अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की।

आईएनएस तमाल समुद्र में एक दुर्जेय गतिशील किला है और इसे सभी चार आयामों अर्थात् वायु, सतह, पानी के नीचे और विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में नौसैनिक युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। जहाज को 24 फरवरी 2022 को लॉन्च किया गया था। यह नवंबर 2024 में अपने पहले समुद्री परीक्षणों के लिए रवाना हुआ और जून 2025 तक बंदरगाह और समुद्र दोनों में फैक्ट्री ट्रायल स्टेट कमेटी ट्रायल और डिलीवरी स्वीकृति परीक्षणों का एक विस्तृत कार्यक्रम पूरा कर लिया। जहाज ने अपनी सभी रूसी हथियार प्रणालियों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिसमें ऊर्ध्वाधर रूप से प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल श्टिल-1, तोपखाने के हथियार और टारपीडो शामिल हैं।

तमाल दोहरी भूमिका वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, विस्तारित रेंज वाली लंबवत प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, मानक 30 एमएम क्लोज इन वेपन सिस्टम, 100 एमएम मुख्य गन और बहुत शक्तिशाली एएसडब्लू रॉकेट और हैवीवेट टॉरपीडो के साथ अपने वजन से कहीं ज्यादा वार करता है। तमाल भारतीय और रूसी प्रौद्योगिकियों का एक मिश्रण है जिसमें अत्याधुनिक संचार और नेटवर्क केन्द्रित परिचालन क्षमताएं शामिल हैं। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और उन्नत ईओ/आईआर प्रणालियों की अनुपूर्ति इस शक्तिशाली मंच को कान और आंखें प्रदान करती है। अत्यंत बहुमुखी युद्ध प्रबंधन प्रणाली सभी हथियारों और सेंसरों को एक प्रभावी लड़ाकू मशीन में एकीकृत कर देती है। यह जहाज उन्नत पनडुब्बी रोधी और वायुजनित पूर्व चेतावनी हेलीकॉप्टर, कामोव 28 और कामोव 31 को भी ले जाने में सक्षम है, जो जबरदस्त बल-गुणक हैं।

जहाज को परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा के लिए जटिल स्वचालित प्रणालियों से सुसज्जित किया गया है, जिसमें क्षति नियंत्रण और अग्निशमन भी शामिल है, जिसे सुरक्षित चौकियों से केंद्रीय रूप से संचालित किया जा सकता है। ये जटिल प्रणालियां हताहतों की संख्या को न्यूनतम करने, युद्ध प्रभावशीलता की तीव्र बहाली, युद्ध क्षमता और उत्तरजीविता को बढ़ाने में सहायता करती हैं। आईएनएस तमाल पर करीब 250 नौसैनिक और 26 अधिकारी तैनात हैं। इस जहाज के अधिकारी और नाविक जहाज के आदर्श वाक्य - सर्वत्र सर्वदा विजय (हर जगह विजय) को अपनाते हैं, जो हर मिशन में परिचालन उत्कृष्टता के लिए तमाल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भारतीय नौसेना के आदर्श वाक्य लड़ाकू तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य के लिए तैयार बल राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा करता है - कभी भी, कहीं भी को पूरा करता है। जहाज जल्द ही कर्नाटक के कारवार स्थित अपने गृह बंदरगाह के लिए अपनी पहली यात्रा पर रवाना होगा। तमाल रास्ते में विभिन्न बंदरगाहों पर जाएगा और अपनी युद्धक क्षमता का प्रदर्शन करेगा। यह युद्ध के लिए तैयार स्थिति में भारत पहुंचेगा और समुद्री क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाएगा।

पहलगाम के...

आतंकी हमले में दहशतगर्दों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

संयुक्त बयान में कहा गया, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत सभी प्रकार के अतिक्रमणकारी आक्रामक रवैये और हिंसक उग्रवाद की साफ तौर पर निंदा करता है। क्वाड आतंकवाद विरोधी सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। क्वाड 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

बयान में कहा गया, हम इस निंदनीय कृत्य को अंजाम देने वालों, साजिश रचने वालों, उनकी मदद करने वालों और आर्थिक सहायता मुहैया कराने वालों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने की अपील करते हैं। हम सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रासंगिक यूएनएससीआर के तहत अपने दायित्वों के हिसाब से इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह करते हैं। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा था कि हम सभी एक खुला और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के पास विकल्पों की स्वतंत्रता होनी चाहिए, ताकि वे विकास और सुरक्षा को लेकर सही निर्णय ले सकें। पिछले कुछ महीनों में क्वाड की पहलों में हमने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने यह बात वाशिंगटन में क्वाड के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले कही थी।जयशंकर ने कहा था कि दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों की तुलना आतंक फैलाने वालों से कभी नहीं की जानी चाहिए। विदेश मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और हम इस अधिकार का प्रयोग करेंगे। जयशंकर ने कहा था कि आतंकवादियों को बिना किसी सजा के काम करने की छूट नहीं दी जा सकती। यह सोच कि आतंकवादी सीमा के उस पार हैं और इसलिए उन्हें जवाब नहीं दिया जा सकता, अब यह धारणा चुनौती देने योग्य है। यही हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए किया।अमेरिका के वॉशिंगटन में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की अहम में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई। क्वाड ने हमले से जुड़े गुनहगारों को न्याय के कटघरे में खड़ा कर सख्त सजा देने की भी मांग उठाई। क्वाड ग्रुप में शामिल अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने इस संबंध में बयान जारी किया। इसमें कहा, हम 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। इस हमले में 25 भारतीय नागरिक और दो विदेशी नागरिक मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हम पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। हम इस निंदनीय अपराध के आरोपियों, साजिशकर्ता और फंडिंग करने वालों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान करते हैं।

सावन मास 11 से

इस पवित्र महीने का नाम श्रावण मास ही क्यों पड़ा? जानें इससे जुड़ी पौराणिक कथा और महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह का विशेष महत्व है। यह साल का पांचवां महीना होता है, जिसे श्रावण मास भी कहा जाता है। यह महीना पूरी तरह से भगवान शिव की पूजा को समर्पित होता है। ऐसा माना जाता है कि इस महीने में सच्चे मन से शिव की पूजा करने से सभी दुखों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। शिव पुराण में कहा गया है कि सावन के महीने में शिवलिंग पर जल अर्पित करने से विशेष पुण्य मिलता है। भगवान शिव को जल अर्पण करना उन्हें शीतलता देने और प्रसन्न करने का माध्यम माना गया है। इसके अलावा इस मास में रुद्राभिषेक या जलाभिषेक करने से शिवजी जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

सावन में शुरू होती है कांवड़ यात्रा

सावन शुरू होते ही पूरे देश में शिव भक्तों द्वारा कांवड़ यात्रा की जाती है। भक्त नंगे पांव दूर-दूर से गंगाजल लेकर आते हैं और उसे शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। साथ ही, व्रत रखते हैं और पूरे महीने भक्ति भाव में लीन रहते हैं। यह यात्रा श्रद्धा और आस्था का अद्भुत प्रतीक होती है।

श्रावण मास नाम कैसे पड़ा?

हिंदू पंचांग के अनुसार, जब यह महीना शुरू होता है तो उस समय चंद्रमा 'श्रवण नक्षत्र' में होता है। इसी कारण इस महीने का नाम श्रावण रखा गया। समय के साथ 'श्रावण' को बोलचाल की भाषा में 'सावन' कहा जाने लगा।

शिवजी को क्यों प्रिय है सावन?

शिवपुराण और पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह महीना भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है। एक मान्यता यह भी है कि माता पार्वती ने सावन के महीने में ही भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था और सोमवार का व्रत रखा था। भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से सावन के सोमवार का विशेष महत्व है।

समुद्र मंथन

पौराणिक कथा के अनुसार, जब देवता और असुरों ने समुद्र मंथन किया था, तो उसमें सबसे पहले 'हलाहल' नामक विष निकला। उस विष से सृष्टि को खतरा था। तब भगवान शिव ने उस विष को पी लिया, जिससे उनका गला नीला हो गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। विष के प्रभाव को शांत करने के लिए देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। तभी से सावन में शिवजी को जल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

सावन में न करें ये गलतियां, होगा भारी नुकसान

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। यह बेहद पवित्र माना जाता है। इस दौरान शिव भक्त विशेष पूजा-अर्चना करते हैं और सभी सोमवार का व्रत करते हैं। ताकि भोलेनाथ की कृपा मिल सके। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल सावन माह 11 जुलाई, 2025 से शुरू होगा। वहीं, इसका समापन अगले महीने यानी 09 अगस्त, 2025 को होगा।

मांस-मदिरा का सेवन – सावन के महीने में मांस-मदिरा यानी सभी तरह के तामसिक भोजन से दूर रहना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इससे भगवान शिव नाराज होते हैं और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

बाल और दाढ़ी न कटवाएं – सावन में बाल और दाढ़ी कटवाने से बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से दुर्भाग्य आ सकता है। यह एक प्रकार से तपस्या और त्याग का प्रतीक है, जिसमें व्यक्ति अपनी बाहरी सुंदरता पर ध्यान न देकर अपनी आत्मा को शुद्ध करता है।

सावन के महीने में व्यक्ति को अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए। अहंकार, क्रोध और दूसरों का अपमान करने से बचना चाहिए, क्योंकि भगवान शिव शांत और सरल स्वभाव के देवता हैं।

अपशब्दों का प्रयोग – इस पवित्र माह में किसी भी व्यक्ति के लिए अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वाणी पर संयम रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि कटु वचन बोलने से न केवल संबंधों में कड़वाहट आती है, बल्कि धार्मिक रूप से भी इसे गलत माना जाता है।

तुलसी का सेवन – भगवान शिव की पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता है, क्योंकि तुलसी को भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। इसलिए सावन में शिव पूजा के दौरान शिवलिंग पर तुलसी अर्पित करने से बचें।

दूध का अपमान – सावन में दूध का सेवन तो किया जाता है, लेकिन इसे व्यर्थ बहाना या इसका अनादर करना अशुभ माना जाता है। वहीं, शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का विशेष महत्व है, इसलिए दूध का उपयोग सोच-समझकर करें।

दिन में सोना – सावन के महीने में दिन में सोने से बचना चाहिए। इस दौरान भगवान शिव की भक्ति और ध्यान में समय बिताना चाहिए।

सावन से पहले इन चीजों को घर से करें बाहर, अच्छे दिन होंगे शुरू

सावन के महीने में भक्त भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक-अर्चना करते हैं। साथ ही विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महादेव की पूजा करने से साधक के जीवन में आ रहे दुख दूर होते हैं। साथ ही शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। अगर आप भी भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो सावन के महीने से पहले घर में कुछ बदलाव जरूर करें।

ऐसा माना जाता है कि घर में अशुभ चीजों को रखने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह की समस्यायों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही किसी भी काम में सफलता प्राप्त नहीं होती है।

अगर मंदिर या घर में किसी देवी-देवता की खंडित मूर्ति रखी है, तो उसे सावन के महीने की शुरुआत से पहले ही पवित्र नदी में बहा दें। ऐसा माना जाता है कि खंडित मूर्ति की पूजा करने से साधक को शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। साथ ही पूजा सफल नहीं होती है। इसलिए घर में खंडित मूर्ति न रखने की सलाह दी जाती है। खंडित मूर्ति की वजह से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

इसके अलावा फटी धार्मिक पुस्तकों को भी घर से बाहर कर देना चाहिए। इसलिए इस तरह की धार्मिक पुस्तकों को बहते जल में प्रवाहित कर दें या फिर पीपल के पेड़ के नीचे रख दें।

घर में भूलकर भी बंद घड़ी को नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में बंद घड़ी रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिससे व्यक्ति के जीवन में अच्छा समय नहीं आता है, तो ऐसे में बंद घड़ी को सही करवा लें और उसे घर से बाहर कर दें। इससे घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली का आगमन होता है और अच्छे दिनों की शुरुआत होती है।

शिवजी को बहुत पसंद है रुद्राक्ष, सावन में इसे कैसे पहनें ताकि मिले भोलेनाथ की कृपा

हिंदू धर्म में रुद्राक्ष का काफी महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई है। इसी वजह से इसे अलौकिक माना जाता है। रुद्राक्ष इक्कीस मुखी तक पाए जाते हैं।

रुद्राक्ष भगवान शिव को अति प्रिय है। सोमवार, महाशिवरात्रि या श्रावण मास के किसी भी दिन रुद्राक्ष को धारण किया जा सकता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति रुद्राक्ष धारण करता है, उस पर भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा होती है। इसे धारण करने से जातक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है।

रुद्राक्ष को धारण करने वाले को कष्टों से छुटकारा मिलता है। मगर, रुद्राक्ष धारण करने के कुछ नियम भी होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने पर रुद्राक्ष से मिलने वाले लाभ कम हो सकते हैं।

रुद्राक्ष पहनने से पहले करें शुद्धि

रुद्राक्ष को हमेशा शुद्ध करके पहनना चाहिए। सबसे पहले इसे एक कटोरी में दूध, दही, शहद, घी, गंगाजल से धोकर शुद्ध कर लें। इसके बाद रुद्राक्ष पर तिलक लगाएं। इसके बाद इसे लाल या पीले धागे में पहनना चाहिए।

रुद्राक्ष या उसकी माला को पहनने से पहले उसे धूप दिखाएं और फिर 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। इसके अतिरिक्त, रुद्राक्ष को गंदे हाथों से नहीं छूना चाहिए।

रुद्राक्ष की पवित्रता बनाए रखना जरूरी

रुद्राक्ष को धारण करने के बाद उसकी शुद्धता और पवित्रता बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

रुद्राक्ष को कभी भी गंदे हाथों से नहीं छूना चाहिए। अपनी रुद्राक्ष माला किसी और को नहीं देना चाहिए।

रुद्राक्ष पहनने के बाद नॉनवेज नहीं खाना चाहिए। रुद्राक्ष को काले धागे में भी नहीं पहनना चाहिए।

घर में शिशु के जन्म के समय भी रुद्राक्ष को उतारकर मंदिर में रख देना चाहिए। इसे दोबारा शुद्ध करके पहनें।

इसके अलावा रुद्राक्ष को कभी भी अंतिम संस्कार में जाने के दौरान नहीं पहनना चाहिए।

सावन में इन राशियों के लिए खुलेगी कुबेर की तिजोरी, धन की तंगी होगी छूमंतर

सावन का महीना बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई छोटे-बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इससे राशि चक्र की सभी राशियों पर भाव और ग्रहों की स्थिति के अनुसार प्रभाव पड़ेगा। इनमें कई राशि के जातक सावन के महीने में मालामाल होंगे।

ज्योतिषियों की मानें तो सावन के महीने में कई राशि के जातकों पर देवों के देव महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से न केवल आर्थिक परेशानी दूर होगी, बल्कि करियर और कारोबार में भी सफलता मिलेगी।

कर्क राशि –मन के कारक चंद्र देव कर्क राशि के स्वामी हैं और आराध्य भगवान शिव हैं। इस राशि के जातकों पर महादेव की असीम कृपा रहती है। उनकी कृपा से जीवन में किसी चीज की कमी नहीं रहती है। वर्तमान समय में शुक्र देव की भी कृपा बरस रही है। सावन के महीने में धार्मिक सक्रियता बढ़ेगी। साहसी और निडर बनेंगे। अपने फैसले से लोगों को अचंभित करने में सफल होंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। धन का व्यय हो सकता है।

धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। यात्रा से लाभ होगा। साथ ही आपकी प्रसिद्धि भी बढ़ेगी। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावन में अधिक फायदा होगा। घर में अन्न और धन की कमी नहीं रहेगी। गहने और कपड़ों की खरीदारी कर सकते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आप गहने और महंगे कपड़े के शौकीन हो सकते हैं। पिता से भी धन लाभ होगा।

सिंह राशि–सिंह राशि के जातकों के लिए सावन का महीना खास साबित हो सकता है। इस महीने भगवान शिव की कृपा से जीवन में सुखों का आगमन होगा। धार्मिक यात्रा पर जाने का अवसर मिलेगा। मानसिक वेदना से मुक्ति मिलेगी। सावन महीने में महादेव की कृपा से कारोबार में धन लाभ होगा। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। श्रेष्ठ और कुलीन लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ेगी या होगी। भाग्य में वृद्धि होगी।

आपके पास आमदनी के कई साधन होंगे। धन खर्चने में आप कंजूसी कर सकते हैं। शत्रुओं पर आपकी जीत होगी। घर-परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। देवों के देव महादेव की कृपा पाने के लिए हर सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद दूध या गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही भगवान शिव को सफेद फूल अर्पित करें। इस समय 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए सावन का महीना बेहद खास रहने वाला है। इस महीने आप प्रॉपर्टी के माध्यम से पैसा कमाने में सफल होंगे। ऐसा भी हो सकता है कि आप उम्मीद से अधिक धन कमाएंगे। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कर सकते हैं। धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। सेहत अच्छी रहेगी।

परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। करियर और कारोबार में भी ऊंचा मुकाम हासिल होगा। सावन के महीने में आप भंडारे का आयोजन कर सकते हैं। किसी न किसी माध्यम से पैसे कमाने में सफल होंगे। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए सावन महीने में रोजाना गंगाजल में काले तिल मिलाकर देवों के देव महादेव का अभिषेक करें।

सावन में तुलसी को जल चढ़ाने से क्या होता है?

तुलसी भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और इसमें माता लक्ष्मी का वास भी माना जाता है। सावन में तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है, जिससे घर में सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है।

तुलसी के पौधे को घर में शुभ और मंगलकारी माना जाता है। नियमित रूप से तुलसी में जल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे घर का वातावरण शुद्ध और शांत रहता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, तुलसी को जल चढ़ाने से विवाह संबंधी बाधाएं दूर होती हैं और योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी में जल चढ़ाने से कुंडली में मौजूद कई ग्रह दोषों का शमन होता है, विशेषकर बृहस्पति ग्रह से संबंधित दोष। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रोजाना तुलसी को जल चढ़ाने और उसकी पूजा करने से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। विवाहित महिलाओं के लिए तुलसी को जल चढ़ाना सौभाग्य में वृद्धि लाता है और पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है। इससे महिलाएं सदा सुहागिन और सौभाग्यशाली रहती हैं।

सावन के पहले सोमवार को करें ये उपाय, भोलेनाथ करेंगे हर मनोकामना पूरी!

देवों के देव महादेव को समर्पित पवित्र श्रावण मास, जिसे सावन का महीना भी कहा जाता है। इस साल 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगा। शिव भक्तों के लिए यह मास बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, खासकर इसमें पड़ने वाले सोमवार। सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है, जिसे भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए बहुत ही शुभ माना जा रहा है। मान्यता है कि जो भक्त सावन के सोमवार को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा -पाठ करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सावन में की गई पूजा से भगवान शिव अपने भक्तों के कष्टों को हर लेते हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते है।

पंचांग के अनुसार, इस साल श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई 2025, शुक्रवार से हो रही है और समापन 9 अगस्त 2025, शनिवार को होगा।

सावन के पहले सोमवार को किए जाने वाले कुछ विशेष उपाय

शिवलिंग पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक

सावन के पहले सोमवार को सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर शुद्ध जल, गंगाजल और दूध से अभिषेक करें। यदि संभव हो तो रुद्राभिषेक का पाठ भी करवाएं। इससे भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं और आपकी सभी बाधाएं दूर होती हैं।

बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल चढ़ाएं

भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल अत्यंत प्रिय हैं। सावन के पहले सोमवार को शिवलिंग पर कम से कम 11 बेलपत्र अर्पित करें। प्रत्येक बेलपत्र पर 'ॐ नमः शिवाय' लिखें। इसके अलावा धतूरा, भांग, शमी पत्र और सफेद आक के फूल भी चढ़ाएं।

चंदन और भस्म का तिलक लगाएं

शिवलिंग पर चंदन का लेप लगाएं और भगवान शिव को भस्म अर्पित करें। यह उपाय नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है।

शिव चालीसा और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें

सावन के पहले सोमवार को पूरे दिन 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही शिव चालीसा और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करना भी बेहद शुभ माना जाता है। महामृत्युंजय मंत्र का जाप गंभीर रोगों से मुक्ति और अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है।

दीपक प्रज्वलित करें

संध्या के समय शिव मंदिर में या अपने घर के पूजा स्थल पर गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और वास्तु दोष दूर होते हैं।

व्रत का पालन करें

यदि आप सावन सोमवार का व्रत रखते हैं, तो इस दिन अन्न ग्रहण न करें। केवल फल, दूध और सात्विक आहार का सेवन करें। व्रत रखने से शारीरिक और मानसिक शुद्धि होती है, और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

गरीबों को दान करें

सावन के पहले सोमवार को अपनी श्रद्धा अनुसार गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या धन का दान करें। दान-पुण्य करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और आपके जीवन में खुशहाली आती है।

प्रदोष काल में पूजा

प्रदोष काल (सूर्यास्त के समय) भगवान शिव की पूजा के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। सावन के पहले सोमवार को प्रदोष काल में शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिव मंत्रों का जाप करें।

बर्थडे स्पेशल : दर्शकों को एंटरटेन करने वाली लल्ली ने झेला गरीबी का दर्द

कॉमेडी क्वीन और लल्ली के नाम से मशहूर कमीडियन भारती सिंह का 3 जुलाई को जन्मदिन है। भारती ने अपनी मेहनत, टैलेंट और शानदार सेंस-ऑफ-ह्यूमर से न सिर्फ दर्शकों के दिलों में जगह बनाई, बल्कि भारतीय कॉमेडी की दुनिया में एक नया इतिहास रचा। कम ही लोग जानते हैं कि यह हंसमुख चेहरा, जो आज अनगिनत लोगों को हंसा रहा है, कभी गरीबी में भी रहा है।भारती सिंह ने विपरीत परिस्थितियों को भी हंसते-हंसते हराया और देश की सबसे पसंदीदा कमीडियन में से एक बन गईं। उनका मानना है कि कॉमेडी गरीबी में होती है, अमीरी में नहीं।

3 जुलाई, 1984 में पंजाब के अमृतसर में जन्मीं भारती सिंह की जिंदगी की शुरुआत आसान नहीं थी। महज दो साल की उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। इसके बाद उनकी मां कमला सिंह ने अकेले ही भारती और उनके भाई-बहनों की परवरिश की। इसके लिए उनकी मां ने घर-घर में काम भी किया।

एक इंटरव्यू में भारती ने बचपन के मुश्किल दिनों को याद करते हुए बताया था कि उनके परिवार की स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि उनके पास खाने तक के पैसे नहीं होते थे। ऐसे में दूसरों का बचा खाना परिवार के लिए पेट भरने का जरिया बन जाता था। मां की मेहनत और बच्चों के लिए उनका त्याग देखकर भारती ने ठान लिया कि वह अपनी मां के लिए कुछ बड़ा करेंगी और जिंदगी में सफल होकर रहेंगी।

बचपन में गरीबी का दंश झेलने वाली भारती ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और कॉलेज में राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडल भी जीता। लेकिन, उनकी जिंदगी को असली दिशा तब मिली, जब उन्होंने कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा। भारती का कॉमेडी करियर तब शुरू हुआ, जब वह स्टैंड-अप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के चौथे सीजन में पहुंची थीं। इस शो में उनके चुलबुली और प्यारी लल्ली के किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी हंसी, मजेदार पंचलाइन्स और बिंदास अंदाज ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस शो में वह सेकंड रनर-अप रहीं। लेकिन, यह उनके करियर की शुरुआत थी। इसके बाद भारती ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

इसके बाद तो भारती धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने लगीं। कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर जैसे बड़े कमीडियन्स के साथ काम करने का मौका मिला। कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में उनकी मौजूदगी ने शोज को और भी मजेदार बना दिया। भारती की खासियत है कि वह अपनी कॉमेडी में आम जिंदगी की बातों को इस तरह पेश करती हैं कि हर कोई उससे जुड़ाव महसूस करता है।

भारती ने कई टीवी शोज में अपनी छाप छोड़ी।कॉमेडी सर्कस, झलक दिखला जा, नच बलिए और 'फीयर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' जैसे रियलिटी शोज में उनकी मौजूदगी ने दर्शकों का मनोरंजन किया। लेकिन, उनका असली जादू 'लाफ्टर शेफ्स: अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में देखने को मिला, जहां वह होस्ट के रूप में नजर आईं। इस शो ने उनके करिश्माई व्यक्तित्व को और निखारा।

भारती ने साल 2017 में लेखक और होस्ट हर्ष लिंबाचिया से शादी की, जिनके साथ वह लाफ्टर शेफ्स जैसे शोज में काम कर चुकी हैं। उनकी केमिस्ट्री ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों जगह कमाल की है। भारती ने साल 2022 में बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने लक्ष्य रखा है और प्यार से गोला बुलाती हैं।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली : ताहिर राज भसीन

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।

ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है। हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है। शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं।

स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

फिल्म मेकर्स संग सुभाष घई ने शेयर की तस्वीर, दिखाई दोस्तों की झलक

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपने पुराने दोस्तों और फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों राजकुमार हिरानी, संजय लीला भंसाली और डेविड धवन के साथ तस्वीर शेयर की। पोस्ट में उन्होंने बताया कि चारों दोस्त इंडस्ट्री में सफल रहे। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक कोलाज शेयर किया, जिसमें वह इन तीनों फिल्ममेकर्स के साथ नजर आए। चारों फिल्म और

टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र हैं और तीन दशकों से अधिक समय से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं।

सुभाष घई ने पोस्ट में लिखा कि चारों दोस्तों ने एफटीआईआई में दो साल तक अलग-अलग कोर्स में पढ़ाई की। घई ने एक्टिंग, जबकि बाकियों ने एडिटिंग जैसे कोर्स किए। फिर भी सभी ने मेहनत और प्रतिभा से फिल्म इंडस्ट्री में खास जगह बनाई। उन्होंने यह भी बताया कि औपचारिक शिक्षा के अलावा, असल सीख उन्हें अपने आसपास के माहौल से मिली। घई ने इस दर्शन को अपनी फिल्म स्कूल, व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में भी लागू करने की बात कही, जहां वह नई जे-नरेशन को फिल्म की बारिकियां सिखाते हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम चारों दोस्त तीन दशक से ज्यादा समय तक फिल्म इंडस्ट्री में सफल रहे। हमने फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में पढ़ाई की, लेकिन असल में हर दिन आसपास से सीखा।

हाल ही में सुभाष घई ने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर सुर्खियां बटोरीं। 30 जून को उन्होंने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म में एक्टर रितेश देशमुख लीड रोल में होंगे। उन्होंने रितेश की फिल्म 'अपना सपना मनी मनी' की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें रितेश एक महिला के किरदार में नजर आए।

घई ने मजाकिया अंदाज में लिखा, यह मेरी अगली फिल्म की हीरोइन है। इस खूबसूरत लड़की का नाम क्या है? प्लीज बताएं।

सुभाष घई की अंतिम फिल्म '36 फार्महाउस' थी, जिसे उन्होंने साल 2022 में लिखा और निर्मित किया था। वे 'कालीचरण', 'विश्वनाथ', 'कर्ज', 'हीरो', 'मेरी जंग', 'कर्मा', 'राम लखन', 'सौदागर', 'खलनायक', 'परदेस' और 'ताल' जैसी शानदार फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं।

पांच साल बाद जब स्पेशल ऑप्स के सेट पर आईं सैयामी खेर, कहा- लौट आई पुराने घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर इन दिनों स्पेशल ऑप्स सीजन 2 को लेकर चर्चा में हैं। यह साल 2020 में आए स्पेशल ऑप्स का सीक्वल है। एक्ट्रेस ने पांच साल बाद स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि इतने समय बाद पुराने सेट पर लौटना उनके लिए घर लौटने जैसा था। सैयामी खेर ने बताया कि जब वह पांच साल बाद फिर से स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटीं, तो ऐसा लगा जैसे वह फिर से अपने पुराने घर में आ गई हों। पुराने साथी कलाकारों से मिलकर और अपने किरदार को दोबारा निभाकर सभी यादें वापस आ गईं। उन्होंने कहा, पांच साल बाद स्पेशल ऑप्स के सेट पर लौटना मेरे लिए भावुक और यादगार था। मुझे पुराने सीन्स के शूट और टीम के साथ बिताए अच्छे पल सब याद आ गए।

सैयामी ने आगे कहा, नीरज पांडे सर और के. के. मेनन के साथ दोबारा काम करना उनके लिए सीखने का बेहतरीन ...का रहा। दोनों ही अपनी ...नी कहने की कला में ...र हैं, जिससे उन्हें और ...करने की प्रेरणा मिलती ... और थ्रिलर से भरपूर ...सीरीज स्पेशल ऑप्स ...में सैयामी फिर से ...दार निभाती नजर ...नन हिम्मत सिंह ... आएंगे। इस सीजन में करण ..., विनय पाठक, मेहर विज, मुजम्मिल इब्राहिम, ताहिर राज भसीन और प्रकाश राज भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। नीरज पांडे की यह वेब सीरीज 11 जुलाई

को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

स्पेशल ऑप्स 2 की कहानी डिजिटल जंग की दुनिया पर आधारित है। यह एआई के गलत इस्तेमाल पर बनी सीरीज है, जो दिखाती है कि नई टेक्नोलॉजी जहां एक तरफ वरदान है, तो दूसरी तरफ यह कितनी खतरनाक भी है।

सन ऑफ सरदार 2 का गाना रिलीज

अभिनेता अजय देवगन की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार-2 का गाना सरदार मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। इसमें अभिनेता और उनके साथ नीरू बाजवा नजर आ रही हैं। मंगलवार को अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर अपने नए गाने सरदार को शेयर किया। साथ ही कैप्शन दिया, सन ऑफ सरदार 2 की दुनिया में पेश है सरदार गाना। फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होगी। गाने के बोल रोमी और सुधीर ने लिखे हैं। इसे हर्ष उपाध्याय ने कंपोज किया है।

इससे पहले अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने गाना रिलीज होने के पहले पोस्टर इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर शेयर किया था। पोस्ट में अभिनेता अजय देवगन हाथ का कड़ा पकड़े नजर आ रहे हैं।

इससे पहले अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था, जिसमें उनके साथ को-स्टार मृणाल ठाकुर, चंकी पांडेय, रवि किशन, विंदू दारा सिंह, नीरू बाजवा, रोशनी वालिया और अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सभी को-स्टार अजय की तरफ पिस्तौल ताने खड़े हुए हैं, जबकि अभिनेता सहमे नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, यह फैमिली फोटो नहीं है, यह होने वाले धमाके की चेतावनी है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा।

डांट में था प्यार, इनाम में था आशीर्वाद, सख्ती और ममता का रूप थीं सरोज खान

बॉलीवुड में जब भी कोरियोग्राफर की बात होती है, तो दिमाग में सरोज खान का नाम सबसे पहले आता है। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें, उनका जज्बा और उनके शानदार डांस मूव्स आज भी हमारे दिलों में बसे हुए हैं। 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट के चलते उनका निधन हो गया था। 71 साल की उम्र में उन्होंने आ-खिरी सांस ली और पीछे छोड़ गईं अपना जोश और कभी हार न मानने की ताकत। वह अपनी पूरी जिंदगी नाचती रहीं, झूमती रहीं। सरोज खान का असली नाम निर्मला नागपाल था। उनकी अदाओं में वो खास बात थी जो हर गाने को और भी खास बना देती थी। उन्होंने माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, ऐश्वर्या राय जैसी बड़ी अभिनेत्रियों को डांस सिखाया। उनके अंदर गुरु की गंभीरता और मां की ममता एक साथ बसी थी। वह जितनी सख्त नजर आती थीं, उतनी ही कोमल दिल की भी थीं। बॉलीवुड के मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने और उनके पार्टनर सीजर ने पश्चिमी डांस स्टाइल्स को बॉलीवुड में लाने की कोशिश की, लेकिन सबसे ज्यादा डर उन्हें सरोज खान जी के गुस्से का था।

बॉस्को मार्टिस ने कहा, ''मैं और मेरा साथी सीजर, जब हम अपने डांस स्टाइल को बॉलीवुड में लाने की कोशिश कर रहे थे, तो हमें सिर्फ सरोज खान का डर था, क्योंकि वह पारंपरिक और भारतीय स्टाइल की मल्लिका थीं। लेकिन, जब उनसे करीब से मुलाकात हुई, तो पता चला कि वह असल में भारतीयता की शुद्धता को बचाए रखना चाहती थीं। उन्होंने हमें अपने साथ काम करने का मौका दिया, आशीर्वाद दिया और हमें हमेशा प्रोत्साहित किया।''

उन्होंने आगे कहा, ''मैं अपने आप को खुशनसीब मानता हूं कि मैंने उनकी छांव में डांस को बेहतर तरीके से जाना। मुझे याद है, 'डांस इंडिया डांस' के सेट पर उन्होंने मेरी तारीफ में 100 रुपये का इनाम दिया था। उस पल की खुशी बयान करना नामुमकिन है। उनकी मां जैसी ममता और सख्त अंदाज दोनों एक साथ देखने को मिलते थे।''

सरोज ने अपने करियर की शुरुआत महज 3 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म 'नजराना' से की थी, लेकिन उनका झुकाव धीरे-धीरे डांस की तरफ होता गया। शुरुआती दिनों में वह बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करती थीं और 13 साल की उम्र में ही उन्होंने कोरियोग्राफी सीखनी शुरू कर दी। उन्होंने मशहूर डांस डायरेक्टर बी. सोहनलाल के असिस्टेंट के तौर पर काम किया और डांस की बारीकियों को गहराई से जाना।

उनके करियर का असली मोड़ तब आया जब उन्हें स्वतंत्र रूप से कोरियोग्राफर बनने का मौका मिला। फिल्म 'गीता मेरा नाम' से उन्होंने बतौर स्वतंत्र कोरियोग्राफर शुरुआत की, लेकिन पहचान 1986 में आई फिल्म 'नगीना' के सुपरहिट गाने 'मैं तेरी दुश्मन' से मिली। इस गाने में श्रीदेवी के जबरदस्त डांस ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सरोज खान की भी लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद 1987 में 'मिस्टर इंडिया' का गाना 'हवा हवाई' जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

सरोज खान का करियर उस वक्त सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब 1988 की फिल्म 'तेजाब' का 'एक दो तीन' गाना कोरियोग्राफ किया। इस गाने ने न सिर्फ माधुरी को रातोंरात स्टार बना दिया, बल्कि सरोज खान को भी 'हिट मशीन' का दर्जा दिला दिया। इस गाने की सफलता इतनी बड़ी थी कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में पहली बार 'बेस्ट कोरियोग्राफी' की कैटेगरी शुरू की गई और पहला अवॉर्ड सरोज खान को दिया गया। 'ढोली तारो', 'हमको आजकल है इंतजार', 'चोली के पीछे', 'धक-धक करने लगा', 'डोला रे डोला', और 'निंबूड़ा' जैसे गानों ने उन्हें कोरियोग्राफी की दुनिया की महारानी बना दिया।

सरोज खान ने लगभग 2,000 से ज्यादा गानों को कोरियोग्राफ किया। बॉलीवुड की तमाम बड़ी एक्ट्रेस उनकी कोरियोग्राफी में थिरकती नजर आईं। उन्होंने साधना, वैजयंतीमाला, हेलन, शर्मिला टैगोर, वहीदा रहमान, जीनत अमन, रेखा, श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, करिश्मा, उर्मिला, रवीना टंडन, ऐश्वर्या राय और करीना कपूर जैसी एक्ट्रेस को डांस सिखाया।

सरोज खान की खासियत यह थी कि वह डांस को सिर्फ स्टेप्स तक सीमित नहीं रखती थीं। उनका मानना था कि डांस में भाव होना चाहिए, चेहरे से कहानी दिखनी चाहिए। वह हर गाने की एक-एक लाइन को तोड़ती थीं और उसके हिसाब से एक्सप्रेशन और मूवमेंट बनाती थीं। उन्होंने इंडियन फोक डांस और क्लासिकल डांस को मुख्यधारा की फिल्मों में लोकप्रिय बना दिया। वह अपनी अलग स्टाइल, सादगी और अनुशासन के लिए जानी जाती थीं।

सरोज खान को तीन बार नेशनल अवॉर्ड और आठ बार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। उन्होंने टीवी रियलिटी शोज़ में भी बतौर जज हिस्सा लिया और नए कलाकारों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कोरियोग्राफी को सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक कला का दर्जा दिलाया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 02:08 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 01:51 तक
योग : परिघ सायं 06:34 तक
करण : बव दोपहर 02:08 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 03:09 तक
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिल्ली-जयपुर के बीच नया ग्रीनफील्ड स्पर तैयार : नितिन गडकरी

जयपुर/नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली–वडोदरा एक्सप्रेसवे और जयपुर को जोड़ने वाला 66.9 किलोमीटर लंबा, 4–लेन वाला ग्रीनफील्ड बांदीकुई स्पर बनकर तैयार हो गया है। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है।

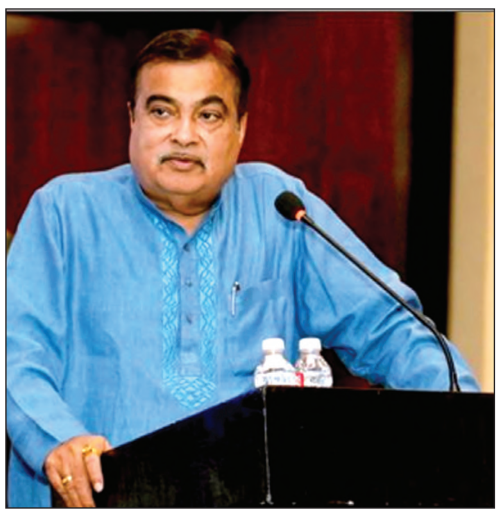

उनके मुताबिक, इस परियोजना पर 2,016 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह नया स्पर दिल्ली और जयपुर के बीच सीधी और नियंत्रित कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को अब लंबी और ईंधन खर्च करने वाली यात्राओं से छुटकारा मिलेगा।

नितिन गडकरी के अनुसार, इस नए स्पर से दिल्ली–जयपुर के बीच यात्रा का समय 3 घंटे 45 मिनट से घटकर केवल 3 घंटे रह जाएगा। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–48 और एनएच–21) पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी कम होगी।

नितिन गडकरी के मुताबिक, यह परियोजना क्षेत्र में गतिशीलता को बेहतर बनाएगी और सड़क यात्रा को और सुगम करेगी। इस स्पर के बनने से जयपुर के पर्यटन स्थलों, जैसे आमेर किला और जंतर मंतर, तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह क्षेत्रीय आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, वाहनों की टूट–फूट कम होगी और स्थानीय किसानों, खासकर फल–सब्जी उत्पादकों को दिल्ली के बड़े बाजार तक आसानी से पहुंचने का मौका मिलेगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। यह परियोजना सरकार की बुनियादी ढांचा विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास में भी योगदान देगा। इस स्पर के पूरा होने से दिल्ली–जयपुर मार्ग पर यात्रा अब और भी तेज, सुरक्षित और किफायती होगी।

चिकित्सा मंत्री ने की समीक्षा, मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंधन करने के दिए निर्देश

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए सभी जिलों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन जिलों में बारिश अधिक हो रही है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि विगत वर्ष मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम की गई थी, जिसके चलते केसों की संख्या कम रही और मौतें भी नगण्य रहीं। इस वर्ष भी माकूल प्रबंधन करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी मानव संसाधन की और आवश्यकता है, तत्काल अवगत कराएं। अस्पतालों में दवाओं की समुचित उपलब्धता और जांच उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही, राज्य एवं जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वीकृत नए चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संबंधित जिला कलक्टर के माध्यम से जमीन आवंटन की कार्यवाही को पूरा कराने में गंभीरता बरतें, ताकि नए संस्थानों के भवनों का जल्द निर्माण हो और प्रदेश में स्वास्थ्य का आधारभूत ढांचा मजबूत हो। चिकित्सा मंत्री ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की समीक्षा करते हुए प्रदेश की अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग, जांच एवं उपचार गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित हो। आमजन को जागरूक कर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाएं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सीएमएचओ यह ध्यान रखें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार की व्यवस्थाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे।

अधिकारी कार्यक्षेत्र में रहे, बारिश से सड़क खराब हो तो तत्काल सही करवाये : दिया कुमारी

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिये है बरसात के मौसम में सड़के ख़राब होती है तो उन्हें तत्काल ठीक करवाया जाये ताकि आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा है कि अधिकारी यह सुनिश्चित करे की बारिश की वजह से रोड ख़राब होने से यातायात बाधित न हो ,अधिकारी फिल्ड में रहकर इसकी मॉनिटरिंग करें । उप मुख्यमंत्री बुधवार को शासन सचिवालय में जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा जोन की सड़क एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिये आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थी । गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यो की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने जोधपुर , पाली, सिरोही, फलोदी ,

जालौर , बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की प्रगति की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में राह सुगम करने हेतु बनाये जा रहें अटल पथो के साथ नाली जरूर बनाई जाये। उन्होंने बरसाती मौसम को ध्यान रखते हुए सड़को की रिपेयर और सड़क किनारे जंगल सफाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024–25 के कामों को शीघ्र पूरा करवाने एवं बजट घोषणा 2025–26 के घोषित कामों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग की विभागीय सेवाओं को ऑनलाइन करने के निर्देश

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति एवं अध्यक्ष आरटीडीसी राजेश यादव की अध्यक्षता में आयुक्त पर्यटन एवं प्रबंध निदेशक आरटीडीसी रुक्मणी रियाड़ की उपस्थिति में सोमवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख शासन सचिव ने विभागीय योजनाओं / स्कीम्स के क्रियान्वयन व प्रगति,निर्माण कार्यों की प्रगति एवं केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति जैसे बिंदुओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विभाग में जहां पद खाली है वहां कार्यबाधित न हो इस हेतु वैकल्पिक रूप से आउटसोर्स किया जाए।उन्होंने निदेशालय द्वारा उल्लेखित 13 पर्यटन अधिकारी 20 सहायक पर्यटन अधिकारी के पदों के लिए वैकल्पिक रूप ममें आउटसोर्स किये जाने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन को एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से निदेशालय और अधीनस्थ कार्यालयों का विवरण देते हुए बताया गया कि वर्तमान में पर्यटन विभाग का एक निदेशालय और अधीनस्थ कार्यालय और 04 क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय 15 पर्यटक स्वागत केन्द्र ,14 पर्यटक सूचना केन्द्र 14 हैं। राज्य के राज्य के बाहर 01 पर्यटक स्वागत केन्द्र तथा 4 पर्यटक सूचना केन्द्र स्थापित हैं।

भजनलाल सरकार ने शुरू की पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना

जयपुर, 02 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के बीपीएल ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए शुरू की गई 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' के तहत पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों के चयनित बीपीएल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम देने की की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

योजना के तहत ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े में ऐसे परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसे 22400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तान्तरित की जाएगी। अब तक 17 हजार 891 परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत चयनित गांवों में आत्मनिर्भर परिवारों के अतिरिक्त जिन परिवारों को गरीबी से उबरने में सहायता की आवश्यकता है, उन्हें आय सृजन, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन के लिए राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अब तक 61 हजार 442 परिवारों के आवेदन प्राप्त किये जा चुके हैं। योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631

बीपीएल परिवारों को चिन्हित किया गया है। चिन्हित समस्त परिवारों का भौतिक सर्वे पूर्ण कर लिया गया है तथा इनका बीपीएल जनगणना 2002 के आंकड़ों का मिलान कर वेब पोर्टल पर सर्वे इन्द्राज कर दिया गया है। सर्वे के आधार पर प्रत्येक गांव के लिए 'गरीबी मुक्त गांव कार्य–योजना' बनाई जा रही है। इस योजना में सरकार की अन्य योजनाओं का भी समन्वय किया जा रहा है ताकि गांवों का समग्र विकास हो सके। इस योजना का मूल उद्देश्य बीपीएल जनगणना 2002 के अनुसार चिन्हित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी। योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। इसी तरह स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रति परिवार 15 हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी दी जाएगी।इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार भी दिए जाएंगे। त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः 50 लाख, 35 लाख और 25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

दूसरे चरण में भी 5002 गांवों को चयनित किया गया है, जहां बीपीएल परिवारों का सर्वेक्षण जारी है।

समाधान शिविरों के दौरान प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें उपायुक्त : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा मॉनसून सीजन के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बरसाती पानी के त्वरित निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में पंपों की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी उपायुक्त अपने–अपने जिलों में बारिश के पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने उपायुक्तों को जलभराव के संभावित स्थानों की पहचान कर तदनुसार उचित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में उपलब्ध पंपों की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पंपों को पूरी तरह चालू स्थिति में रखा जाए ताकि वर्षा जल की निकासी में कोई समस्या न हो। साथ ही उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास उपलब्ध पंपों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका समुचित उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपायुक्त निर्धारित प्रारूप में पंपों की उपलब्धता से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पंप सेटों की निर्बाध संचालन के लिए बिजली बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।ड्रेनों की सफाई की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विशेष रूप से नगरों एवं शहरों से गुजरने वाले ड्रेनों की समुचित सफाई की जाए ताकि ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न न हो सके। उन्होंने फरीदाबाद में गौंछी ड्रेन को कवर करने की संभावना तलाशने और राज्य की अन्य ड्रेनों के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत शगुन राशि में 10,000 की वृद्धि

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। अब प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के पात्र परिवारों को बेटियों के विवाह के अवसर पर 51,000 की शगुन राशि प्रदान की जाएगी, जो पहले 41,000 थी।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकृति दिए जाने के बाद यह योजना पिछड़ा वर्ग कल्याण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हो रही है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है – कोई भी परिवार केवल आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी के विवाह में असहाय न महसूस करे। इस सहायता से न सिर्फ आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा।

गरीब विरोधी भाजपा सरकार ने दिया कुछ नहीं : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 02 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने बीपीएल परिवारों को मिलने वाले सरसों तेल के दाम में 150% वृद्धि तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार सरसों तेल के बढ़े हुए दाम वसूलकर 1.86 करोड़ लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। प्रदेश में करीब 46.43 लाख कार्ड धारक हैं। प्रति कार्ड चार सदस्य की गणना के हिसाब से सीधे 1.86 करोड़ लोगों पर इस फैसले की चोट पड़ी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने अभी बिजली महंगी की, अब सरसों तेल ढाई गुना महंगा कर लोगों का जीना दूभर कर दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा सरकार को जनविरोधी और गरीबविरोधी बताते हुए कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है वो सिर्फ लोगों को लूटने में लगी है।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने याद दिलाया कि प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीबों के लिए अनेक जनकल्याण योजनाएं चलाई जाती थी जिन्हें बीजेपी ने सत्ता में आते ही घोटाले करके बंद कर दिया। बीजेपी सरकार ने दिया कुछ नहीं, जो था उसे भी छीन लिया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के लिये दाल–रोटी योजना चलायी लेकिन, भाजपा सरकार ने उसमें घोटाला करके योजना ही बंद कर दी। दाल–रोटी, नमक और सरसों तेल बंद करने के बाद स्कूली बच्चों के वजीफे को भी सरकार ने बंद कर दिया।हुड्डा ने कहा कि हरियाणा पहला ऐसा प्रदेश था जहां एससी वर्ग के बच्चों को पहली जमात से वजीफा मिलता था। कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय गरीब और वंचित वर्ग को 100–100 गज के मुफ़्त प्लॉट, मकान बनाने के लिए अनुदान दिया जाता था। यही नहीं, मुफ्त पानी का कनेक्शन, पानी की टंकी, घर तक पाइप और नल की योजना को भी बीजेपी सरकार ने बंद कर दिया।

राज्य कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार के आगे घुटने टेक दिए हैं: एमएलसी सीटी रवि

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा एमएलसी सी टी रवि ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भ्रष्टाचार और भ्रष्ट व्यक्तियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उडुपी के शारदा कल्याण मंडप सभागार में सोमवार शाम को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एमएलसी सी टी रवि ने कहा सीएम सिद्धारमैया और डीसीएम डीके शिवकुमार ने लोगों पर महंगाई का बोझ डाल दिया है। जब लोग परेशान हैं, तो पूरी कांग्रेस ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के लिए अपने हाथ खड़े कर दिए हैं और भ्रष्ट लोगों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। वे ही महंगाई के मुख्य कारण हैं और लोग इसे समझ चुके हैं। एमएलसी सी टी रवि ने हृदयाघात से होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता जताई। हृदय गति रुकने से होने वाली मौतों में वृद्धि पर चिकित्सा

अनुसंधान की आवश्यकता है। क्या यह जीवनशैली, खान-पान की आदतों या मानसिक तनाव के कारण है? इस पर वैज्ञानिक अनुसंधान किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रसूति मृत्यु की चिंता नहीं की, शिशु मृत्यु की चिंता नहीं की और अब लोग हृदय गति रुकने से मर रहे हैं। कम से कम इस मुद्दे पर तो ध्यान दें। राजनीति को किनारे रखें और विशेषज्ञों की टीम बनाकर चिकित्सा अनुसंधान करके मंत्री के रूप में अपना कर्तव्य निभाएं। हम इस पर संसद में भी चर्चा करेंगे। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सीटी रवि ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने 11 साल पूरे कर लिए हैं। 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब मोदी सरकार भारत को आत्मनिर्भर (आत्मनिर्भर भारत), विश्व गुरु (विश्व गुरु भारत) और विश्व मित्र भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भारत का हर परिवार आत्मनिर्भर और गरीबी मुक्त होना चाहिए। भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनना चाहिए। सी टी रवि ने आगे कहा 2014 से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर 11वें स्थान पर थी। आज यह चौथे स्थान पर है। हमने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 200 साल तक हम पर राज किया और हाल ही में जापान को पीछे छोड़ा है। अगले दो से तीन सालों में हम जर्मनी को पीछे छोड़ देंगे, जो अभी तीसरे स्थान पर है। चीन और अमेरिका ही हमसे आगे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, जबकि उनकी अर्थव्यवस्था स्थिर या गिर रही है। मोदी सरकार के शासन के तरीके को समझाते हुए सी टी रवि ने कहा मोदी सरकार सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के सिद्धांतों के साथ काम करती है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि मोदी ने कहा कि पहला हक गरीबों का है। जो मुसलमानों के लिए बोलता है, उसे धर्मनिरपेक्ष कहा जाता है और जो गरीबों के लिए बोलता है, उसे सांप्रदायिक कहा जाता है। सी. टी. रवि ने कहा मोदी सरकार आने वाले वर्षों में देश को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने वोकल-फॉर-लोकल पहल के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, विधायक सुरेश शेट्टी गुरमे, विधायक यशपाल सुवर्णा, विधायक गुरुराज गंटीहोल, उडुपी जिला भाजपा अध्यक्ष नवीन शेट्टी, मंगलूरु क्षेत्र के संयोजक उदय कुमार शेट्टी, मट्टर रत्नाकर शेट्टी और कुइलाडी सुरेश नायक शामिल हुए।

वॉशरूम में महिला सहकर्मियों का वीडियो बनाने के आरोप में तकनीकी कर्मचारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस ने बुधवार को एक 30 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को सोमवार (30 जून) को इंफोसिस कैंपस के वॉशरूम में अपनी महिला सहकर्मियों का कथित तौर पर वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पीड़िता द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने तकनीकी विश्लेषक स्वप्निल नागेश को गिरफ्तार किया और आगे की जांच के लिए धारा 66ई (किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसके निजी क्षेत्र की छवियों को कैप्चर करने, प्रकाशित करने या प्रसारित करने के माध्यम से गोपनीयता का उल्लंघन) और धारा 77 (दृश्यरतिकता का अपराध) के तहत आरोप लगाया। यह घटना तब सामने आई जब इंफोसिस में तकनीकी परीक्षण प्रमुख के रूप में काम करने वाली पीड़िता 30 जून, 2025 को वॉशरूम का उपयोग करने गई। वॉशरूम का उपयोग करने के लिए इंतजार करते समय, उसने एक लड़की को एक क्यूबिकल से बाहर आते देखा और बगल के वॉशरूम से वीडियो बनाते हुए आईने में एक आदमी का प्रतिबिंब

देखा। वह शौचालय पर चढ़ गई और कथित तौर पर उसे अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड करने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

उसने शोर मचाया और वॉशरूम से बाहर भागी, जिससे स्टाफ को उसे बचाने के लिए आना पड़ा। एचआर स्टाफ ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया और वीडियो डिलीट कर दिया। पीड़िता घर गई और पुलिस के पास जाने से पहले अपने परिवार को अपनी आपबीती सुनाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्वप्निल का पता लगाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी तीन महीने पहले कंपनी में शामिल हुआ था। उसने दो वीडियो रिकॉर्ड किए थे, जिन्हें पुलिस ने 'डिलीटेड' फोल्डर से बरामद किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मोबाइल को विस्तृत विश्लेषण के लिए एफएसएल भेजा गया है। इस घटना ने कार्यस्थल की सुरक्षा और गोपनीयता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं, जिससे कॉर्पोरेट परिसरों में सख्त निगरानी और प्रवर्तन की माँग की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद, इन्फोसिस ने एक बयान जारी कर शून्य-सहिष्णुता की नीति का आश्वासन दिया और जाँच को पूरा समर्थन दिया। आईटी फर्म के प्रवक्ता ने कहा हमें इस घटना की जानकारी है और हमने कर्मचारी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की है, जो अब कंपनी से अलग हो चुका है। हमने शिकायतकर्ता को कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ त्वरित शिकायत की सुविधा देकर तुरंत सहायता की और पुलिस की जांच में सहयोग करना जारी रखा। इन्फोसिस उत्पीड़न मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसकी शून्य-सहिष्णुता की नीति है। हम कंपनी की आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन से संबंधित हर शिकायत को गंभीरता से लेते हैं।

एनटीपीसी द्वारा बीएमडी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन 100 से अधिक लोगों ने कराया हड्डियों का परीक्षण

पटना (एजेंसियां)।

एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-ख मुख्यालय शास्त्री नगर पटना में कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के बेहतर स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए आज एक विशेष बीएमडी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर एनटीपीसी स्वास्थ्य संभाग द्वारा प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिजनों ने हड्डियों की जाँच कराकर लाभ उठाया। शुभारंभ अवसर पर कहा गया कि एनटीपीसी अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। स्वस्थ शरीर ही खुशहाल जीवन की नींव है। ऐसे शिविरों के माध्यम से हम समय रहते हड्डियों की समस्याओं की पहचान

कर सकते हैं और उचित परामर्श देकर कर्मचारियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे।

शिविर में उपस्थित लोगों को हड्डियों से संबंधित रोगों की रोकथाम, खानपान एवं जीवनशैली संबंधी परामर्श भी दिया गया। एनटीपीसी के इस प्रयास से 100 से अधिक कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराकर जरूरी सलाह प्राप्त की, जिससे उनकी हड्डियों के स्वास्थ्य की जानकारी मिली और भविष्य में होने वाली समस्याओं की रोकथाम की दिशा में कदम उठाने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस-राजद को बस कुर्सी चाहिए, भाजपा की प्रेरणा सिर्फ राष्ट्र निर्माण : राजनाथ सिंह

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की राजधानी पटना में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का सिर्फ एक ही मकसद है, किसी भी तरह सत्ता में बने रहना। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य हर भारतीय नागरिक को सम्मानजनक जीवन देना और ऐसी नीतियां बनाना है जिससे समाज के हर वर्ग का विकास हो सके।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर किसी को स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई ऐसे प्रभावी कदम उठाए हैं, जिनकी पहले कभी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि लोग यह सोच भी नहीं सकते थे कि कोई केंद्र सरकार इतना बड़ा आर्थिक बोझ उठा सकती है।

उन्होंने कहा कि अगर वह सारी योजनाओं की विस्तार से चर्चा करने लगेंगे तो बहुत लंबा समय लग जाएगा, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी नीतियां बनाई हैं जिनसे समाज के हर वर्ग को फायदा मिला है। ऐसा कोई वर्ग नहीं बचा जिसके लिए सरकार ने काम न किया हो।

राजनाथ सिंह ने दोहराया कि हर वर्ग को आत्म-सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है और जल्द ही तीसरे स्थान पर होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को भरोसा रखना चाहिए कि बिहार भी तेजी से आगे बढ़ेगा और विकास की इस यात्रा में पीछे नहीं।

झारखंड में सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान की मौत, शव गांव पहुंचते ही उमड़ा जनसैलाब

पटना (एजेंसियां)।

झारखंड के जमशेदपुर में ड्यूटी जाते समय सड़क हादसे में शहीद हुए सीआरपीएफ जवान का पार्थिव शरीर बुधवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा तो मातम का माहौल छा गया। जैसे ही कैमूर जिले के चांद प्रखंड के भेलाडीह गांव में जवान महेश राम का शव पहुंचा, परिजनों के साथ सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गई।

मृतक महेश राम भेलाडीह गांव निवासी मदन राम के 35 वर्षीय पुत्र थे। उन्होंने 2014 में सीआरपीएफ ज्वाइन किया था और पिछले दो वर्षों से झारखंड के टाटा (जमशेदपुर) में कोबरा बटालियन में कमांडो के रूप में तैनात थे। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह वे अपने क्वार्टर से मोटरसाइकिल से ड्यूटी जा रहे थे, तभी सामने से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें

टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बुधवार को सीआरपीएफ बटालियन के जवान शहीद महेश राम का शव लेकर भेलाडीह गांव पहुंचे। जवान का पार्थिव शरीर देखते ही माता शांति देवी और पिता मदन राम बेसुध होकर रोने लगे। जवान के अंतिम दर्शन के लिए भेलाडीह, दीवाने, पहरैचा सहित आसपास के गांवों से लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सीआरपीएफ बटालियन ने शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और शव को परिजनों को सौंपा। इस दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

पटना में रेस्टोरेंट में भीषण आग मौके पर मची अफरा-तफरी

दमकल की आठ गाड़ियों ने पाया काबू

पटना।

पटना जिले के दानापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खगौल रोड स्थित सगुना मोड़ के समीप अनन्या मोटर्स के सामने जुडिओ मॉल के चौथे तल्ले पर स्थित एक रेस्टोरेंट में मंगलवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे रेस्टोरेंट में मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके

पर जुट गए, जिससे सड़क से लेकर मॉल तक लोगों की भीड़ लगी रही। सूचना पर दमकल विभाग की दानापुर समेत कई जगहों से कुल आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गई।

अग्निशामक विभाग के डीएसपी मनोज कुमार भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हाइड्रोलिक मशीन की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कराया। घंटों मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने रेस्टोरेंट में लगी आग को पूरी तरह बुझा दिया।

बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद पास में मौजूद एसएसबी के जवान भी सबसे पहले मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में मदद की। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। सभी लोग सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं। फिलहाल दमकल विभाग की टीम मौके पर रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अग्निशामक डीएसपी मनोज कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और फिलहाल किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

नालंदा में आंगनबाड़ी सहायिका की तेजाब से जलाकर हत्या

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र के गोवाचक गांव में आंगनबाड़ी सहायिका की तेजाब से जलाकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान स्वर्गीय बालदेव दास की 60 वर्षीय पत्नी कलवा देवी के रूप में हुई है।

मृतका के पुत्र विनोद रविदास ने बताया कि उनकी मां पिछले करीब दस वर्षों से गांव में अकेली रहती थीं। विनोद ने कहा कि 30 जून को मां से आखिरी बार बात हुई थी, इसके बाद 1 जुलाई को जब उन्होंने फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। मंगलवार शाम को चचेरे भाई चंदन को घर जाकर देखने के लिए कहा गया। जब चंदन घर पहुंचा तो कलवा देवी घर के दरवाजे के पास मुंह के बल गिरी हुई थीं। उनका चेहरा बुरी तरह जला हुआ था और बायां हाथ टूटा हुआ था, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

वहीं मृतका की बेटी जानकी कुमारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मां की हत्या आंगनबाड़ी की सेविका के परिवार ने की है। उन्होंने बताया कि सोमवार को आंगनबाड़ी में सेविका से कलवा देवी का झगड़ा हुआ था। आरोप है कि सेविका

का परिवार चाहता था कि कलवा देवी सहायिका पद से हट जाएं ताकि वह अपनी बहू को यह पद दिला सके।

अलावा घर के पास जमीन को लेकर भी विवाद चलता था। कलवा देवी के तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है और वे अपने-अपने परिवारों के साथ रहते हैं। बेटा काम के सिलसिले में बाहर रहता है, जबकि बेटियां ससुराल में रहती हैं।

घटना की सूचना मिलने पर सरमेरा थाना अध्यक्ष साकेंद्र कुमार बिंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा गया है। मौके पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है ताकि साक्ष्य संकलित किए जा सकें। पुलिस ने बताया कि मृतका के परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और मामले की गहन जांच जारी है। फिलहाल गांव में इस सनसनीखेज हत्या से दहशत का माहौल है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com